हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, शुक्रवार, 18 अक्टूबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 154

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

www.koylanchalsamvad.com

नागरिकता कानून की धारा 6A को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला... | मौजूदा राजनीति- कहीं पे निगाहें... कहीं पे निशाना | फल एवं सब्जियों का तुड़ाई के बाद भंडारण...

मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

मेटा करेगा व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम में छंटनी!

मेटा ने अपनी विभिन्न डिवीजनों जैसे व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, और रियलिटी लैब्स में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी यह कदम अपने खर्चों में कटौती और संचालन को और कुशल बनाने के लिए उठा रही है। सूत्रों का कहना है कि मेटा के इस फैसले से कई डिपार्टमेंट्स प्रभावित होंगे। इस छंटनी की पुष्टि 2023 में मेटा की थ्रेड्स टीम से जुड़ने वाली जेन मानचून वांग और कुछ अन्य कर्मचारियों ने की। मेटा के प्रवक्ता डेव अर्नाल्ड ने कहा है कि कंपनी अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अपने रिसोर्सेज का पुनर्वितरण कर रही है। इसके तहत टीमों को एक यूनिट से दूसरी यूनिट में शिफ्ट किया जा रहा है और कर्मचारियों के रोल्स में भी बदलाव किए जा रहे हैं।

रेलवे ने बदल दिया टिकट रिजर्वेशन नियम, सिर्फ इतने दिन पहले करवा सकेंगे बुक

नई दिल्ली. यात्रियों की सुगम यात्रा के लिए भारतीय रेलवे समय-समय पर कदम उठाता रहता है। अब रेलवे ने टिकट रिजर्वेशन को लेकर बड़ा फैसला लिया है। रेल से सफर करने वाले यात्री अब केवल 60 दिन पहले तक ही टिकट बुक कर सकेंगे। आगामी एक नवंबर से रेल मंत्रालय द्वारा यह व्यवस्था शुरू की जा रही है। अभी रेल यात्री 120 दिन पहले रेलगाड़ी की टिकट बुक कर सकते हैं। गुरुवार को रेल मंत्रालय की तरफ से यह आदेश जारी किया गया है। रेलवे मंत्रालय की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि आरक्षित टिकट लेने के लिए अभी यात्री 120 दिन पहले बुकिंग करते हैं, लेकिन आगामी 1 नवंबर से इसमें बदलाव किया जा रहा है और इस अवधि को घटाकर 60 दिन किया जा रहा है। इसका असर 31 अक्टूबर तक बुक की जाने वाली टिकटों पर नहीं पड़ेगा और यात्री 120 दिन पहले टिकट ले सकेंगे। यात्री उन टिकटों को भी कैंसल कर सकेंगे जिनके जाने में 60 दिन से अधिक समय बचा हुआ है। दिन के समय चलने वाली गाड़ियां जैसे ताज एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस आदि पर इस नियम का कोई असर नहीं पड़ेगा। उनमें पहले की तरह ही समय सीमा जारी रहेगी। इसके अलावा फॉरेन टूरिस्ट्स गाड़ियों पर भी इस आदेश का असर नहीं होगा। उनमें 365 दिन पहले बुकिंग की जा सकती है। दिवाली-छठ जैसे त्योहारों की वजह से कई लोगों ने रिजर्वेशन शुरू होते ही अपने टिकट बुक करवा लिए होंगे। अगर आप भी इसी लिस्ट में हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, रेलवे के इस फैसले का असर 31 अक्टूबर तक बुक होने वाले टिकटों पर नहीं पड़ेगा। यानी कि इस महीने के आखिरी तक चार महीने तक के टिकट बुक करवाए जा सकेंगे, लेकिन एक नवंबर से सिर्फ 60 दिनों तक के ही टिकट बुक हो सकेंगे।

सलमान को मारने की 25 लाख में थी सुपारी, नाबालिग लड़कों को मिला था कामः चार्जशीट

नई दिल्ली. बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की साजिश रचने के मामले में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस ने गुरुवार को दावा किया कि सलमान खान को महाराष्ट्र के पनवेल स्थित उनके फार्महाउस के पास मारने की साजिश रची गई थी। इसके लिए 25 लाख रुपये में कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। यह सुपारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने दी थी। इस केस में पुलिस ने 5 लोगों के नाम चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी घटना को अंजाम देने के लिए एके-47, एके-92 और एम-16 जैसे खतरनाक हथियार पाकिस्तान से लेने की तैयारी में थे। इसके अलावा तुर्की मेड जिगना पिस्तौल भी इन लोगों के पास थी, जिसका इस्तेमाल पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर में किया गया था। पुलिस का कहना है कि इस मामले में आरोपी ने 18 साल से भी कम के कई लड़कों को हायर किया था। ये लोग पुणे, रायगड़, नवी मुंबई, ठाणे और गुजरात में छिपे हैं। पुलिस ने दावा किया है कि सलमान खान पर 60 से 70 लोग नजर रख रहे थे। बांद्रा हाउस, पनवेल फार्म हाउस से लेकर गोरेगांव फिल्म सिटी तक में उनकी मूवमेंट पर नजर रखी जा रही थी। चार्जशीट के अनुसार सलमान खान की हत्या की साजिश अगस्त 2023 से अप्रैल 2024 के दौरान रची गई। इस केस में गुरुवार को ही पुलिस ने इस केस में सुक्खा को पानीपत से अरेस्ट किया है, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर बताया जा रहा है। उसने ही शूटर अजय कश्यप उर्फ एके और 4 अन्य लोगों को सलमान खान को मारने की सुपारी दी थी। इसके बाद कश्यप और उसकी टीम ने सलमान खान की रेकी की थी।

रांची डीसी वरुण रंजन ने फुटबॉल स्टेडियम में डिस्पैच सेंटर का किया निरीक्षण

झारखंड विस चुनाव : पहले चरण के लिए आज जारी होगी अधिसूचना, 43 सीटों पर मतदान 13 नवंबर को

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है. राज्य की 81 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा. पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर और दूसरे चरण का 20 नवंबर को होगा. वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे आयेंगे. झारखंड में चुनावी प्रक्रिया 18 अक्टूबर से शुरू हो जायेगी. पहले चरण के लिए शुक्रवार से झारखंड की 43 विधासभा सीटों पर नॉमिनेशन की प्रक्रिया शुरू होगी. 25 अक्टूबर को पहले चरण के नॉमिनेशन करने की अंतिम तारीख होगी. 28 अक्टूबर को नॉमिनेशन की स्क्रूटनि की जायेगी. वहीं 30 अक्टूबर को प्रत्याशियों के नॉमिनेशन वापस लेने का अंतिम दिन होगा. 13 नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा.

पहले चरण में इन 43 सीटों पर होगा मतदान

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 विधानसभा सीटों पर चुनाव होगा. इनमें कोडरमा, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसांवा, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, विशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मनिका, लातेहार, पांकी, डालटेनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा और भवनाथपुर शामिल हैं.

झारखंड चुनाव में लोजपा को एक सीट देने पर बनी सहमति

अब झारखंड में एनडीए फोल्डर में बीजेपी सहित तीन दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे. गुरुवार को असम के सीएम सह बीजेपी झारखंड के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा और लोजपा(आर) के प्रमुख चिराग पासवान के बीच झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई. यह चर्चा विशेष विमान में हरियाणा में सीएम के शपथ ग्रहण में जाने के दौरान हुई. जानकारी के अनुसार, लोजपा (आर) को एक सीट देने पर सहमति बनी है. जबकि लोजपा(आर) की ओर से कम से कम तीन सीटों की डिमांड की गई है. इससे पहले रांची में हिमंता ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि लोजपा को कम से कम एक सीट पर मनाने की कोशिश की जा रही है. इससे पहले बुधवार को लोजपा(आर) के दो सांसदों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा से नई दिल्ली में मुलाकात की थी.

रांची डीसी ने किया निरीक्षण

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह रांची डीसी वरुण रंजन द्वारा गुरुवार को मोरहाबादी स्थित फुटबॉल स्टेडियम में डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया गया. इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी बिवेक कुमार सुमन, नोडल पदाधिकारी ईवीएम कोषांग मुकेश कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा रविशंकर मिश्रा, जिला नजारत उप समाहर्ता सुदेश कुमार व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.13 व 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव को लेकर सभी संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देश का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.

सामग्री वितरण को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

ईवीएम के वितरण एवं सामग्री कोषांग से पीठासीन पदाधिकारी को उपलब्ध कराए जाने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जानकारी देते हुए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये. डीसी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को विशेष रूप से कहा गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त सभी दिशा निर्देशों का पालन हो, यह सभी संबंधित पदाधिकारी सुनिश्चित करें.

मतदान कराने के लिए 12 को रवाना होंगे मतदानकर्मी

रांची जिले के पांच विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को मतदान होगा। रांची, हटिया, कांके, मांडर, तमाड़ में मतदान कराने के लिए 13 हजार से अधिक मतदानकर्मियों को 12 नवंबर को ही रवाना किया जाएगा। मोरहाबादी स्थित ईवीएम डिस्पैच सेंटर से सभी कर्मचारी ईवीएम, कंट्रोल यूनिट सहित मतदान सामग्री लेकर रवाना होंगे। मतदानकर्मियों को रवाना करने के दौरान किसी तरह की समस्या न हो, इसलिए स्टेडियम में ही कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। डीसी वरुण रंजन ने गुरुवार को स्टेडियम स्थित डिस्पैच सेंटर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पदाधिकारियों को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश का पालन करते हुए ईवीएम और मतदान सामग्री का वितरण करेंगे। किसी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदान सामग्री वितरण में विधानसभावार बूथ का मिलान करने के बाद ही कर्मचारियों को मतदान सामग्री उपलब्ध कराएं। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी भी उपस्थित थे। डीसी ने बताया कि 13 नवंबर को मतदान की अवधि समाप्त होने के बाद सभी ईवीएम को पंडरा कृषि बाजार में बने स्ट्रांग रूम में जमा कराया जाएगा। इसके लिए स्ट्रांग रूम में भी सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। वहां सुरक्षा में जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे। स्ट्रांग रूम के अंदर और बाहर सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रशासन की ओर से डोर-टू-डोर कैंपेन चलाया जाएगा। एक-एक घर तक जाकर मतदाताओं से मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की जाएगी।

मोदी बोले-दुनिया युद्ध नहीं, बुद्ध में समाधान ढूंढ सकती हैः उनसे सीखने की जरूरत

गुलाम मानसिकता वालों ने भारत की पहचान मिटाने की कोशिश कीः मोदी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के समारोह में भाग लिया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया युद्ध में नहीं बल्कि बुद्ध में समाधान ढूंढ सकती है। दुनिया को शांति के रास्ते पर चलने के लिए बुद्ध की शिक्षाओं से सीखना चाहिए। मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अस्थिरता से ग्रस्त है, बुद्ध न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि एक जरूरत भी हैं। PM ने कहा कि हर देश अपनी विरासत को अपनी पहचान से जोड़ता है, लेकिन भारत इस मामले में बहुत पीछे रह गया है।

उन्होंने कहा कि आजादी से पहले आक्रमणकारियों ने भारत की पहचान को मिटाने की कोशिश की। बाद में गुलाम मानसिकता से पीड़ित लोगों ने ऐसा किया। एक ग्रुप ने देश पर कब्जा कर लिया जो इसे अपनी विरासत के विपरीत दिशा में ले गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देना भगवान बुद्ध की महान विरासत का सम्मान है। भाषा सभ्यता और संस्कृति की आत्मा है। पाली भाषा को जिंदा रखना, भगवान बुद्ध के शब्दों को जिंदा रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। मोदी ने अभिधम्म दिवस पर भगवान बुद्ध के सभी अनुयायियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज शरद पूर्णिमा और वाल्मिकी जयंती भी है। मैं सभी देशवासियों को शरद पूर्णिमा और वाल्मिकी जयंती की भी बधाई देता हूं। पीएम ने कहा कि इसी महीने भारत सरकार ने पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। मुझे खुशी है कि हमारी सरकार ने अपने मूल मूल्यों के साथ इस जिम्मेदारी को निभाया है।

मोदी बोले- मेरे जन्म के समय बुद्ध से जुड़ने की शुरू हुई यात्रा आज भी जारी

प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह मेरा सौभाग्य है कि मेरे जन्म के समय भगवान बुद्ध से जुड़ने की जो यात्रा शुरू हुई वह आज भी जारी है। मेरा जन्म गुजरात के वडनगर में हुआ, जो कभी बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र था। पिछले 10 सालों में मुझे भारत के ऐतिहासिक बौद्ध स्थलों से लेकर दुनिया के विभिन्न देशों में कई कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला है। मैंने नेपाल में भगवान बुद्ध के जन्मस्थान का दौरा करने से लेकर मंगोलिया में उनकी प्रतिमा के अनावरण किया।'

शास्त्रीय भाषाएं कौन होती हैं, कब से आईं : केंद्र सरकार ने 2004 में 'शास्त्रीय भाषा' की एक कैटेगरी बनाई थी। शास्त्रीय भाषा के मानदंडो के अनुसार, भाषा का 1500 से 2000 पुराना रिकॉर्ड होना चाहिए। इसके साथ ही भाषा का प्राचीन साहित्य या ग्रंथों का संग्रह होना चाहिए। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3 अक्टूबर को पाली के अलावा मराठी, प्राकृत, असमिया और बांगला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने की मंजूरी दी थी।

बिहार में जहरीली शराब से 32 लोगों ने तोड़ा दम

पटना । पूर्ण शराबबंदी वाले बिहार में एक बार फिर जहरीली शराब कहर बरपा रहा है। मौत का सिलसिला थम नहीं रहा। इलाज के दौरान बीमार दम तोड़ रहे हैं। सीवान और सारण जिलों में शराब पीने से अब तक 32 लोगों की मौत हो चुकी है। सीवान में जहरीली शराब के सेवन के बाद जहां 20 लोगों ने दम तोड़ दिया वहीं छपरा में अब तक 12 लोगों की जान चली गई है। अभी भी 20 लोग शराब पीकर बीमार हैं जिनका इलाज प्रशासन की जानकारी में कराया जा रहा है। कई ऐसे लोग भी बताए जा रहे हैं जो अपने स्तर पर चुपके इलाज कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि मरने वालों की की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छपरा और सीवान कांड को लेकर समीक्षा बैठक की है। सीएम ने डीजीपी आलोक राज और उत्पाद एवं मद्य निषेध विाग को कई निर्देश दिए हैं।

सारण में गुरुवार को भी मौत का सिलसिला जारी रहा। चार लोगों की मौत के बाद गुरुवार को मशरक में पांच, पानापुर में दो और मढ़ौरा में एक की सन्देहास्पद स्थिति में मौत हो गई। सारण में मरने वालों की संख्या 11 हो गई है जबकि जिले के डीएम अमन समीर ने पांच की पुष्टि। प्रशासन की ओर संदिग्ध मौत बताकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक इंतजार किया जा जबकि परिजनों ने शराब पीने से मौत की बात कही है। इस बीच डीएम अमन समीर ने बताया कि मिथाइल अल्कोहल और इंडस्ट्रियल स्पिरिट के इस्तेमाल किया गया था। इससे 32 बीमार हुए थे। इनमें से 12 लोक इलाज करवा कर घर वापस जबकि 20 का अभी भी इलाज कराया जा रहा है। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने गुरुवार को यहां बताया कि सारण जिले में पिछले 24 घंटे के अंदर जिला पुलिस द्वारा मद्यनिषेध के मद्देनजर विशेष अभियान चलाकर 249 जगहों पर छापामारी की गई। इसमें 18 कांड एवं 12 सनहा दर्ज कर कुल 37 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, तथा 738 लीटर देशी शराब, 910 लीटर विदेशी शराब, 11.5 लीटर स्प्रीट, चार गैस सिलेन्डर, तीन गैस चूल्हा, छह शराब बनाने का बर्तन, दो ड्रम, एक ट्रक और एक मोबाईल फोन जप्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस अभियान में 25 शराब की भठ्ठी को ध्वस्त कर लगभग 14000 लीटर अर्धनिर्मित शराब विनष्ट किया गया है। उधर सीवान में मरने वालों की संख्या 20 पर पहुंच गई है। जिले के एसपी ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस से अनुसार सदर अस्पताल में इलाज के लिए 25 लोगों को लाया गया था जिनमें से 11 बीमार लोगों की मौत इलाज के दौरान सदर अस्पताल या पीएमसीएच में हो गई। बुधवार और वृहस्पतिवार मिलाकर 20 शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। बुधवार को 9 पोस्टमार्टम कराए गए थे। सीवान और छपरा मिलाकर अब तक कुल 32 लोगों की मौत की खबर मिल रही है।

नायब सैनी दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बनेः 13 नए मंत्रियों में सबसे ज्यादा 5 ओबीसी चेहरे, 2 महिलाएं शामिल

मोदी-शाह, नड्डा मौजूद रहे

पंचकूलाः हरियाणा में नायब सैनी ने दूसरी बार सीएम पद की शपथ ले ली है। नायब सैनी ने राज्य के 19वें मुख्यमंत्री बने। हालांकि मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने वाले वे 11वें नेता हैं। शपथ ग्रहण समारोह पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल हुए। शपथग्रहण में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह के साथ 18 राज्यों के सीएम व डिप्टी सीएम भी पहुंचे थे। सीएम सैनी के साथ 13 मंत्रियों ने शपथ ली। जिनमें सबसे ज्यादा 5 चेहरे ओबीसी वर्ग से हैं। जाट, ब्राह्मण और SC वर्ग से 2-2 मंत्री बनाए गए हैं। इसके अलावा पंजाबी, राजपूत और वैश्य बिरादरी से एक-एक मंत्री बनाया गया है।

नए बनाए मंत्रियों में अनिल विज, कृष्णलाल पंवार, राव नरबीर, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल और कृष्ण बेदी पहले मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा रणबीर गंगवा पिछली बीजेपी सरकार में डिप्टी स्पीकर थे। नए चेहरों में अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, आरती राव, श्रुति चौधरी और गौरव गौतम पहली बार मंत्री बने हैं। भाजपा ने हरियाणा में UP, राजस्थान और मध्यप्रदेश की तरह डिप्टी सीएम बनाने का फॉर्मूला नहीं अपनाया। इससे पहले 54 वर्षीय सैनी ने बुधवार को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात की और पंचकूला में पार्टी कार्यालय में आयोजित एक बैठक में बीजेपी विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया था.

सीएम और कैबिनेट के शपथ ग्रहण पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह पर रोक लगाने से इनकार किया है. कोर्ट ने कहा कि वह हरियाणा में शपथ ग्रहण समारोह को रोकने का अनुरोध करने के लिए याचिकाकर्ता पर जुर्माना लगाएगा. निर्वाचित सरकार को शपथ लेने से नहीं रोका जा सकता है.

शपथ ग्रहण से पहले नायब सिंह सैनी ने की पूजा

शपथ ग्रहण से पहले नायब सिंह सैनी ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर पंचकूला के वाल्मीकि मंदिर में पूजा-अर्चना की जिसका वीडियो सामने आया है. सैनी ने पूजा के बाद कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि आज भगवान वाल्मीकि की जयंती है. उन्होंने समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करने का काम किया और समाज को एक संदेश दिया. आज मेरा सौभाग्य है कि मुझे भगवान वाल्मीकि के चरणों में पूजा करने का अवसर मिला है. मैं उनकी जयंती पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं. बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि आज जो शपथ ग्रहण समारोह हो रहा है, वह वाल्मीकि जी की जयंती पर हो रहा है. जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास, हम हर वर्ग के लिए काम कर रहे हैं, चाहे वह किसी भी समुदाय का हो.

पंचकूला में शपथ ग्रहण समारोह

शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन पंचकूला में किया गया जिसको लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए . हरियाणा में 5 अक्टूबर को हुए चुनावों में बीजेपी ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीट जीतकर राज्य में ऐतिहासिक तीसरा कार्यकाल हासिल किया. वहीं कांग्रेस ने 37 सीट पर जीत दर्ज की. हरियाणा में लगातार तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनने के साथ-साथ सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे हैं.

बहराइच हिंसा में बड़ा एक्शन, पुलिस ने आरोपी सरफराज और तालिब को एनकाउंटर में किया गिरफ्तार

बहराइच. बहराइच हिंसा में यूपी एसटीएफ और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने हिंसा के मुख्य आरोपी सरफराज और तालिब को एनकाउंटर में गिरफ़्तार कर लिया है। पुलिस कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने दोनों को पहले नानपारा सीएचसी ले गई यहां से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें से सरफराज की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को नानपारा कोतवाली के नानपारा बाईपास हाड़ा बसेहरी के पास बहराइच हिंसा मामले में दो आरोपी सरफराज और तालिब के साथ पुलिस और एसटीएफ की मुठभेड़ हुई। पुलिस को देखते ही दोनों आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब कार्रवाई में पुलिस और एसटीएफ ने भी गोलीबारी शुरू की। इस दौरान पुलिस ने दोनों के पैर में गोली मारी। गोली लगते ही दोनों जमीन पर गिरकर घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। घायल अवस्था में दोनों आरोपियों को पहले नानपारा सीएचसी के बाद जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। अस्पताल में आरोपियों को भर्ती कराने के बाद यहां भारी तादाद में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। सीएचसी और जिला अस्पताल में किसी का भी प्रवेश नहीं होने दिया जा रहा है।

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी से विजय शंकर नायक ने दिया इस्तीफा

रांचीः संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी से विजय शंकर नायक ने इस्तीफा दिया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आपके समक्ष अत्यंत दुखी हृदय के साथ अपने इस्तीफा प्रस्तुत कर रहा हूं। झारखंड राज्य का नवनिर्माण अनेकों संघर्षों, बलिदानों तथा कुर्बानियों के बाद जल-जंगल- जमीन, भाषा, संस्कृति, नियोजन नीति, स्थानीय नीति, विस्थापन नीति आदि मुद्दों के साथ 15 नवंबर 2000 को अलग हुआ था। लेकिन संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी की कार्यशैली राज्य की ज्वलंत मुद्दों एवं दलित आदिवासी मूलवासियों के हक और अधिकार की लड़ाई से अलग रहा है। आपसी समन्वय एंव संगठनात्मक ढांचा का प्रदेश में घोर अभाव है। प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों में ना सामंजस्य है और ना ही अपने पार्टी सिद्धांत की जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक कर रहे हैं। संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी को कुछ लोग एकला चलो की राह पर अग्रसर हो कर कार्य कर रहे थे जिससे मै असहज महसूस कर रहा था । मेरा एक वर्ष जो मेरा किमती समय था जो बर्बाद हो गया । पार्टी मे कथनी करनी का अभाव रहा कुछ लोग तक ही पार्टी सिमट कर रह गई । मैं अपनी झारखंडियत और दलित आदिवासी मूलवासीयो के मुद्दों से कभी समझौता नहीं कर सकता हूं। अतः मैं अपने पद एंव प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि मेरी इस्तीफा को स्वीकार किया जाए।

एल सी एम कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा रेहला में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर,470 मरीजों का जांचोपरांत हुआ उपचार

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर के एल सी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा आज रेहला स्थित लक्ष्मी चंद्रवंशी महिला महाविद्यालय परिसर में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन कॉलेज की प्राचार्या नूतन रानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद अरुण कुमार सिंह ने किया। नूतन रानी ने कहा कि लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल आम लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करता है। इसके लिए हॉस्पिटल प्रबंधन शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर मरीजों का मुफ्त इलाज करता है। शिविर में चिकित्सकों द्वारा 470 मरीजों का जांचोपरांत उपचार किया गया। मरीजों को मुफ्त दवा भी दिया गया। मरीजों का जांच व इलाज में डॉ ज्योतिका,डॉ अभिषेक प्रसाद,डॉ नंदिता कुमारी,अनुपमा कुमारी,धर्मेंद्र चंद्रवंशी,आनंद कुमार,बेबी कुमारी,आरती कुमारी ने उल्लेखनीय योगदान दिया। मौके पर डीग्री कॉलेज के प्राचार्य नीलम केशरी,आशुतोष सिंह,मिथलेश पांडेय,राकेश कुमार,पुष्पा कुमारी,राकेश कुमार,जितेंद्र चौधरी,नीरज दीक्षित,रामप्रवेश उरांव कई लोग मौजूद थे।

समेकित जन विकास केंद्र संस्था द्वारा ग्राम सभा सशक्तिकरण पर महत्वपूर्ण परियोजना शुरू

जमशेदपुर । हाटगम्हरिया प्रखंड अंतर्गत दो पंचायतों के कुल नौ गाँवों में समेकित जन विकास केंद्र संस्था द्वारा ग्राम सभा सशक्तिकरण पर एक महत्वपूर्ण परियोजना चलाई जा रही है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्राम सभाओं को सशक्त बनाना, गाँव के वंचित लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाना, महिलाओं की बराबर भागीदारी सुनिश्चित करना, और वन पट्टा अधिकार से संबंधित मुद्दों पर कार्य करना है।
परियोजना के प्रखंड समन्वयक सनातन हांसदा ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हाटगम्हरिया प्रखंड के गाँवों के लोगों को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देकर उन्हें भी विकास प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका दी जा रही है। यह परियोजना गाँव के सभी लोगों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसका उद्देश्य सभी वर्गों के लोगों को न्याय और अधिकार दिलाना है।

धनबाद में लागू है आदर्श आचार संहिताःराजनीतिक दलों के बैनर पोस्टर अब भी लटके हुए, नियमों का हो रहा उल्लंघन

धनबाद : राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ ही जिला प्रशासन द्वारा सभी दलीय व सरकारी होर्डिंग, विज्ञापन आदि देर रात हटा देने की आदेश जारी कर दी थी बावजूद सभी राजनैतिक दल अपने कानों मे तेल डाल सोए नज़र आ रहे हैं। निर्वाचन आयोग के द्वारा चुनाव की घोषणा करने के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी शहर के कई सार्वजनिक स्थानों मे जैसे लुबि सर्कुलर रोड ,रणधीर वर्मा चौक, हिल कॉलोनी, कोर्ट रोड जैसे चौक चौराहे और सरकारी दीवारों पर विभिन्न राजनीतिक दलों के होर्डिंग्स, बैनर,पोस्टर से शहर पटा पड़ा है। इस ओर ना तो प्रशासन की नज़र जा रही है ना ही किसी राजनैतिक दलों की। जबकि चौक चौराहे के साथ गली मोहल्ले में भी कई राजनीतिक दलों के पोस्टर आदर्श आचार संहिता का ठेंगा दिखा रहे हैं। एसडीएम राजेश ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के बावजूद भी कई राजनीतिक पार्टी अपने बैनर और पोस्टर नहीं हटाए हैं तो उन पर विधिवत रूप से आदर्श आचार संहिता उलंघन के तहत करवाई की जाएगी।

विस चुनाव को बनाए गए 12 अंतरराज्यीय व 6 अंतर जिला चेकनाका

जमशेदपुर : जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव सम्पन्न कराने के लिए 12 अंतरराज्यीय व 6 अंतरजिला चेकनाका स्थापित किए गए हैं. सभी जगहों पर दंडाधिकारी के साथ पर्याप्त पुलिस बल प्रतिनियुक्त किए गए हैं. जहां सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है. साथ ही नगदी, अवैध शराब, हथियार, उपहार की वस्तु सहित असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर सघन निगरानी रखी जा रही. बुधवार की देर रात एसडीएम (धालभूम) शताब्दी मजूमदार ने अंतरराज्यीय व अंतरजिला चेक पोस्ट का मुआयना किया. इस दौरान उन्होंने वहां प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराने का निर्देश दिया. साथ ही कई वाहनों के कागजातों की स्वयं जांच की. एसडीएम ने बताया कि चुनाव की प्रभावित करने की कोशिशों को नाकाम करने के लिए निरंतर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है. साथ ही वेबकास्टिंग के माध्यम से जिला स्तर पर सभी चेकनाकों की मॉनिटरिंग हो रही है.

विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर तैयारियों को लेकर हुई बैठक,

सभी सीओ,बीडीओ व पुलिस बलों को समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश

हजारीबाग। विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के सुगम और शांतिपूर्ण मतदान के लिए जिला प्रशासन तैयारियों को मुक्कमल करने में युद्ध स्तर पर जुट गईं है। इसी क्रम में आज 17 अक्टूबर को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में सभी सीओ, बीडीओ के साथ तैयारियों के बाबत समीक्षा बैठक की गईं।बैठक में उन्होंने कहा कि मतदान की तिथि में ज्यादा समय नहीं इसलिए मतदान दिवस के पूर्व चिन्हित किए गए जिन

विद्यालयों में सीएपीएफ की टीम निर्वाचन कार्य को लेकर ठहराव करेगी उन विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं को बहाल किया जाना अतिमहत्वपूर्ण हैं, जिसके अंतर्गत उन्होंने केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानो के लिए आवासन, स्नानागार,शौचालय, बिजली, पंखा, मोबाईल चार्जर शॉकेट, पानी का टैंकर, जेनरेटर एवं भवन मरम्मती कार्य को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंडवार चिन्हित केंद्रों में सभी संबंधित अधिकारीयों को अविलंब भ्रमण कर सुविधाओं का आकलन कर रिर्पोट समर्पित करने को कहा।उपायुक्त ने बल देते हुए कहा कि सभी केंद्रो में आवश्यक सुविधाओ को लेकर जो भी कार्य किए जा रहे है उन्हें तत्काल पूर्ण करें। साथ ही उन्होंने सभी मतदान केंद्रों में एएमएफ सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों में निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक सुविधाओं को पूर्ण किया जाना है। मतदाताओं की सुविधा के लिए व्यवस्थित साइनेज,महिला पुरुष के अलग लाइन,गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों व दिव्यांग मतदाताओं के लिए वॉलिंटियर्स के माध्यम से सुविधा आदि की व्यवस्था की जायेगी। जिन क्षेत्रों में अनूसूचित जनजाति के लोग रहते है उन क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भी मतदान प्रक्रिया में शामिल करने हेतु प्रेरित करने को कहा। साथ वोटर स्लिप का वितरण जल्द से जल्द हो यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारीयों को समन्वय बनाकर प्राथमिकता के साथ कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा निर्देश दिया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त इशियाक अहमद, प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे,सभी सीओ, बीडीओ उपस्थित रहे।

झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड में 109 करोड़ फर्जीवाड़ा मामले में चीफ फाइनेंस ऑफिसर का नाम अभी तक प्राथमिकी में नहीं-अजय राय

रांचीः झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने आज एक प्रेस बयान जारी कर झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड में हुए 109 करोड़ रुपये के फर्जीवाड़े के मामले में चीफ फाइनेंस ऑफिसर का नाम अभी तक प्राथमिकी में नहीं होने पर गहरी चिंता व्यक्त की।
उन्होंने कहा, "यह मामला निगम की वित्तीय स्थिति के साथ-साथ राज्य की आर्थिक स्थिरता के लिए भी खतरनाक है। ऐसे में चीफ फाइनेंस ऑफिसर मधुप कुमार को अभी तक नामजद नहीं किया जाना गंभीर सवाल उठाता है।"
अजय राय ने आगे कहा, "इस मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए, न कि विभागीय जांच। विभागीय जांच से मामले की गंभीरता को कम करने

की कोशिश की जा सकती है।"
उन्होंने बताया कि पूर्व में भी प्राथमिक में नामदज जयंत कुमार के कार्यकाल में करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़ा हुआ था, लेकिन अभी तक एक अनस्किल्ड कर्मी के गिरफ्तारि के अलावा कही कुछ नहीं हुआ , जबकि यह सारा खेल जयंत कुमार के अधीन ही हुआ था। इससे वर्तमान में हुए 109 करोड़ के फर्जी निकासी को लेकर ऊर्जा निगम मुख्यालय से लेकर पूरे विभाग में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

अजय राय ने मांग की है किः

1. चीफ फाइनेंस ऑफिसर मधुप कुमार को तुरंत नामजद किया जाए।
2. मामले की न्यायिक जांच हो।
3. दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अधीन होने वाले इस विभाग में इतने बड़े पैमाने पर हुए फर्जी निकासी मामले में"हमें उम्मीद है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से लेगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

एचडीएफसी बैंक ने इलेक्ट्रिक वाहन एक्सपो का किया आयोजन

रांचीः एचडीएफसी बैंक ने रेडियो ऑरेंज के सहयोग से रांची में एक बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक वाहन एक्सपो का आयोजन किया जिसमें बजाज चेतक, ओला, एथर, टी.वी.एस., एम्पीयर और क्वांटम जैसे ब्रांडों ने अपने वाहनों के साथ भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रणामी समूह के संस्थापक और प्रमोटर बिजय कुमार अग्रवाल ने ग्राहकों और मीडिया की उपस्थिति में एचडीएफसी बैंक के जोनल प्रमुख कुमार अभिषेक और पर्यावरण विशेषज्ञ रणविजय रॉय के साथ किया। ग्राहकों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के बारे में शिक्षित करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा पर सत्र भी आयोजित किया गया। विजय कुमार ने कहा कि यह बैंक की

एक शानदार पहल है और यह युवाओं और पर्यावरण के अनुकूल लोगों को प्रेरित करेगी। जोनल हेड अभिषेक कुमार ने मीडिया कर्मियों के साथ बातचीत के दौरान कहा कि पूर्वी भारत में एचडीएफसी बैंक की ओर से आयोजित यह पहला ईवी एक्सपो है और हम आने वाले भविष्य में भी इसी तरह के आयोजन करने को लेकर आश्वस्त हैं। सभी डीलर पार्टनर्स ने त्योहारी सीज़न के दौरान और धनतेरस से ठीक पहले इस तरह के एक्सपो की व्यवस्था करने के लिए एचडीएफसी बैंक को धन्यवाद दिया, जो ब्रांडों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। इस कार्यक्रम में सभी बैंक कर्मचारी शामिल हुए और बड़ी संख्या में ग्राहक इस एक्सपो में शामिल हुए.

अपने प्रदेश के एम्बैसेडर बनें - युवा संगम के पांचवे चरण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करें

रांचीः शिक्षा मंत्रालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत लांच किए गए देश के सबसे प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 'युवा संगम' में पंजीकरण कराने के लिए सिर्फ 4 दिन ही बचे हैं। 21 अक्टूबर 2024 तक पंजीकरण स्वीकार किए जाएंगे* देश भर के हजारों युवाओं को अपने राज्य/ केन्द्रीय शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जा रहा है, और वे ऐसा कर सकते हैं शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत लांच किए गए एक अनूठे कार्यक्रम 'युवा संगम' के जरिए। यह युवा संगम का पांचवा चरण है और ऑनलाइन पंजीकरण 21 अक्टूबर 2024 तक खुला है। 18 से 30 वर्ष के आयु वर्ग के इच्छुक युवा अंतिम तारीख से पहले युवा संगम पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं; इन उम्मीदवारों में मुख्यतः विद्यार्थी, एनएसएस/एनवायकेएस वॉलंटियर, नौकरी/स्वरोजगार करने वाले आदि युवा ही शामिल हो सकते हैं।

तीन दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता(मैच) का हुआ समापन, हेसमी मांडर ने मारी बाजी

रांचीः आया तूफान गोली क्लब,थाना चंदवा,जिला लातेहार के तत्वावधान मे तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता आया तूफान गोली फुटबॉल मैदान में संपन्न हुआ।
इस मौके पर मुख्यअतिथि के रुप में समाजसेवी जोगिंदर उरांव(रांची),छात्र क्लब कला संस्कृति एवं खेलकूद मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा(रांची),लाघुप पंचायत मुखिया बिफई मुंडा,लाधूप पंचायत समिति बुधन गंझू,आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष अवधेश उरांव (लोहरदगा) आदि मौजूद थे।
आज के फाइनल मैच में

हेसमी मांडर एक गोल मारकर विजेता बनी।

मैन ऑफ द सीरीज हेसमी मांडर के रोहित कच्छप को रेंजर साइकिल,मैन ऑफ द मैच स्टूडेंट कोचिंग सेंटर कुडु के राहुल उरांव को स्टैंड पंखा मिला।
साथ ही निम्नलिखित टीम ने बाजी

मारी,
प्रथम पुरस्कार हेसमी मांडर, 15000/रुपया,एक खासी एवं ट्रॉफी
द्वितीय पुरस्कार स्टूडेंट कोचिंग सेंटर कुडु 10000/ रुपया,एक खासी एवं ट्रॉफी,
तृतीय पुरस्कार आर्मी ब्रदर्स मंजिला(रातु चित्तरकोटा)8000/ एक खस्सी एवं ट्रॉफी,
चतुर्थ पुरस्कार आया तूफान गोली क्लब 7000/,एक खस्सी एवं ट्रॉफी,
इस मैच में रेफरी की भूमिका सचिन भगत,पन्ने लाल इरगांव, कार्तिक उरांव एवं अलाउसमेंट की भूमिका सियोन लकड़ा,अमित उरांव ने निभाई।
अतिथियों ने खिलाड़ियों एवं दर्शकों को जीत की बधाई दी एवं आने वाले सभी पूजा की शुभकामनाएं।
इस मैच को शांतिपूर्ण सफल बनाने में मुख्यरूप से वीरेंद्र यादव,सतेन्द्र पाहन,गेंदा पाहन,आनंद यादव,रामप्रवेश पाहन,अरविंद यादव,राज बहादुर पाहन,संत कुमार महतो,संजय मुंडा,चंदन कुमार,अनिल यादव, सुभाष यादव,झारखंड मुंडा,सीताराम डॉक्टर,संतोष यादव,ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय जनता दल 22 सीटों पर चुनाव लड़ने का सर्वसम्मत निर्णय लिया

रांचीः झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय रांची में झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल संसदीय बोर्ड की आवश्यक बैठक संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री सुरेश पासवान की अध्यक्षता में संपन्न हुई।
बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि झारखंड में हो रहे विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल 22 सीटों पर चुनाव लड़ने का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि सभी सीटों का चयन और प्रत्याशियों का चयन आदरणीय राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव जी करेंगे ।संसदीय दल के बैठक में सर्वसम्मत राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया।
बैठक में प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव,संसदीय बोर्ड के सदस्य और झारखंड सरकार के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, संसदीय बोर्ड के सदस्य डॉ मनोज कुमार, संसदीय बोर्ड के सदस्य श्रीमती अनीता यादव, संसदीय बोर्ड के सदस्य रंजन यादव,संसदीय बोर्ड के सदस्य रानी कुमारी, संसदीय बोर्ड के सदस्य विक्रम यादव, संसदीय बोर्ड के सदस्य चंद्रिका यादव, संसदीय बोर्ड के सदस्य राजकुमार यादव सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

फ़िज़िक्स वाला (पीडब्लू) लॉन्च करेगा 77 नए टेक-इनेबल्ड विद्यापीठ ऑफलाइन सेंटर्सः गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब और भी सुलभ

रांची : फ़िज़िक्स वाला (पीडब्लू), भारत की प्रमुख एडटेक कंपनी, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा देने के लिए शैक्षणिक वर्ष 25-26 में 77 नए ऑफलाइन टेक-इनेबल्ड लर्निंग सेंटर्स खोलने का ऐलान किया है। ये नए सेंटर्स तमिलनाडु, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कई अन्य राज्यों में खोले जाएंगे। इस विस्तार से पीडब्लू के ऑफलाइन सेंटर्स की कुल संख्या 126 से बढ़कर 203 हो जाएगी, जो 141 शहरों में होंगे। इस कदम का मकसद खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना है, ताकि देश के दूर-दराज के इलाकों तक भी इसका लाभ मिल सके।
शैक्षणिक वर्ष 24-25 में पीडब्लू के विद्यापीठ और पाठशाला सेंटर्स में 2 लाख से ज़्यादा छात्रों ने एडमिशन लिया, जो पीडब्लू के मिशन पर लोगों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। अगले शैक्षणिक वर्ष में पीडब्लू का लक्ष्य 2.5 लाख छात्रों को पढ़ाना है और कंपनी इस बात पर पूरी तरह से ध्यान देती है कि हर स्टूडेंट को उसकी पढ़ाई के लिए जरूरी गाइडेंस और संसाधन मिलें। आज लगभग

हर IIT और हर AIIMS में पीडब्लू का कोई न कोई छात्र पढ़ रहा है।
पीडब्लू के ऑफलाइन सेंटर्स दो मॉडल्स में बंटे हुए हैं – विद्यापीठ और पाठशाला । विद्यापीठ सेंटर्स टेक-इनेबल्ड हैं, जहाँ छात्र क्लासरूम में आकर अनुभवी टीचर्स से पढ़ाई करते हैं। वहीं पाठशाला मॉडल में 'दो-टीचर सिस्टम' है, जहाँ एक टीचर वर्चुअली पढ़ाते हैं और दूसरा टीचर क्लासरूम में रहकर स्टूडेंट्स के सवालों के जवाब देता है। इस मॉडल से छात्र चाहे कहीं भी हों, वे देश के टॉप टीचर्स से पढ़ाई कर सकते हैं। इन दोनों मॉडल्स को मिलाकर पीडब्लू ने डिजिटल और फिजिकल लर्निंग को एक साथ लाकर देशभर के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी है।
अंकित गुप्ता, CEO-ऑफलाइन, फ़िज़िक्स वाला, ने कहा, "पीडब्लू में, हम हमेशा छात्रों की जरूरतों और उनकी भलाई को प्राथमिकता देते हैं। नए सेंटर्स खोलकर हम ये सुनिश्चित करना चाहते हैं कि छात्रों को अच्छी शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े, जिससे उनका आर्थिक बोझ भी कम हो। साथ ही, हम ये भी चाहते हैं कि उन्हें अपनी पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों में शिफ्ट होने का मानसिक और भावनात्मक तनाव न झेलना पड़े।"
हाल ही में फ़िज़िक्स वाला ने अपनी तीसरी नेशनल स्कॉलरशिप एंट्रेंस टेस्ट (NSAT) 2024 का आयोजन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों में हुआ। इस टेस्ट के लिए 250 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप रखी गई थी, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा स्कॉलरशिप टेस्ट बनाता है। इस पहल का मकसद NEET-UG और IIT-JEE जैसे बड़े एग्जाम्स की तैयारी कर रहे छात्रों को उनकी आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना शिक्षा और एक्सपर्ट गाइडेंस देना है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर हंगामाःखाते में नहीं पहुंच रही योजना की राशि, महिलाओं ने कहा - करेंगे चुनाव का बहिष्कार

धनबाद : झारखंड मईयां सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए महिलाओं में आपाधापी मची है। धनबाद अंचल कार्यालय में झारखंड मईयां सम्मान योजना के आवेदन जमा करने के लिए लंबी कतार लग रही है।आवेदन देने वाली महिलाओं में अधिकांश ऐसी भी महिलाएं हैं जो पिछले तीन माह से कार्यालय का चक्कर लगा रही हैं पर अभी तक उनके खाते में योजना की राशि नहीं पहुंची है। महिलाएं यह जानने के लिए सुबह से ही छोटे छोटे बच्चे को गोद में लेकर कतार में खड़ी नजर आ रही हैं।

अधिकारियों से नहीं हो पा रही मुलाकात

कार्यालय में किसी भी पदाधिकारी के नहीं होने से महिलाओं के समक्ष असमंजस की स्थिति बनी हुई है। दरअसल आचार संहिता लागू होने की वजह से अब उन्हें योजना का लाभ मिल पाएगा भी या नहीं,महिलाएं इसी उलझन में हैं। कतार में खड़ी खुशबू देवी, वीणा देवी और नीतू देवी ने बताया कि आवेदन जमा किए महीनों बीत गए पर अभी तक खाते

में पैसा नहीं पहुंचा। कार्यालय आने पर कोई भी पदाधिकारी मौजूद नहीं हैं। यह योजना सभी महिलाओं के लिए है। योजना का लाभ भी सभी को मिलना चाहिए।

नहीं मिला लाभ तो वोट बहिष्कार

आवेदन लेकर लाइन में खड़ी महिलाओं ने कहा कि हम लोग कई माह से चक्कर लगा रहे हैं और यहां हर प्रतिदिन आज कल कर रहे हैं। अगर मईयां सम्मान योजना गरीब के लिए निकाला है तो इतना क्यों परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर इस योजना का एक मुश्त 3 माह का पैसा नहीं मिलता है तो हम सब वोट नहीं देंगे। मईयां सम्मान योजना नहीं तो वोट भी नही देंगे।

बुजुर्ग, दिव्यांग व गर्भवती महिलाओं को वाहन मुहैया कराएगा प्रशासन

जमशेदपुर : विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर ले जाने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल ने रेसिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष व सचिव के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक की. इस दौरान उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिनिधियों से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए मतदाताओं को जागरूक करने में सहयोग की अपील की. उपायुक्त ने कहा कि कई स्तर पर प्रशासन द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं. लेकिन सभी तक यह जागरूकता का संदेश पहुंचे, इसलिए सभी की सहभागिता जरूरी है. उन्होंने रेसिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय सहभागिता बढ़ाने की अपील की. इस दौरान रोचक गतिविधियों का संचालन करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करने की बात कही. कहा कि मतदान के दिन 85 आयु वर्ग के मतदाता, दिव्यांग तथा गर्भवती महिलाओं को मतदान केंद्र तक आने-जाने के लिए वाहन उपलब्ध कराया जाएगा.

मतदाता जागरूकता शपथ दिलायी गयी

बैठक में मौजूद पदाधिकारियों को आवासीय सोसायटी में मतदाता शपथ दिलाने, स्वच्छता अभियान चलाने, नृत्य प्रतियोगिता, डोर टू डोर जाकर मतदाताओं को मतदान की तिथि बताने, फर्स्ट टाइम वोटर और बुजुर्ग मतदाताओं को फूल देकर प्रेरित करने, वॉकेथॉन, वोट योगा एवं पौधारोपण, कविता लेख एवं कवि सम्मेलन जैसे आयोजनों से मतदाताओं को जोड़ने एवं मतदान के लिए प्रेरित करने की बात कही. इस अवसर पर सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों को मतदाता शपथ दिलायी गयी बैठक में स्वीप कोषांग के पदाधिकारी समेत कर्मी उपस्थित थे.

विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो के खिलाफ चुनाव याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

रांचीः झारखंड विधानसभा अध्यक्ष सह नाला विधायक रबींद्रनाथ महतो के निर्वाचन को चुनौती देने वाली संतोष हेंब्रम की चुनाव याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई. जिसके बाद हाई कोर्ट की एकल पीठ ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता मुकेश कुमार दुबे ने पैरवी की. वहीं विधानसभा अध्यक्ष की ओर से अधिवक्ता अरविंद लाल एवं अनिल कुमार ने पैरवी की. इस मामले में प्रार्थी की ओर से तीन लोगों की गवाही कराई गई है, वहीं प्रतिवादी रबींद्रनाथ महतो सहित उनकी ओर से कुल 12 गवाहों की गवाही हुई. यहां बता दें कि, प्रार्थी ने चुनाव याचिका में कहा है कि रबींद्रनाथ महतो ने विधानसभा चुनाव के दौरान एक पेंपलेट छपवाया था जिसमें उनके खिलाफ चुनाव में दुष्प्रचार किया गया, जिससे उनका जनाधार खत्म हुआ है. इसलिए रबींद्रनाथ महतो का निर्वाचन रद्द किया जाए.

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रांची के अतिरिक्त भवन का डीपीआर एक माह में करें पूराः हाई कोर्ट

रांचीः हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, कांके के अतिरिक्त भवन का डीपीआर बनाने की प्रक्रिया एक माह में पूरा करें. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में सोलर पैनल लगाने के लिए राज्य सरकार ने फंड की स्वीकृति राज्य सरकार ने दे दी है. ऐसे में जरेडा नेशनल यूनिवर्सिटी में जल्द सोलर पैनल लगाकर 45 दिनों के भीतर कोर्ट को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें. पूर्व की सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से हाई कोर्ट की खंडपीठ को बताया गया था कि नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, कांके के अतिरिक्त भवन का डीपीआर बनाने में दो माह का समय लगेगा, इसलिए समय प्रदान किया जाए. जिस पर खंडपीठ ने कहा किया यह अवधि अब पूरी हो चुकी है ऐसे में राज्य सरकार एक माह के भीतर डीपीआर की प्रक्रिया पूरी कर ले. दरअसल, मामले में पूर्व की सुनवाई में झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड ने हाई कोर्ट को बताया है कि कांके स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के अतिरिक्त भवन के डीपीआर निर्माण में दो माह का समय लगेगा. कॉरपोरेशन पैसा मिलने पर दो माह में इसका डीपीआर बनाकर राज्य सरकार को सौप सकती है. इसके बाद सीएसआर के तहत सीसीएल, सेल आदि के फंडिंग से लॉ यूनिवर्सिटी के अतिरिक्त भवन का निर्माण किया जा सकेगा. प्रार्थी की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद एवं अधिवक्ता शाहबाज अख्तर ने पैरवी की. हाई कोर्ट की खंडपीठ ने गुरुवार को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी कांके को बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने से संबंधित दायर जनहित याचिका की सुनवाई की. पूर्व में झारखंड बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन ने कोर्ट को बताया था कि वह किसी भी भवन का डीपीआर बनाने के लिए प्रोजेक्ट का कुल लागत का 10% राशि चार्ज लेता है. बता दें कि बार एसोसिएशन झारखंड हाई कोर्ट की ओर से जनहित याचिका दाखिल कर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, कांके को आवश्यक सुविधा उपलब्ध करने का आग्रह किया गया है.

नेतरहाट प्रवेश परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी

रांची. नेतरहाट आवासीय विद्यालय में नामांकन के लिए नेतरहाट आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2024-25 का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा 27 अक्टूबर को निर्धारित है। इसके लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया गया है। इसमें लिखित परीक्षा का आयोजन प्रमंडल मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा का स्तर पांचवीं क्लास तक का होगा। परीक्षा दो पाली में होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर एक बजे से तीन बचे तक होगी। इसके तहत क्लास 6 में नामांकन लिया जाएगा।

पंडरा मतगणना स्थल और स्ट्रांग रूम के चारों ओर होगी बैरिकेडिंग, लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

रांची . रांची के 7 विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना पंडरा बाजार समिति में बने मतगणना स्थल पर होगी। मतदान के बाद ईवीएम भी यहां बने स्ट्रांग रूम में रखे जाएंगे। डीसी वरुण रंजन ने बुधवार को मतगणना स्थल और स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने मतगणना स्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग कराने का निर्देश दिया। पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरा लगाने के साथ जवानों के रहने के लिए टेंट आदि की व्यवस्था करने के लिए कहा। इसके अलावा वाहनों की पार्किंग, भोजन, पानी, बिजली और शौचालय की व्यवस्था करने के लिए कहा। उन्होंने मतगणना स्थल पर अंदर-बाहर के क्षेत्रों में सफाई कराने और फॉगिंग कराने का भी निर्देश दिया।

महानगर काली पूजा समिति की बैठक 20 को

रांची । रांची महानगर काली पूजा समिति ने काली पूजा की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए 20 अक्टूबर को बैठक है। इसमें नई कमेटी का गठन किया जाएगा। समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे व अध्यक्ष विनय सिंह के नेतृत्व में महानगर काली पूजा समिति के पदाधिकारियों ने वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा, समाजसेवी लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात कर 20 अक्टूबर के बैठक में आने का निमंत्रण दिया।

स्टेट मेडिकल काउंसिलिंगः 18 अक्टूबर को जारी होगी तीसरे राउंड की सीट अलॉटमेंट लिस्ट

रांची। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद, जेसीईसीईबी की ओर से स्टेट कोटा के तहत एमबीबीएस, बीडीएस, बीएचएमएस कोर्स में नामांकन की प्रकिया चल रही है। इसके तहत तीसरे राउंड की काउंसिलिंग के लिए च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया हो गई है। वहीं च्वाइस फिलिंग में किसी प्रकार का सुधार 16 अक्टूबर को कर सकेंगे। प्रोविजनल सीट अलॉटमेंट लिस्ट 18 अक्टूबर को जारी किया जाएगा। वहीं स्ट्रे वैकेंसी राउंड 19 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलेगी। बताते चलें दूसरे राउंड की काउंसिलिंग के बाद सरकारी व गैरसरकारी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, बीएचएमएस कोर्स में कुल 372 सीटें रिक्त हैं। जिसमें से एमबीबीएस के कुल 16 सीटें रिक्त हैं। इसमें राज्य के 6 सरकारी कॉलेजों में 14 सीटें रिक्त हैं। वहीं बीडीएस की 171 सीटें रिक्त हैं। बीएचएमएस के 185 सीटें हैं।

क्लैट 2025ः आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ी

रांची । कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज की ओर से कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट, (क्लैट 2025) के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चल रही है। इसमें आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब अभ्यर्थी 22 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे। इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित थी। वहीं क्लैट की परीक्षा 1 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। परीक्षा ऑफलाइन माध्यम पर दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक होगी। 12वीं के स्टूडेंट्स यूजी कोर्स के लिए व एलएलबी करने वाले स्टूडेंट्स पीजी कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क यूजी व पीजी कोर्स दोनों कोर्स के लिए जनरल, ओबीसी कैटेगरी के लिए चार हजार रुपए और एससी, एसटी व बीपीएल के लिए 3500 रुपए निर्धारित है। इसके तहत रांची स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) सहित देशभर के 24 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के यूजी व पीजी कोर्स में नामांकन लिया जाएगा।

रोट्रैक्ट क्लब ने नए सदस्यों के चयन के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया

रांची। सेंट जेवियर्स कॉलेज के रोट्रैक्ट क्लब ने कॉलेज परिसर में नए सदस्यों के चयन के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया। इस सत्र में क्लब के अध्यक्ष रोट्रैक्टर वैभव कुमार की उपस्थिति रही। यह एक संवादात्मक और प्रेरणादायक सत्र रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने विचार खुलकर प्रस्तुत किए। क्लब का लक्ष्य नए सदस्यों के साथ सामाजिक सेवाओं को और सशक्त बनाना है।

रांची और हटिया से भाजपा उम्मीदवार को लेकर सस्पेंस, नवीन जायसवाल और अजयनाथ शाहदेव के नामों को लेकर सरगर्मी तेज

रांची : रांची और हटिया विधानसभा सीट से भाजपा का उम्मीदवार कौन होगा इसको लेकर अटकलों का बाजार गर्म है. भाजपा की अधिकृत सूची जारी होने से पहले मंगलवार की रात दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई थी. बुधवार की सुबह सोशल मीडिया पर भाजपा उम्मीदवारों से संबंधित एक सूची वायरल होने के साथ एक खबर भी वायरल हुई. इसमें कहा गया कि हटिया विधायक नवीन जायसवाल को रांची से उम्मीदवार बनाया जा रहा है और कांग्रेस नेता अजयनाथ शाहदेव को भाजपा में शामिल कराकर हटिया से उम्मीदवार बनाया जाएगा. रांची से सीपी सिंह का टिकट कट रहा है.

खबर और सूची वायरल होते ही रांची और हटिया इलाके में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई. सूची और खबर की सत्यता को लेकर लोग एक दूसरे को फोन करने लगे. रांची से दिल्ली तक फोन की घंटियां बजने लगीं. पत्रकारों से जानकारी के लिए लोग फोन करने लगे. सब लोग यह जानना चाहते थे कि इस खबर में कितनी सच्चाई है. क्योंकि अजयनाथ शाहदेव तो अभी तक बीजेपी में शामिल भी नहीं हुए हैं. और जब रांची से विधायक सीपी सिंह सहित दर्जनों नेता टिकट के लिए लगे हुए हैं तो फिर ऐसी स्थिति में हटिया से नवीन जायसवाल को रांची क्यों लाया जा रहा है? नवीन जायसवाल का कार्य क्षेत्र हटिया रहा है. वह हटिया से जीतते रहे हैं, मजबूत प्रत्याशी हैं. तो फिर ऐसी क्या मजबूरी है कि उन्हें रांची शिफ्ट किया जा रहा है. हटिया और रांची में भाजपा के पास कई दमदार प्रत्याशी है. तो फिर चुनाव की घोषणा के बाद अजयनाथ शाहदेव को पार्टी में क्यों लाया जा रहा है. यदि लाना ही था तो पहले लाया जाना चाहिए था. अजयनाथ शाहदेव पार्टी के लिए क्यों मजबूरी हैं. इन सारे सवालों को लेकर रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच उबाल की स्थिति है. कार्यकर्ता सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे है. इस खबर से कार्यकर्ताओं में उबाल है. कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि पार्टी सीपी सिंह को टिकट नहीं देना चाहती है तो फिर रांची विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले को टिकट दिया जाए. वह बाहरी उम्मीदवार को यहां बर्दाश्त नहीं करेंगे. कार्यकर्ताओं का कहना है कि रांची से पूर्व महानगर अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह, पूर्व उप महापौर संजीव विजयवर्गीय, रमेश सिंह सहित एक दर्जन लोग हैं. जो टिकट चाहते हैं. पार्टी को इन्हीं में से किसी को उम्मीदवार बनाना चाहिए. नवीन जायसवाल को हटिया से ही उम्मीदवार बनाया जाए. उनका कार्य क्षेत्र रहा है. यानी इस खबर के बाद पूरे शहर में राजनीतिक सरगर्मी कल से ही तेज है. इधर कुछ लोगों का कहना है कि रांची जैसी हाई प्रोफाइल सीट पर नया प्रयोग से भाजपा को नुकसान हो सकता है. इसलिए इससे बचना चाहिए. कार्यकर्ताओं और नेताओं ने पार्टी तक अपनी भावना पहुंचा दी है. अब देखना है इस मामले में क्या फैसला होता है. लेकिन वायरल सूची व खबर ने रांची व हटिया के लोगों की सांसें अटका दी हैं.

करवा चौथ व्रत 20 को, पांच शुभ योग का बन रहा संयोग, रात 7.40 बजे होगा चंद्रोदय

रांची। करवा चौथ पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए दिनभर निर्जला व्रत रखेंगी। रात को चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजन करेंगी। मंदिरों सहित कई स्थानों पर महिलाएं सामूहिक पूजन करेंगी। करवा चौथ उद्यापन के आयोजन भी होंगे। रविवार को तड़के से करवा चौथ का व्रत शुरू हो जाएगा। शाम 7.40 बजे चंद्रोदय का समय है। इसके बाद व्रती महिलाएं चंद्रमा को अर्घ्य अर्पण करेंगी और चलनी से चंद्रमा व पति को देखकर उनके ही हाथों से जल ग्रहण कर व्रत तोड़ेंगी। ज्योतिषाचार्य प्रणव मिश्रा ने बताया कि इस बार करवा चौथ पर शश, गजकेसरी, बुधादित्य, महालक्ष्मी और समसप्तक राजयोग बनेंगे, जो शुभ फलदायी है। करवा चौथ के दिन चंद्रमा कृत्तिका और रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। दिन-रात वृषभ राशि में गोचर करेंगे। 20 अक्टूबर की सुबह 10.43 बजे तक तृतीया तिथि है। इसके बाद चतुर्थी तिथि का प्रवेश होगा। 21 अक्टूबर की सुबह 8.57 बजे तक चतुर्थी तिथि है। इससे पूर्व 19 अक्टूबर को सरगी होगा। करवा चौथ का व्रत सुहागिनें पति की लंबी आयु और खुशहाल वैवाहिक जीवन के लिए रखती हैं। इस व्रत को युवतियां भी रखती हैं, जिनका विवाह तय हो जाता है। कुछ युवतियां अच्छा जीवन साथी पाने के लिए व्रत रखती हैं। रांची सुहागिनो के लिए करवा चौथ का पर्व बेहद खास होता है। इस त्योहार का महिलाएं बेसब्री से इंतजार करती हैं। व्रत पति की लंबी उम्र की कामना के लिए करती हैं। करवा चौथ के दिन निर्जला व्रत, करवा माता की पूजा-अर्चना, गणेश पूजन और चंद्रमा को अर्घ्य देने का महत्व है। इस शुभ तिथि पर सुहागिने करती हैं। साथ ही अखंड सुहाग की प्राप्ति के लिए व्रत करती हैं। इस साल करवा चौथ की पूजा के लिए केवल 1 घंटे 16 मिनट का ही शुभ मुहूर्त है। हर साल कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को करवा चौथ होता है। चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत पूरा होता है। करवा चौथ का व्रत सुहागिने पति की लंबी आयु और खुशहाल वैवाहिक जीवन के लिए रखती हैं। इस व्रत को युवतियां भी रखती हैं, जिनका विवाह तय हो जाता है। कुछ युवतियां अच्छा जीवन साथी पाने के लिए व्रत रखती हैं। करवा चौथ के दिन रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि का चंद्रमा होगा। पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी की शुरुआत 19 अक्टूबर को शाम 6.16 बजे होगी और समापन 20 अक्टूबर को दोपहर 3. 46 बजे होगा। ऐसे में करवा चौथ का व्रत 19 अक्टूबर को रखा जाएगा। करवा चौथ व्रत के लिए चतुर्थी में चंद्रोदय होना जरूरी है। करवा चौथ के दिन व्रती महिलाओं को चांद के निकलने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है, क्यों कि कृष्ण पक्ष का चंद्रोदय देर से होता है। माना जाता है कि इस दिन कुछ गलतियां करने से पूर्ण फल नहीं मिलता और व्रत खंडित हो सकता है। करवा चौथ का व्रत सबसे कठिन व्रतों में से एक है और चांद को अर्घ्य दिए जाने तक एक बूंद भी जल नहीं पिया जाता है। बालों में कंघी नहीं की जाती है। सुई, कैंची और चाकु को नहीं छुआ जाता है। सोए को जगाया नहीं जाता और रूठे को मनाया नहीं जाता।

करवा चौथ के लिए सज गई है रांची की दुकाने

करवा चौथ के बाजार के लिए ज्वेलर्स ने पूरी तैयारी कर ली है वहीं दूसरी ओर शहर के वहां विक्रेताओं ने भी हर मॉडल के वाहनों की अच्छी खासी रेंज जमा कर ली है। राजधानी के प्रतिष्ठित ज्वेलर्स के यहां 5 ग्राम से लेकर 500 ग्राम वजन तक के सेट कंगन चूड़ियां मांगती के और अंगूठियां उपलब्ध हैं। हाल के दिनों में जुड़वा गहनों के अलावा पारंपरिक रन जनित ज्वेलरी की मांग तेजी से बड़ी है दक्षिण गुजराती और महाराष्ट्र के अलावा उत्तराखंड गढ़वाल की एंटीक पल की ज्वेलरी की भी बाजार में मांग नजर आ रही है शादी ब्याह को छोड़ अब लोग पीले सोने की जगह व्हाइट गोल्ड की एंटीक ज्वेलरी पर अधिक ध्यान दे रहे हैं पिछले कुछ महीनो में सोने की जगह डायमंड ज्वेलरी की मांग भी तेजी से बड़ी है मध्य और गरीब तबके के बीच चांदी के गहनों की मांग अधिक है इसलिए चांदी के एंटीक गहने भी बाजार में नजर आ रहे है। धनतेरस पर बहुत लोग चांदी के सिक्के और सोने की दुनिया भी खरीदते हैं। राजधानी में धनतेरस पर इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बिकते हैं इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स के शोरूम में फ्रिज वाशिंग मशीन माइक्रोवेव व में एलईडी एलसीडी और बड़ी स्क्रीन के स्मार्ट टीवी और म्यूजिक सिस्टम भी प्रीमियम रेंज में सर्च चुके हैं डिस्काउंट के ऑफर भी शुरू हो गए हैं। पिछले साल सोने का भाव 57000 था और इस साल 71600 है। केवल 1 वर्ष में सोने की कीमतों में लगभग 14000 रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। इसी तरह पिछले साल चांदी का भाव 75000 था और इस बार चांदी 95000 हजार रुपए किलो है। चांदी के भाव में प्रति किलो 20000 रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। कारोबारियो की मानी जाए तो इस बार 15 से 16 करोड रुपए के वाहन बिकने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर प्रीमियम रेंज की घड़ियां फोल्डिंग स्क्रीन वाले स्मार्टफोन और लैपटॉप भी नजर आ रहे हैं। इस बार पंजाब स्वीट हाउस और कावेरी में कुछ नई मिठाइयां भी देखने को मिलेगी।

शहर के प्राइवेट स्कूलों में शुरू हुई शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया

रांची . शहर के प्राइवेट स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके तहत विभिन्न स्कूलों में पीजीटी, टीजीटी व पीआरटी के पदों पर नियुक्ति की जाएगी। वहीं कई स्कूलों में नॉन टीचिंग पदों पर भी भर्ती प्रक्रिया होगी। इससे संबंधित सूचना कई स्कूलों की ओर से निकाल दी गई है। वहीं कई स्कूलों में आने वाले माह में भर्ती के लिए नोटिस निकाला जाएगा। झारखंड के डीएवी ग्रुप के सभी स्कूलों में शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत डीएवी ग्रुप के विभिन्न स्कूलों में पीजीटी, टीजीटी, पीआरटी आदि पदों पर नियुक्ति होगी। सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी डीएवी पब्लिक स्कूल्स, झारखंड जोन बी व डीएवी कपिलदेव के प्रिंसिपल एमके सिन्हा ने बताया कि डीएवी कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई है। यह पहला फेज है। इस टेस्ट में क्वालिफाई करने वाले अभ्यर्थी डीएवी ग्रुप के विभिन्न स्कूलों में निकलने वाली भर्ती प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। इसके साथ ही जेवीएम श्यामली में 15 शैक्षणिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया इस माह में शुरू होगी। वहीं मनन विद्या में जनवरी-फरवरी माह में, फिरायालाल स्कूल में नवंबर माह में नियुक्ति प्रक्रिया होगी। बताते चलें रांची के विभिन्न प्राइवेट स्कूलों में हर साल 200 से ज्यादा शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती की जाती है।

आरयू : बीएड शिक्षक के एक पद के लिए 20 तक जमा होगा आवेदन

रांची । रांची यूनिवर्सिटी में बीएड शिक्षक के एक पद पर नियुक्ति के लिए प्रोसेस चल रहा है। इसका विषय कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स पैडागॉजी है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर शाम पांच बजे तक है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की हार्डकॉपी 25 अक्टूबर शाम पांच बजे तक जमा कर सकते हैं। अनुबंध के आधार पर नियुक्ति होगी।

आरयू : यूजी-पीजी व वोकेशनल का परीक्षा फॉर्म के शिड्यूल में संशोधन

रांची. रांची यूनिवर्सिटी में विभिन्न परीक्षाओं का फॉर्म जमा करने की संशोधित तिथि जारी की गई है। इसमें पीजी सेकेंड सेमेस्टर सेशन 2023-25, यूजी थर्ड सेमेस्टर 2022-26, सीबीसीएस बैकलॉग और वोकेशनल 2022-25, बीएड फर्स्ट पार्ट सेशन 2023-25, एमबीबीएस फर्स्ट प्रोफेशनल कोर्स शामिल है। वेबसाइट पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

झारखंड में भी बढ़ रही लॉरेंस बिश्नोई गैंग की सक्रियता

रांची : झारखंड में भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग की सक्रियता बढ़ रही है. इस बात की पुष्टि तब हुई जब बीते 27 सितंबर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हरियाणा के रहने वाले दो शार्प शूटर लातेहार में एक समाजसेवी की हत्या करने पहुंचे थे. हालांकि घटना को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया था. पकड़े गये अपराधियों में अश्विनी कुमार, प्रिंस कुमार, चंदवा के उमेश कुमार सिंह और सर्विस कुमार यादव शामिल हैं. पूछताछ में प्रिंस कुमार ने बताया है कि वह तिहाड़ जेल में बंद हशिम बाबा के कहने पर झारखंड आया था. बता दें कि अश्विनी और प्रिंस गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करता है.

रोहित, गोल्डी और संपत के जरिये लॉरेंस के संपर्क में आया था सुनील मीणा

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा सुनील मीणा को गिरफ्तार करना झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है. सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के घडसाना के नयी मंडी का रहने वाला है. सुनील लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है. जब वह वर्क वीजा पर भारत से मलेशिया गया था, तब वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और संपत नेहरा के जरिये लॉरेंस के संपर्क में आया था. इसके बाद सुनील मीणा मलेशिया से ही अपराध की दुनिया में अपनी जड़े जमाने लगा.

अमन साहू गैंग से भी जुड़ा है सुनील मीणा, झारखंड में दिला रहा घटना को अंजाम

सुनील मीणा लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अलावा झारखंड के डॉन अमन साहू के राइट हैंड माने जाने वाले मयंक सिंह से भी जुड़ा है. वह यहां भी आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलाने में लगा है. अमन साहू गैंग के इशारे पर सुनील मीणा ने ही झारखंड में कोल ट्रांसपोर्ट कर रही छत्तीसगढ़ की आरकेटीसी कंपनी के कोरबा स्थित ऑफिस में अधिकारियों पर फायरिंग करायी थी. सुनील मीणा ने इस कंपनी के डायरेक्टर सुशील सिंघल की हत्या के नियत से रायपुर स्थित कंपनी के हेड ऑफिस पर फायरिंग करावायी थी.

फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी और ईशा देओल को देखने रांची में उमड़ी भीड़

रांचीः मशहूर फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमा मालिनी अपनी बेटी ईशा देओल के साथ आज रांची आई. शहर के मेन रोड में एक शो रूम का उद्घाटन करने के लिए यहां आई हुई है. हेमा मालिनी और ईशा देओल के आने की खबर सुनते ही इनके समर्थक और फैन्स शो रूम के बाहर हजारों की संख्या में जमा हो गए. दोनों अभिनेत्रियों के आने के साथ ही भीड़ उमड़ पड़ी. फैंस बेताब दिखे. भीड़ में धक्का-धुक्की भी हुई. करीब एक घंटे से अधिक समय तक मेन रोड जाम रहा. हेमा मालिनी और ईशा देओल ने हाथ हिलाकर फैंस का धन्यवाद दिया.

हिंदू धर्म में कार्तिक माह शुरू होते ही शुरू हो जाते है त्यौहार

रांची। हिंदू धर्म में कार्तिक का महीना बहुत खास होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार कार्तिक महीना श्री विष्णु भगवान को बहुत प्रिय है। यह महीना अक्टूबर और नवंबर के बीच पड़ता है और श्री हरि योगनिद्रा से जागते हैं। कहां जाता है कि इस महीने में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से जीवन में सुख शांति रहती है और आर्थिक समस्याओं का निवारण होता है। कार्तिक महीने की शुरुआत 18 अक्टूबर से हो रही है वहीं इसका समापन 15 नवंबर को होगा पर्व त्योहार और दान कार्य करने के साथ नदियों में स्नान और उपवास करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कहते हैं कि कार्तिक में पवित्र नदियों में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में खुशियां आती हैं। शहर के ज्योतिषियों के अनुसार कार्तिक महीने में पढ़ने वाले मुख्य त्योहारों में 20 अक्टूबर को करवा चौथ, 21 अक्टूबर को रोहिणी व्रत, 24 अक्टूबर को अहोई अष्टमी ,28 अक्टूबर को रमा एकादशी ,29 अक्टूबर को प्रदोष व्रत और धनतेरस, 30 अक्टूबर को काली चौदस, 31 अक्टूबर को नरक चतुर्दशी और छोटी दिवाली, 1 नवंबर को अमावस्या और दिवाली, 2 नवंबर को गोवर्धन पूजा और अन्नकूट पूजा ,3 नवंबर को भाई दूज, 7 नवंबर को छठ पूजा ,9 नवंबर को गोपाष्टमी ,10 नवंबर को अक्षय नवमी, 12 नवंबर को प्रबोधिनी एकादशी, 13 नवंबर को तुलसी विवाह और 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा और गुरु नानक देव की जयंती होगी। कार्तिक माह का सबसे बड़ा पर्व धनतेरस और दिवाली है। दिवाली की तिथि को लेकर लोगों में संक्षेप बना हुआ है कुछ लोग कहते हैं की दिवाली 31 अक्टूबर को है तो कुछ ऐसे 1 नवंबर को करने की बात कह रहे हैं। हिंदू धर्म में दीपावली का पर्व विशेष महत्व रखता है हर वर्ष कार्तिक माह की अमावस्या को दिवाली मनाई जाती है। पंडित प्रणव मिश्रा के अनुसार दीपावली के त्योहार पर महरात्रि में अमावस्या होनी चाहिए। इसमें उड़िया तिथि की मानता नहीं होती जबकि 1 नवंबर को शाम के समय अमावस्या तिथि नहीं मिल रही है । 31 अक्टूबर को अमावस्या तिथि दिन में 2.40 बजे से लग रही है। इससे पहले चतुर्दशी तिथि है इस कारण दिवाली 31 को ही इस वर्ष मनाई जाएगी। इसी माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से छठ पूजा की शुरुआत हो जाती है। सूर्य उपासना का यह महापर्व चार दिन तक चलता है और महिलाएं 36 घंटे का निर्जला व्रत भी रखती है।

अब 'साथी' की मदद से डॉक्टर, इंजीनियर बनेंगे बिहार के छात्र; एनसीईआरटी की नई पहल को समझें

भागलपुर. अब इंजीनियरिंग-मेडिकल, बैंकिंग-एसएससी समेत अन्य की तैयारी करने वाले छात्रों की कोचिंग की राह आसान होने वाली है। इन सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए छात्रों को न तो मोटी फीस खर्च करनी होगी और न ही शिक्षण संस्थानों में भेड़-बकरियों की तरह एक साथ हजारों की संख्या में बैठकर पढ़ने में परेशानी होगी। इन परीक्षाओं की तैयारी करने में अब छात्रों की मदद 'साथी' करेगा। इससे राज्य के छात्र छात्राओं को अपना भविष्य संवारने में काफी मदद मिलेगी। दरअसल, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपनी वेबसाइट पर इन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए सेल्फ असेसमेंट टेस्ट एंड हेल्प फॉर इंट्रेंस एग्जाम (साथी) योजना की शुरुआत की है। इस पोर्टल पर छात्र अपना रजिस्ट्रेशन कराकर देश की नामी गिरामी शिक्षण संस्थानों के प्रोफेसर, विषय विशेषज्ञ व वहां पढ़ रहे छात्रों का मार्गदर्शन निशुल्क प्राप्त कर सकेंगे। बड़ी संख्या में इस प्लेटफॉर्म पर छात्र अपना रजिस्ट्रेशन कराकर इसका लाभ ले रहे हैं। एनसीईआरटी ने यह पहल आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर की है। इसके तहत एनसीईआरटी के इस पोर्टल पर आईआईटी, आईआईआईटी, एनआईटी औ एम्स के प्रोफेसर तथा अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञ शिक्षक और वहां पढ़ने वाले छात्रों से पोर्टल पर रजिस्टर्ड छात्र अपने सवाल पूछ सकेंगे। अपने विषय के संबंधित पाठ की समस्याओं का समाधान पाएंगे। एनसीईआरटी ने यह सुविधा हिंदी-अंग्रेजी, तेलुगू-मराठी समेत अन्य भाषाओं में भी छात्रों के लिए उपलब्ध कराई है। अलग-अलग भाषा और विषयों के विशेषज्ञ प्रोफेसर छात्रों के पूछे गए सवालों का जवाब देने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

सुरेश यादव हत्याकांड के मुख्य आरोपी के घर चिपकाया इश्तेहारःसरेंडर नहीं करने पर होगी कुर्की जब्ती

मोतिहारी. मोतिहारी के चर्चित जिला पार्षद सुरेश यादव हत्याकांड फिर से चर्चा में आ गया है। हत्या कांड के मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने उनके घरों पर कुर्की का नोटिस चिपकाया है। यह घटना 26 जून को नगर थाना क्षेत्र के चांदमारी चौक पर हुई थी, जब तीन अपराधियों ने बंजरिया प्रखंड के जिला पार्षद सुरेश यादव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्या में शामिल शूटर को गिरफ्तार किया था, जिसने बताया कि हत्या फुलवार गांव के हनुमान दुबे और दिलरंजन दुबे ने करवाई थी। इसके बाद से पुलिस लगातार उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में छापेमारी कर रही थी, लेकिन अब तक वे गिरफ्त में नहीं आए हैं। पुलिस ने हनुमान दुबे, दिलरंजन दुबे, अशोक यादव (सेमरहिया गांव), और लक्की कुमार (सपहां गांव) के घरों पर नोटिस चिपकाया है। सभी को निर्धारित समय में न्यायालय या पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया है, अन्यथा कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

मरीन ड्राइव के पास नाले से मिला युवती का शव

पटना. पटना में मरीन ड्राइव से सटे नाले से एक युवती का शव मिला है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बांस के सहारे शव को पानी से बाहर निकाला। जांच के लिए FSL टीम को बुलाया गया है। घटना बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के दुजरा पहलवान घाट के पास की है। स्थानीय मोहम्मद गफ्फार ने बताया कि सुबह में बॉडी देखी गई। जिसके बाद स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। बॉडी पानी में होने की वजह से फूल गई है। लड़की आसपास की नहीं लग रही है। कुछ दिन पहले भी इस इलाके में एक शव मिला था, जिसकी पहचान नहीं हो पाई थी।

वहीं, ASI राजेश कुमार ने बताया कि अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। शव को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस अपने स्तर से छानबीन की रही है।

भागलपुर में ट्रैक्टर चालक की गोली मारकर हत्याः अज्ञात बदमाशों ने देर रात दिया घटना को अंजाम

भागलपुर. भागलपुर के मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर चालक की हत्या के बाद पुलिस गुरुवार को पोस्टमार्टम कराकर आगे की करवाई में जुट गई है। मृतक की पहचान अमरपुर थाना क्षेत्र के गंगापुर गड़ेल निवासी संतोष कुमार (28) के रूप में हुई है। जिसकी बीती रात अज्ञात अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद घायल को पुलिस द्वारा मायागंज अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना परिजनों को दी गई। घटना के बाद डीएसपी टू राकेश कुमार, सिटी एसपी के रामदास भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। मायागंज अस्पताल पहुंची मृतक की मां ने बताया कि मृतक संतोष जगदीशपुर अमरपुर क्षेत्र से मधुसुदनपुर क्षेत्र में बालू कारोबार में वह ट्रैक्टर चलाता था। देर रात ट्रैक्टर लेकर वह मधुसुदनपुर के तरफ जा रहा था।इसी दौरान अज्ञात युवक ट्रैक्टर पर चढ़ गया। उसे लगा कि उसका कोई साथी है। लेकिन उसे गोली मारकर हत्या कर दी गई। हालांकि पुलिस हत्या के पीछे की वजह का पता अबतक नहीं लगा पाई है।बता दें कि इस मामले में स्थानीय पुलिस और FSL टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक के भाई के दिए गए बयान के आधार पर सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर अनुसंधान की जा रही है। कांड का उद्भेदन और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए डीएसपी 2 के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित की गई है। आमलोगों का कहना है कि मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र में पिछले कुछ माह पहले कई दबंग माफियाओं द्वारा अवैध बालू ट्रैक्टर पार कराने का वीडियो सामने आया था। मामला मीडिया में आने के बाद दो चार दिन कारोबार रुका। लेकिन कुछ ही दिनों में बालू का यह खेल फिर शुरू हो गया। भतौडिया, टुटापूल,बेलसिरा होकर ललमटिया, हबीबपुर, नाथनगर होकर सैकड़ों ट्रैक्टर अवैध बालू लेकर देर रात से लेकर सुबह तक निकलते हैं। माफियाओं के भय से लोग सड़क पर चलने और बच्चों को स्कूल भेजने से डरते हैं। स्थानीय पुलिस और खनन विभाग ने मामले पर कोई खास एक्शन नहीं लिया। ट्रैक्टर चालक संतोष कुमार की हत्या मामले में चर्चा है कि वो भी बालू के लिए ही ट्रैक्टर मधुसुदनपुर क्षेत्र होकर चलाता था और बालू लोड करने आ रहा था।

चोरों ने घर से गायब किया 7 लाख का सामानः मधुबनी के फुलपरास थाना क्षेत्र की घटना

मधुबनी. मधुबनी के फुलपरास थाना क्षेत्र के सैनी गांव में बुधवार की रात चोरों ने संजय गिरी के घर पर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। चोरी की घटना में करीब 7 लाख की चोरी हुई है। सूचना मिलते ही सभी ग्रामीणों ने फुलपरास थाने की पुलिस को बताया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बारीकी से छानबीन किया और परिजनों से जानकारी लेकर आवेदन देने को कहा। परिजन चंदा देवी ने बताया कि वह अपने पिता का इलाज कराने के लिए दरभंगा गई थी। इधर चोरों ने घर में चोरी की घटना को अंजाम को दे दिया। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इंसाफ की गुहार लगाई है। वहीं भाजपा नेता और समाजसेवी दीनालाल मंडल ने कहा कि कभी भी पुलिस गश्ती करने नहीं आती है। इसके कारण घटना हुई है। पुलिस अगर सही से जांच करें तो चोरों को पकड़ा जा सकता है। ग्रामीण प्रभास कुमार ने कहा कि अगर पुलिस सही से काम करे तो न्याय मिल सकता है।

बिहार के टीकाकरण कैंप में चार महीने की बच्ची को लगाए पांच इंजेक्शन, मौत के बाद केस दर्ज

खगड़िया. बिहार के खगड़िया जिले में टीकाकरण के बाद चार महीने की एक बच्ची की मौत हो गई। जिले के गोगरी नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नम्बर 32 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-4 पर आयोजित टीकाकरण अभियान में चार माह की बच्ची को टीका लगाने के बाद रात में बच्ची की मौत हो गई। घटना बुधवार की रात की है। मृत बच्ची जमालपुर इमली तल के पास की रहने वाली है। परिजनों ने मृत बच्ची को लेकर गुरुवार की सुबह अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचकर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से लिखित शिकायत दी है। मृत बच्ची के पिता मंगल कुमार ने बताया कि बुधवार को आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-4 पर टीकाकरण आयोजित शिविर में किया गया था। जिसमे वह अपनी चार माह की बच्ची अन्नू कुमारी को टीकाकरण कराने ले गए तो वहां उपस्थित एएनएम ने पांच प्रकार के इंजेक्शन बच्ची को लगए। इंजेक्शन लगाने के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। तुरंत केंद्र पर जाकर बच्ची के स्वास्थ्य के बारे में एएनएम को बताया गया। एएनएम ने परिजनों को कहा कि शाम तक सब ठीक हो जायगा। रात में बच्ची की मौत हो गई।

शराबबंदी पर सवाल, मंत्री बोले-बुड़बक वाला बात मत कीजिएः तेजस्वी ने कहा- ये मौत नहीं, हत्या है; सीवान-सारण में जहरीली शराब से 36 लोगों की गई जान

पटना. बिहार में पिछले 4 दिनों में सीवान- सारण में जहरीली शराब से 36 लोगों की मौत हो गई है। 40 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद सियासी बयानबाजी का दौर फिर से तेज हो गया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने नीतीश सरकार पर हमला करते हुए इसे हत्या करार दिया। वहीं मद्य निषेद्य मंत्री रत्नेश सदा से जब पूछा गया कि इस घटना के पीछे सरकारी की नाकामी है तो उन्होंने कहा कि बुड़बक वाला बात मत कीजिए। रत्नेश सदा ने कहा कि सरकार ने शराबबंदी कानून को लागू किया है, लेकिन समाज को भी जागरूक होने की जरूरत है। हालांकि आज उन्होंने एक बड़ी घोषणा की है कि इस पूरे मामले में अब सभी शराब माफियाओं पर सीसीए लगाया जाएगा। जहरीली शराब से मौत पर तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट कर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने लिखा है कि 'सत्ता संरक्षण में जहरीली शराब के कारण 27 लोगों की हत्या कर दी गयी है। दर्जनों की आंखों की रोशनी चली गयी। बिहार में कथित शराबबंदी है, लेकिन सत्ताधारी नेताओं-पुलिस और माफिया के गठजोड़ के कारण हर चौक-चौराहों पर शराब उपलब्ध है।' 'इतने लोग मारे गए लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक-संवेदना तक व्यक्त नहीं की। जहरीली शराब से, अपराध से प्रतिदिन सैकड़ों बिहारवासी मारे जाते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री और उनकी किचन कैबिनेट के लिए यह सामान्य बात है।' तेजस्वी ने आगे लिखा है कि कितने भी लोग मारे जाए, लेकिन मजाल है किसी बड़े अधिकारी पर कोई कार्रवाई हो? इसके विपरीत उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा? अगर शराबबंदी के बावजूद हर चौक-चौराहे और नुक्कड़ पर शराब उपलब्ध है तो क्या यह गृह विभाग और मुख्यमंत्री की विफलता नहीं है? क्या मुख्यमंत्री जी होशमंद हैं? क्या सीएम ऐसी घटनाओं पर एक्शन लेने व सोचने में सक्षम और समर्थ है? इन हत्याओं का दोषी कौन?

झूठे दावों की कई बार खुल चुकी है पोल

वहीं लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम नीतीश पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि बिहार में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का सिलसिला जारी है। मुख्यमंत्री और सरकार की सख्ती-कड़ाई की तमाम दिखाऊ, बहुप्रचारित कवायदों के बावजूद अवैध शराब की सप्लाई और निर्माण का गोरखधंधा फल-फूल रहा है। सरकार के झूठे दावों की पोल एक दफा नहीं बल्कि दर्जनों दफा खुल चुकी है।

मंत्री बोले- 6 लोगों की मौत हुई है

मद्य निषेद्य मंत्री रत्नेश सदा का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है।दोषियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक चूक ना कभी हुई है, ना कभी होगी। भगवानपुर के थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। अभी तक इस मामले में 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसआइरटी गठित की गई है। मंत्री ने बताया कि आधिकारिक तौर पर सीवान में 6 लोगों की मौत हुई है, छपरा में दो लोगों की मौत हुई है। जबकि 22 लोगों का इलाज चल रहा है। हालांकि आज उन्होंने एक बड़ी घोषणा की है कि इस पूरे मामले में अब सभी शराब माफियाओं पर सीसीए लगाया जाएगा। इसको लेकर कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा और सीसीए का प्रस्ताव को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बातचीत की जाएगी और प्रशासनिक तैयारी के बाद निर्णय लिया जाएगा।

दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

बिहार सरकार के मंत्री नितिन नवीन ने बिहार में जहरीली शराब से मौत के मामले पर कहा कि इसे सरकार ने गंभीरता से लिया है, जो भी इस घटना के दोषी हैं उन पर कार्रवाई होगी। इस मामले में जिन अधिकारियों की लापरवाही होगी उन पर एक्शन होगा। वहीं बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि जहरीली शराब से छपरा और सीवान में कई लोगों की जान गई है। बिहार में शराबबंदी लागू है। सरकार इसे और सख्ती से लागू करने का काम करेगी। कुछ माफिया और शराब तस्कर हैं, जो इस तरह की हरकत करते हैं। उन पर कार्रवाई की जाएगी। जिन भी परिवार ने अपने लोगों को खोया है, उनकी पूरी चिंता सरकार करेगी।

क्या है मिथाइल अल्कोहल, जिसे पीने के बाद सीवान और छपरा में एक-एक कर दम तोड़ रहे लोग

पटना. बिहार में एक बार फिर जहरीली शराबकांड का कहर देखने को मिल रहा है। सीवान और छपरा (सारण) में बीते दो दिनों के भीतर 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, दर्जनों लोग बीमार हैं जिनका इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। इनमें से कुछ पीड़ितों ने अपनी आंखों की रोशनी भी गंवा दी है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि मिथाइल अल्कोहल के सेवन की वजह से पीड़ित एक-एक कर दम तोड़ रहे हैं। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल है कि आखिर मिथाइल अल्कोल क्या है, जिसकी वजह से दर्जनों घरों में मातम छा गया। छपरा के मशरक और सीवान के भगवानपुर हाट थाना इलाके में बीते मंगलवार से एक-एक कर लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। इनमें से कुछ लोगों की मौत भी हो गई। मृतकों के परिजन ने पुलिस एवं प्रशासन को बताया कि जहरीली शराब पीने के बाद ही सभी की हालत बिगड़ी थी। बुधवार को सीवान और छपरा के बड़े पदाधिकारी प्रभावित इलाकों में पहुंचे और बड़े स्तर पर छापेमारी अभियान शुरू किया। इस दौरान सैकड़ों लीटर अवैध शराब जब्त की गई। पटना मुख्यालय से भी उत्पाद विभाग और पुलिस की स्पेशल टीमें भेजी गईं। अब तक की जांच में मिथाइल अल्कोहल की वजह से मौतों की बात कही जा रही है। सरकार का कहना है कि सभी बरामद सैंपलों की जांच की जा रही है। अभी पता चला है कि इस शराब को कहीं बाहर से लाकर यहां बेचा गया था। अभी तक इसका मूल स्रोत पता नहीं चल पाया है। उत्पाद विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल भी जहरीली शराबकांड की स्थिति का जायजा लेने गुरुवार को सीवान पहुंचे। सीवान और छपरा में बीते 48 घंटे के भीतर मौतों का कोहराम मचाने वाला मिथाइल अल्कोहल एक तरह का रसायन है। इसे लैब में तैयार किया जाता है। इसे मेथनॉल भी कहते हैं, जिसका इस्तेमाल कल-कारखानों, बिजली उत्पादन और अन्य औद्योगिक गतिविधियों में किया जाता है। कपड़ों की रंगाई, प्रिंटिंग की स्याही और पेंट रिमूवर जैसे तरल पदार्थ बनाने में भी यह काम आता है।

सीतामढ़ी में थाने में फंदे से लटके मिले थानेदारः सुबह मोबाइल चोर गैंग को पकड़ा, रात में सुसाइड

सीतामढ़ी. सीतामढ़ी में एक थानाध्यक्ष कुंदन कुमार ने सुसाइड कर लिया है। थाना परिसर में उनका शव फंदे से लटका मिला, हालांकि उनके दोनों पैर जमीन में सटे हुए थे और पास ही कुर्सी पड़ी है। एसपी मनोज कुमार तिवारी ने आत्महत्या की पुष्टि की है, लेकिन ये भी कहा कि मामले की जांच की जा रही है। थानेदार कुंदन कुमार ने आत्महत्या क्यों की इसका खुलासा नहीं हो पाया है। मामला जिले के बैरगनिया थाना की है। जहां इंस्पेक्टर कुंदन कुमार ने बुधवार रात थाना परिसर स्थित सरकारी आवास में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कुंदन कुमार पटना जिले के विक्रम के रहने वाले थे। थानेदार की आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। बता दें कि कुंदन 2009 बैच के इंस्पेक्टर थे।

सुबह मोबाइल गिरोह का किया था खुलासा

आत्महत्या से पहले सुबह ही

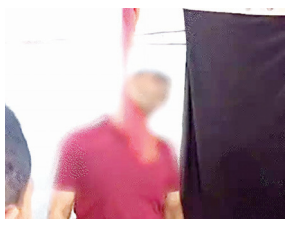

थानाध्यक्ष कुंदन कुमार के सहयोग से बैरगनिया में चोरी के 30 लाख रुपए से अधिक के 59 मोबाइल और दो लैपटॉप के साथ शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया गया था। जिसमें 24 iPhone भी मिले थे। मंगलवार की देर शाम भकुरहर मोहल्ले में छापेमारी कर पुलिस को ये सफलता मिली। इसी साल फरवरी महीने में उन्हें बैरगनिया थाने की जिम्मेदारी दी गई थी। इससे पहले वे मुजफ्फरपुर जिला में पोस्टेड थे। मुजफ्फरपुर के कांटी और सदर थाने के थानाध्यक्ष रहे। एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि रात करीब 10.30 बजे उनका शव कमरे में ही फंदे से लटकता मिला है। घटना की सूचना मिलने के बाद उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उनके परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीते महीने सेक्स रैकेट को किया था एक्सपोज

पिछले महीने ही इलाके में चल रहे सेक्स रैकेट को भी पुलिस ने एक्सपोज किया था। कुंदन कुमार भी इस टीम में थे। कुंदन कुमार को पता चला कि इस थाना क्षेत्र में देह व्यापार चल रहा है। दो घंटे का रेट 1500 रुपए है। तब इस आपरेशन में थानाध्यक्ष कुंदन कुमार के साथ एसडीपीओ सदर राम कृष्णा ने कार्रवाई की। पुलिस टीम ने बैरगनिया शहर के कई होटलों में छापामारी की। तो इन होटलों में अनैतिक काम होने की बात सामने आई। विभिन्न होटलों से पुलिस ने चार महिलाओं समेत 10 को हिरासत में लिया था।

घटना के पीछे विभागीय प्रताड़ना तो नहीं- पुलिस एसोसिएशन

बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह ने थानाध्यक्ष की सुसाइड पर दुख जताया है। प्रेस रिलीज जारी कर मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि इस घटना के कारणों की गहराई से और संदेह की सारी बिंदुओं पर जांच होनी चाहिए। क्या घटना के पीछे विभागीय प्रताड़ना है या पारिवारिक कारण है या अन्य कोई गहरी साजिश है, जिसे आत्महत्या का रूप दिया गया है। विभिन्न बिंदुओं पर जांच रिपोर्ट के बाद उचित क़ानूनी करवाई होनी चाहिए।

बीजेपी और जेडीयू से लेना-देना नहीं, मैं हिंदू बनकर जा रहा हूं; गिरिराज सिंह ने अपनी यात्रा को बताया गैर राजनीतिक

पटना. केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की शुक्रवार से शुरू होने वाली हिंदू स्वाभिमान यात्रा को लेकर बिहार और खासकर सीमांचल क्षेत्र का सियासी पारा गर्माया हुआ है। अब गिरिराज ने अपनी यात्रा को गैर राजनीतिक करार दिया है। उन्होंने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि इस यात्रा से बीजेपी और जेडीयू या फिर एनडीए का कोई लेना-देना नहीं है। वह हिंदू बनकर जा रहे हैं और स्वामी दीपांकर के नेतृत्व में यात्रा निकाल रहे हैं। बता दें कि बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। माना जा रहा है कि गिरिराज इस यात्रा के जरिए मुस्लिम बाहुल्य सीमांचल क्षेत्र में बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाएंगे। बेगूसराय से सांसद और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के फायरब्रांड नेता गिरिराज सिंह की छवि हिंदूवादी लीडर के रूप में है। उनकी हिंदू स्वाभिमान यात्रा की शुरुआत शुक्रवार को भागलपुर से होगी। यहां से वे 22 अक्टूबर तक कटिहार, पूर्णिया और अररिया समेत पूरे सीमांचल क्षेत्र का दौरा करेंगे। उनकी यात्रा किशनगंज में समाप्त होगी। बताया जा रहा है कि अगर यह यात्रा सफल रही तो इसका अगला चरण भी बाद में घोषित किया जाएगा।

गिरिराज सिंह की यात्रा को लेकर सीमांचल में सियासी गर्माहट देखने को मिल रही है। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में जनाधार रखने वाली असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने इसे हिंदू और मुस्लिमों के बीच खाई पैदा करने वाली यात्रा करार दिया। AIMIM के बिहार अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने मंगलवार को कहा था कि गिरिराज सिंह किशनगंज आते हैं तो उन्हें यहां की गरीबी और गंगा-जमुनी तहजीब नहीं दिखती है। उन्हें सिर्फ यहां के लोगों की दाढ़ी और टोपी देखकर पाकिस्तान नजर आता है। गिरिराज फिर आएंगे तो टीका और टोपी को टकराने वाली बातें ही करेंगे।

बिहार की प्रमुख विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने भी इस यात्रा को सीमांचल के सौहार्द को खराब करने की कोशिश करार दिया।

प्रेमिका से कोर्ट मैरिज करने पहुंचा, बड़े भाई ने पीटाःमुजफ्फरपुर के कोर्ट परिसर में चला ड्रामा, दोनों के घर वाले शादी के लिए नहीं थे तैयार

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर के कोर्ट में बुधवार को ड्रामा देखने को मिला। यहां प्रेमिका के साथ कोर्ट मैरिज करने जा रहे प्रेमी युवक को उसके बड़े भाई ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। इसके साथ ही बड़े भाई के दोस्तों ने भी प्रेमी की पिटाई की। दरअसल, छोटा भाई अपनी प्रेमिका से विवाह करने के जिद पर अड़ा था। जबकि, उसका बड़ा भाई उसे उसकी प्रेमिका से शादी करने से रोक रहा था।

बताया गया कि ब्रह्मपुरा निवासी मोहम्मद रईस (25) मालीघाट की लड़की शबनम परवीन (19) से पिछले पांच साल से प्रेम करता था। दोनों शादी के लिए तैयार थे। लेकिन लड़की के परिजन इसके लिए राजी नहीं थे। लड़के के घरवाले भी इस विवाह के खिलाफ थे। बुधवार को लड़का अपने घर से निकला और अपनी प्रेमिका को लेकर कोर्ट मैरिज के लिए कोर्ट पहुंचा। यहां लड़के का बड़ा भाई भी पहुंच गया और उसे शादी करने से मना करने लगा। दोनों भाइयों में कहा सुनी हुई। बड़े भाई ने अपने छोटे भाई को थप्पड़ जड़ दिया। इसका विरोध करने पर छोटे भाई को बड़े भाई व उसके दोस्तों ने समाहरणालय परिसर में दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। मारपीट के बाद छोटा भाई नहीं माना, जिसके बाद उसका बड़ा भाई वहां से चला गया। बाद में प्रेमी जोड़ा एक दूसरे का हाथ पकड़कर शादी करने रजिस्ट्री कार्यालय चले गए। प्रेमी युवक ने बताया कि हम दोनों ने शादी कर ली है। घरवालों से यही कहना चाहते है कि हमें अकेला छोड़ दें। हमे अपनी जिंदगी आजादी से जीने दें। जानकारी के अनुसार फिलहाल दोनों भाड़े के रुम लेकर रह रहे हैं।

मॉब लिंचिंग मामले में प्रोजेक्ट मैनेजर अरेस्टःभागलपुर में रस्सी से बांध कर युवक की हुई थी पिटाई; साइट इंजीनियर की तलाश में जुटी पुलिस

भागलपुर. भागलपुर के बाइपास थाना क्षेत्र के डीवीसी स्थित नमामि गंगे प्रोजेक्ट में 3 दिन पहले चोरी का आरोप लगाकर युवक के साथ मॉब लिंचिंग हुई। इस मामले में पुलिस ने आरोपित प्रोजेक्ट मैनेजर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार मैनेजर ने संजय शर्मा को पहले थप्पड़ मारने के बाद लकड़ी के तख्ते और लोहे के रॉड से हमला किया था। यह बात उन्होंने पुलिस को दिए बयान में बताया है। पुलिस इस मामले में साइट इंजीनियर रविशंकर शर्मा और पेट्रोलियम कॉलेज के सिक्योरिटी गार्ड की तलाश कर रही है। मॉब लिंचिंग के शिकार हुए शकरुल्लाहचक निवासी संजय शर्मा की पिटाई के बाद बाइपास थाना में आवेदन दिया था। इसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसके अलावा मृतक के पत्नी के फर्द बयान के आधार पर एक और FIR दर्ज किया।

मामले में नमामी गंगे प्रोजेक्ट में पेटी कांट्रेक्टर के तौर पर काम कर रही एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कुमार मित्रा ने एफआईआर दर्ज कराई है।

प्राथमिकी में उन्होंने बताया है कि पकड़े गये चोर की जब लोग पिटाई कर रहे थे, तब वह पहुंचे थे। डायल-112 की टीम को बुलाकर सुपुर्द कर दिया। मामले में हुई गिरफ्तारी के बाद प्रोजेक्टर मैनेजर ने पुलिस को दिये गये बयान में इस बात का खुलासा किया है कि उन्होंने ही चोरी करते हुए संजय शर्मा को पकड़ा था। पहले उन्होंने ही उसके साथ मारपीट की। उन्होंने अपने साइट इंजीनियर रविशंकर शर्मा को बुलाया। पास में ही मौजूद पेट्रोलियम कॉलेज का सिक्यूरिटी गार्ड वहां पहुंच गया। उसने वीडियो दिखाते हुए बताया कि चोर और उसके अन्य भाई प्रोजेक्ट पर आकर लोहे की चोरी करते हैं। इसके बाद उन लोगों ने संजय शर्मा को पकड़ लिया।

हाथ-पैर को नारियल की रस्सी से बांध कर पीटा

संजय शर्मा के हाथ-पैर को नारियल की रस्सी से बांध दिया। सिक्योरिटी गार्ड ने लकड़ी के तख्ते से और लोहे के रॉड से बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी। वह अपने साइट इंजीनियर को यह बोल कर चाय पीने चले गए कि पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दें। चाय पीने के बाद जब वह मौके पर पहुंचे, तो मौके पर दर्जनों लोगों की भीड़ जमा हो गयी थी। मौके पर पहुंची डायल-112 की टीम ने घायल संजय शर्मा को लेकर अस्पताल लेकर गई थी। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

टीटीई पर दंपती से फर्जीवाड़ा का आरोपःआरा में 10 हजार फाइन लेकर नहीं बनाया टिकट, लेबर पेन के बाद नवजात की मौत

आरा(भोजपुर). आसाम के रहने वाले संजीब गोगई अपनी गर्भवती पत्नी राजश्री तमूली के साथ दिल्ली से ब्रह्मपुत्र मेल से 11 अक्टूबर को अपने घर लौट रहे थे। उसकी पत्नी गर्भवती थी। अचानक प्रसव पीड़ा की वजह से उसे आरा स्टेशन ही उतरना पड़ा और आरा सदर अस्पताल में 12 अक्टूबर को भर्ती कराया गया। लेकिन, डिलीवरी के बाद बच्चे को बचाया नहीं जा सका है। फिलहाल, महिला अस्पताल में भर्ती है। संजीब गोगई का आरोप है कि एसी कोच में वो अपनी को लेकर चढ़ा था। टीटी ने फाइन लगाया। 10 हजार रूपए लिए और टिकट नहीं बनाया। पैसा लेने के बाद जो सीट किसी अन्य के नाम पर रजिस्टर्ड थी, उसी जगह पर दोनों को बैठा दिया। काफी देर तक दोनों दंपती ने उस सीट पर सफर

किया। लेकिन, थोड़ी देर बाद उस सीट पर लोग आ गए और टीसी ने संजीब और उसकी गर्भवती पत्नी को एसी कोच से ही उतार दिया। उसके बाद संजीव अपनी गर्भवती पत्नी को लेकर स्लीपर में बैठा।

चंदा देकर घर भेजने की व्यवस्था की

बता दें कि पैसों की कमी होने के कारण दंपती अपने घर नहीं जा रहे थे। आरा सदर अस्पताल में तैनात सुरक्षा बलों ने सुपरवाइजर रवींद्र सिंह और यू की टीम ने मानवता की मिसाल पेश की है। सभी गार्ड ने चंदा देकर दोनों दंपती को उनके घर भेजने की व्यवस्था की और मृत शिशु का अंतिम संस्कार कराया है। पत्नी का आखिरी महीना चल रहा था। इसलिए वो अपनी पत्नी को लेकर अपने घर परिवारों के बीच आ रहा था, ताकि उसकी पत्नी का डिलीवरी के दौरान उसके घर वाले उसके साथ हो। लेकिन, प्रसव पीड़ा से कराहती उसकी हालत काफी खराब होने लगी। महिला को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।डिलीवरी के बाद उसका बच्चा (बेटा) नहीं बच पाया। जिसे लेकर संजीब गोगई ने रेलवे प्रशासन पर बहुत बड़ा आरोप लगाया है। संजीब गोगई ने बताया कि वो और उसकी पत्नी पिछले छह महीनों से हरियाणा में एक मोबाइल कंपनी में जॉब करते है। शादी के बाद दोनों हरियाणा चले गए और जॉब करने लगे। जब पत्नी का नौवां महीना शुरू हुआ तो संजीव अपनी पत्नी को घर लाना चाहता था, ताकि डिलीवरी के दौरान उसका परिवार उसके साथ हो। जिसके बाद दोनों रेवाड़ी रेलवे स्टेशन से दिल्ली आए थे, जहां दोनों जेनरल टिकट लेकर ब्रह्मपुत्र मेल में चढ़ गए।संजीव ने बताया कि ब्रह्मपुत्र मेल के जेनरल डिब्बे में भीड़ बहुत अधिक थी, इसलिए वो थर्ड एसी क्लास में अपनी पत्नी को लेकर चला गया। एसी कोच में अपनी पत्नी को लेकर बैठा था, तभी एक टीटी ने फाइन लगाया । टीटी ने दंपती से दस हजार रुपए लेकर सीट नहीं बनाया। संजीव ने बताया कि जब स्लीपर में बैठा तो वहां भी एक दूसरे टीटी ने फाइन लगा दिया। जिसके बाद संजीव ने उस टीटी को पांच हजार रुपए दिए। पूरे पंद्रह हजार रुपए जुर्माना भरने के बाद संजीव अपनी पत्नी को लेकर बक्सर पहुंचा। तभी उसकी पत्नी को प्रसव पीड़ा होना शुरू हो गया। लेकिन संजीव के पास अब पैसे नहीं थे और रेलवे की ओर से भी कोई मदद नहीं मिली थी। जिसके बाद ट्रेन में सफर कर रहे लोगों ने मदद की और उनकी मदद से संजीव अपनी गर्भवती पत्नी को लेकर आरा सदर अस्पताल पहुंचा। जहां उसकी पत्नी का डिलीवरी हुआ। लेकिन उसका बच्चा नहीं बच पाया।

जस्टिन ट्रूडो की नासमझी- खुद स्वीकारा कि निज्जर मामले में उनके पास कोई सबूत नहीं

नई दिल्ली(ईएमएस)। कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने ही बुने जाल में फंस गए हैं। उन्होंने खालिस्तानियों को खुश करने के लिए निज्जर हत्या के मामले में भारत पर साजिश रचने का आरोप लगाया था। अब खुद ट्रूडो स्वीकार रहे हैं कि उनके पास कोई सबूत नहीं है। इस पर भारत ने भी कनाडा के पीएम की जमकर क्लास लगा दी और कहा कि इससे भारत और कनाडा के रिश्ते खराब हुए हैं उसका क्या?

दरअसल, जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को कबूल किया कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा ने भारत को कोई ठोस सबूत नहीं दिया था। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने यह बात एक जांच आयोग के सामने गवाही के समय कही। जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को स्वीकार किया कि जब उन्होंने पिछले साल खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाया था, तब उनके पास केवल खुफिया जानकारी थी और कोई ठोस सबूत नहीं था। संघीय चुनावी प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विदेशी हस्तक्षेप की सार्वजनिक जांच के सिलसिले में ट्रूडो ने गवाही देते समय यह बात कही। ट्रूडो ने इस दौरान दावा किया कि भारतीय राजनयिक कनाडा के उन लोगों के बारे में जानकारी एकत्र कर रहे थे, जो नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार से असहमत हैं, और इसे भारत सरकार के उच्चतम स्तर और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह जैसे आपराधिक संगठनों तक पहुंचा रहे थे।

ट्रूडो के कबूलनामे पर भारत सरकार ने भी जवाब दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसने जो भी सुना है, वह नई दिल्ली के उस रुख की पुष्टि करता है जो कि हम लगातार कह रहे हैं कि कनाडा के आरोप झूठे हैं और बिना किसी सबूत के। भारत और कनाडा के बीच के जो संबंध खराब हुए हैं, उसमें सारा दोष जस्टिन ट्रूडो का है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'आज हमने जो भी सुना है, वह उसकी ही पुष्टि करता है जो हम लगातार कहते आ रहे हैं कि कनाडा ने भारत और भारतीय राजनयिकों पर लगाए गए गंभीर आरोपों के समर्थन में हमें कोई सबूत नहीं दिया है। इस लापरवाही भरे बर्ताव से भारत-कनाडा संबंधों को जो नुकसान हुआ है, उसकी जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की है।

प्रियंका चोपड़ा जोनस मुंबई में एक इवेंट के लिए पहुंची

मुंबई (ईएमएस)। इन दिनों वैश्विक स्ट्रीमिंग सीरीज सिटाडेल के दूसरे सीजन की शूटिंग में व्यस्त अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस मुंबई में एक इवेंट के लिए पहुंची। अभिनेत्री को सफेद कार्गो, सफेद टी-शर्ट और ग्रे बेसबॉल कैप पहने देखा गया। अभिनेत्री छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट मुंबई के टर्मिनल 2 पर पपराजी को हाथ हिलाकर अभिवादन करते नजर आई। एक सूत्र के मुताबिक अभिनेत्री एक ब्रांड एंगेजमेंट के लिए मुंबई में हैं। यह भी पता चला है कि अभिनेत्री इस महीने शहर में होने वाले फेस्टिवल की अध्यक्ष होने के बावजूद मामी फिल्म फेस्टिवल में शामिल नहीं होंगी। इससे पहले अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ अपना रूटीन शेयर किया था। इसके साथ ही उन्होंने कई सारी तस्वीरें शेयर की थी। तस्वीरों में उन्हें सिटाडेल की शूटिंग में व्यस्त दिखाया गया था, उनकी बेटी शो के सेट पर उनसे मिलने आई थी, अभिनेत्री अपनी बेटी के साथ खेल रही थी। पिक्स और शॉट्स ज्यादातर सिटाडेल के लोकेशन से हैं। प्रियंका ने बताया है कि इस बार कैसे उनका किरदार नादिया कुछ अलग होगा। प्रियंका ने 1 से लेकर 15 तक तस्वीरें और छोटे वीडियो शेयर किए हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने अपने बचपन की तस्वीर और अपने करियर के शुरुआती दौर की एक तस्वीर का एक थ्रोबैक कोलाज साझा किया था।

न्याय की देवी का नया स्वरूपः आंखों से पट्टी हटाई, हाथ में तलवार की जगह अब संविधान

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत की न्याय व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने ब्रिटिश काल के प्रतीक से आगे बढ़ते हुए न्याय की देवी की मूर्ति का नया रूप प्रस्तुत किया है। अब न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी नहीं होगी और उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान दिखाई देगा। इस बदलाव की पहल देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने की है, जिनका मानना है कि कानून अंधा नहीं होता, बल्कि सभी को समान रूप से देखता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह संदेश दिया है कि भारत की न्यायपालिका अब कानून अंधा है जैसी पुरानी मान्यताओं से आगे बढ़ चुकी है। यह अब संविधान और कानून की स्पष्टता के आधार पर काम करेगी, ताकि सभी को निष्पक्ष और सटीक न्याय मिल सके।

सीजेआई चंद्रचूड़ का मानना है कि अब वक्त आ गया है कि हम अंग्रेजी विरासत से आगे बढ़ें। उनके अनुसार, तलवार हिंसा का प्रतीक है, जबकि अदालतें हिंसा से नहीं, बल्कि संविधान के आधार पर न्याय करती हैं। इसलिए उन्होंने मूर्ति में तलवार की जगह संविधान रखने का निर्णय लिया। उन्होंने यह भी कहा कि कानून अंधा नहीं हो सकता। उसे सब कुछ देखना होता है, तभी निष्पक्ष न्याय हो सकता है।सीजेआई दफ्तर के सूत्रों के मुताबिक, चंद्रचूड़ चाहते थे कि भारत की न्याय प्रणाली अब अंग्रेजों की बनाई परंपराओं से हटकर अपने संविधान और मूल्यों के अनुसार काम करे। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि लोगों को यह संदेश दिया जाए कि देश की न्याय व्यवस्था संविधान के अनुसार न्याय करती है, न कि हिंसा के प्रतीक के आधार पर। न्याय की देवी का इतिहास प्राचीन यूनान से जुड़ा है। यूनान में इन्हें जस्टिया कहा जाता था, और इन्हीं के नाम से जस्टिस शब्द बना। ब्रिटिश काल में 17वीं शताब्दी के दौरान एक अंग्रेज अधिकारी भारत में यह मूर्ति लेकर आए। अंग्रेजों ने इसे अपने न्यायालयों में इस्तेमाल करना शुरू किया और यह मूर्ति भारत के न्यायालयों का भी हिस्सा बन गई। आजादी के बाद भी इस मूर्ति को स्वीकार कर लिया गया, लेकिन अब इसे बदलने का वक्त आ गया है।

संशय हुआ दूर, अब 31 अक्टूबर को ही पूरे देश में मनाई जाएगी दीपावली

नई दिल्ली,(ईएमएस)। इस साल देशभर में 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई जाएगी। काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट, काशी विद्वत परिषद और पंचांगकारों ने दीपावली की तिथि को लेकर संशय को दूर कर दिया है। 31 अक्टूबर को अपराह्न 3:52 बजे अमावस्या की शुरुआत होगी, जो एक नवंबर शाम 5:13 बजे तक रहेगी। इस दिन प्रदोष काल के दौरान रात में अमावस्या का योग बन रहा है, जो दीपोत्सव के लिए शुभ मुहूर्त है। दीपावली हमेशा प्रदोष काल में ही मनाई जाती है और 31 अक्टूबर को 2.24 घंटे का प्रदोष काल है, जो शाम से रात तक रहेगा। एक नवंबर को कुछ हिस्सों में प्रदोष काल 10 मिनट से लेकर 60 मिनट तक रहेगा, जो शास्त्रों के मुताबिक पर्याप्त नहीं है। इसलिए, 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई जाएगी। पश्चिमी राज्यों में दो दिनों की अमावस्या का भ्रम ज्योतिष विभाग ने बताया कि राजस्थान, गुजरात और केरल के पंचांगों में दो दिनों की अमावस्या का उल्लेख था। इस वजह से है कि इन राज्यों में सूर्यास्त भारत के बाकी हिस्सों से थोड़ा देर से होता है। लेकिन 31 अक्टूबर को पूरे देश में अमावस्या प्रदोष काल में आएगी, जो दीपावली मनाने के लिए उपयुक्त समय और शुभ मुहूर्त है। काशी विद्वत परिषद, बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय और अन्य पंचांगकारों ने कहा कि प्रधानमंत्री पीएम मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया जाएगा कि पूरे देश में 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई जाए। अब इस संबंध में कोई भ्रम नहीं रह गया है और सभी पंचांगकारों ने इस तिथि को दीपावली के लिए अंतिम रूप से स्वीकार किया है।

नागरिकता कानून की धारा 6A को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला : असम में अप्रवासियों को नागरिकता देने वाला कानून वैध

सीजेआई बोले- यह राजनीतिक समाधान था, जो कानून बना; जस्टिस सूर्यकांत बोले- जियो और जीने दो

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने सिटिजनशिप एक्ट की धारा 6A की वैधता को बरकरार रखा है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की कॉन्स्टीट्यूशन बेंच ने इस पर गुरुवार को फैसला सुनाया। बेंच में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे। फैसला पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सहित चार जजों ने सहमति जताई है। वहीं जस्टिस जेबी पारदीवाला ने असहमति जताई। दरअसल सिटिजनशिप एक्ट की धारा 6A को 1985 में असम समझौते के दौरान जोड़ा गया था। इस कानून के तहत जो बांग्लादेशी अप्रवासी 1 जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 तक असम आए हैं वो भारतीय नागरिक के तौर पर खुद को रजिस्टर करा सकते हैं। हालांकि, 25 मार्च 1971 के बाद असम आने वाले विदेशी भारतीय नागरिकता के लायक नहीं हैं। इस कानून पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- हम धारा 6A की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। हम किसी को अपने पड़ोसी चुनने की अनुमति नहीं दे सकते और यह उनके भाईचारे के सिद्धांत के खिलाफ है। हमारा सिद्धांत है जियो और जीने दो।

कोर्ट रूम लाइवः

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए क्या कहा...

सीजेआईः असम समझौता बढ़ते प्रवास के मुद्दे का राजनीतिक समाधान था। इसमें जोड़ी गई धारा 6ए कानूनी समाधान था।

सीजेआईः केंद्र सरकार इस कानून को अन्य क्षेत्रों में भी लागू कर सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया, क्योंकि वहां असम जैसी परिस्थितियां नहीं थीं। असम में जो लोग आए उनकी संस्कृति पर असम का प्रभाव था।

सीजेआईः धारा 6ए के खिलाफ याचिकाकर्ता ने जो दलील दी कि, एक जातीय समूह दूसरे जातीय समूह की उपस्थिति के कारण अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम नहीं है। उन्हें इसे साबित करना होगा। धारा 6A को केवल इसलिए असंवैधानिक नहीं माना जा सकता, क्योंकि इसमें रजिस्ट्रेशन का प्रोसेस निर्धारित नहीं किया गया है। यह गलत है। इसलिए मैं भी इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं, धारा 6A वैध है।

जस्टिस सूर्यकांत ने फैसला सुनाते हुए क्या कहा...

जस्टिस कांतः हमने भी धारा 6A की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। हम किसी को अपने पड़ोसी चुनने की अनुमति नहीं दे सकते और यह उनके भाईचारे के सिद्धांत के खिलाफ है। हमारा सिद्धांत है जियो और जीने दो।

जस्टिस कांतः एक बार जब अप्रवासी भारत के नागरिक बन गए तो वे भारत के संविधान द्वारा शासित हो गए। यह उन्हें हमारे देश के कानूनों का पालन करने से मुक्त नहीं करता है।

जस्टिस कांतः हमने यह दलील भी खारिज कर दी है कि 6ए कानून मनमानी से बनाया गया। 1966 से पहले और 1966 के बाद तथा 1971 से पहले आए प्रवासियों के लिए स्पष्ट रूप से परिभाषित शर्तें हैं।

जस्टिस कांतः हमने माना है कि याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर पाए हैं कि अप्रवासियों के आने से असमिया संस्कृति और भाषा पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ा है। हम यह स्वीकार नहीं कर सकते कि असमिया लोगों के मतदान के अधिकार पर कोई प्रभाव पड़ा है। याचिकाकर्ताओं ने अपने वैधानिक अधिकारों के किसी भी उल्लंघन का दावा नहीं किया है।

जस्टिस पारदीवाला ने असहमति जताते हुए क्या कहा...

जस्टिस पारदीवालाः धारा 6ए राजनीतिक समझौते को कानूनी मान्यता देने के लिए लाई गई थी।

जस्टिस पारदीवालाः इस कानून के मुताबिक नागरिकता लेने वाले अप्रवासियों को 10 साल तक वोट डालने का अधिकार नहीं था। इसका मतलब है कि इस समझौते का सिर्फ नागरिकता प्रदान करना उद्देश्य नहीं था। यह वास्तव में असम के लोगों को शांत करने के लिए था कि इस तरह के समावेश से राज्य में होने वाले आगामी चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

मैरिटल रेप पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाईः सीजेआई बोले- कानून के मुताबिक पत्नी के साथ एनल सेक्स रेप नहीं

याचिकाकर्ता ने कहा- इसी को चुनौती

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई कर रहा है। याचिकाओं में कहा गया है कि क्या किसी व्यक्ति को अपनी पत्नी को संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के लिए कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा- अपवाद 2 कहता है कि पत्नी के साथ एनल सेक्स रेप नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, हम इसी को चुनौती दे रहे हैं।

कोर्ट रूम लाइव...

सीजेआईः जब पत्नी 18 साल से कम की होती है, तो यह रेप है और जब यह 18 साल से अधिक की होती है, तो यह नहीं है। यही बीएनएस और आईपीसी में अंतर है।

एडवोकेट नंदीः यदि पति एनल सेक्स करता है। तो उसे अपवाद 2 के तहत छूट दी जाती है, जबकि यह 'यौन क्रिया' नहीं है।

सीजेआईः कानून कहता है कि चाहे वजाइनल सेक्स हो या एनल सेक्स। जब तक यह विवाह के भीतर किया जाता है, तब तक यह बलात्कार नहीं होगा।

एडवोकेट नंदीः धारा 63 ए यह भी कहती है कि यदि कोई पुरुष किसी अन्य पुरुष का लिंग किसी महिला की योनि, मुंह आदि में इंसर्ट कराता है तो वह भी बलात्कार होगा।

सीजेआईः लेकिन यह अपवाद के अंतर्गत नहीं आएगा।

जस्टिस पारदीवालाः यौन क्रिया शब्द को सही तरीके से परिभाषित नहीं किया गया है? मान लीजिए कि कोई पति पत्नी को किसी अन्य पुरुष के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है तो क्या वह अपवाद 2 के अंतर्गत आएगा? नहीं, वह नहीं आएगा।

एडवोकेट नंदीः वह आएगा

सुप्रीम कोर्टः नहीं, यह गलत व्याख्या है।

सीजेआईः अपवाद 2 को अगर निरस्त करते हैं तो आपको हमें यह बताना होगा कि क्या हम इसे एक अलग अपराध मान रहे हैं।

एडवोकेट नंदीः यदि किसी महिला के साथ पति, अजनबी या तलाकशुदा पति द्वारा जबरन संबंध बनाया जाता है तो यह रेप ही है। अगर लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला के साथ बिना सहमति सेक्स किया जाता है तो यह भी रेप है। लेकिन अगर कोई विवाहित महिला के साथ ऐसा होता है तो यह रेप क्यों नहीं?

मैरिटल रेप का मामला सुप्रीम कोर्ट कैसे पहुंचा मैरिटल रेप को लेकर नए कानून बनाने की मांग काफी समय से हो रही थी। पिछले दो सालों में दिल्ली हाईकोर्ट और कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद इसकी मांग और तेज हो गई। सुप्रीम कोर्ट में दो मुख्य याचिकाएं हैं, जिन पर सुनवाई हो रही है। एक याचिका पति की तरफ से लगाई गई, तो दूसरी अन्य मामले में एक महिला ने याचिका दायर की थी।

दिल्ली हाईकोर्ट का मामलाः साल 2022 में एक महिला ने पति द्वारा जबरन शारीरिक संबंध बनाने पर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई। 11 मई 2022 को दिल्ली हाईकोर्ट के 2 जजों ने अलग-अलग फैसला दिया था। जस्टिस राजीव शकधर ने वैवाहिक बलात्कार के अपवाद को रद्द करने का समर्थन किया था। वहीं, जस्टिस सी हरि शंकर ने कहा कि पति को मिली छूट असंवैधानिक नहीं है और एक समझदार अंतर पर आधारित है।

उत्तराखंड में सख्तीः खाने में थूकने वालों को भरना होगा एक लाख का जुर्माना

देहरादून(ईएमएस)। खाने में थूकने या थूक मिला खाना परोसने के तमाम मामले सामने आ चुके हैं। इसके कई बार वीडियो भी वायरल हुए है। जिसमें से कुछ फेक निकले हैं तों कुछ सही पाए गए और उन पर प्रकरण दर्ज भी किए गए। इसी बीच उत्तराखंड सरकार ने इन मामलों पर कसावट का फैसला किया है। यदि इस तरह की हरकत सामने आई तो एक का जुर्माना परना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा ऐसी घटनाओं पर चिंता जताए जाने के कुछ दिनों बाद राज्य पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने अलग-अलग दिशानिर्देश जारी किए और कहा कि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिशानिर्देशों में कहा गया है कि होटल और ढाबों जैसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले लोगों का 100 प्रतिशत वैरिफिकेशन किया जाना चाहिए, साथ ही व्यापार प्रबंधकों को अपनी रसोई में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जिला पुलिस को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, खोखे और पुशकार्ट जैसी खुली जगहों पर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए वे स्थानीय खूफिया यूनिट की मदद ले सकते हैं।दिशानिर्देशों में कहा गया है कि गश्त के दौरान इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि स्वास्थ्य और खाद्य विभाग, नगर निगम/जिला पंचायत, नगर परिषदों और स्थानीय लोगों के समन्वय से एक जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाना चाहिए।स्वास्थ्य सचिव और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त आर राजेश कुमार ने एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी की, जिसमें अपराधियों के खिलाफ 25,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक के जुर्माने सहित सख्त कार्रवाई का आदेश दिया गया है।कुमार ने कहा कि देहरादून और मसूरी में होटलों और ढाबों जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों में थूकने की घटनाओं के वीडियो का संज्ञान लेते हुए और मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।इधर मंगलवार को, पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने कहा कि वह थूकने या किसी अन्य मानव अपशिष्ट को मिलाकर भोजन को प्रदूषित करने को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध बनाने के लिए दो अध्यादेश लाएगी।

बता दें कि हाल ही में मसूरी में दो लोगों को पर्यटकों को जूस परोसने से पहले गिलासों में कथित तौर पर थूकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा देहरादून से एक वीडियो भी वायरल हुआ था जिसमें एक रसोइये को रोटी के लिए आटा बनाते समय कथित तौर पर थूकते हुए देखा जा सकता है।स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि आने वाले त्योहारी सीजन के दौरान खाने की सुरक्षा और शुद्धता उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रावत ने कहा, त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अशुद्धता या असामाजिक गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने अपराधियों को मुख्यमंत्री की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस प्रमुखों को दिशानिर्देश जारी किए। प्रावधानों के मुताबिक पुलिस होटलों और ढाबों पर रैंडम चेकिंग के लिए स्वास्थ्य और खाद्य विभाग की मदद भी ले सकती है। डीजीपी ने कहा कि अपराधियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 274 (बिक्री के लिए खाद्य और पेय पदार्थों में मिलावट) और उत्तराखंड पुलिस अधिनियम की धारा 81 (सार्वजनिक उपद्रव पैदा करने, जानबूझकर अफवाह फैलाने या गलत अलार्म पैदा करने के लिए बिना वारंट के गिरफ्तारी) के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा : राहुल गांधी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार का गठन हो गया है। उमर अब्दुल्ला ने सीएम पद पर विरामान हो गए हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई बड़े नेता उनके शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। कांग्रेस का कहना है कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह सरकार में शामिल नहीं होगी।

जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद पहली निर्वाचित सरकार है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उमर अब्दुल्ला को सीएम बनने पर बधाई दी। राहुल गांधी ने कहा कि बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा लगता है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर के लोगों से लोकतंत्र छीन लिया गया था। उन्होंने वादा किया कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा-आज हम पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने तक अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराते हैं।

उमर अब्दुल्ला ने राहुल गांधी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के साथ राहुल गांधी की मौजूदगी से उन्हें और उनके परिवार को बहुत प्रोत्साहन मिला। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के लोग आपकी ओर देख रहे हैं। हमें अपना राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए आपके समर्थन की जरूरत है। प्रियंका गांधी के साथ आपकी उपस्थिति ने हमें बहुत प्रोत्साहन दिया और परिवार को वास्तव में आप दोनों के साथ कुछ समय बिताकर खुशी हुई। कांग्रेस के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस इस बात से नाखुश है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। हम नाखुश हैं, इसलिए हम फिलहाल सरकार में शामिल नहीं हो रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई। जम्मू-कश्मीर की जनता को आपके वोट की ताकत से न्याय और लोकतंत्र की आवाज बुलंद करने के लिए धन्यवाद। भविष्य के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा, इंडिया गठबंधन सरकार लोगों के लंबित अधिकारों को बहाल करने के साथ-साथ अपने सभी वादों और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम करेगी।

करंट दौड़ते ही कूदे लोग, हादसे में चार की मौत, पांच घायल, सीएम योगी ने जताया शोक

लखनऊ,(ईएमएस)। मथुरा में एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों को समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है। योगी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक मथुरा में गुरुवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में चार मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए हैं। मृतकों में दो महिला और दो बच्चे भी शामिल हैं। सभी मृतक और घायल बिहार के गया जिले के रहने वाले हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में पड़ने लगी हल्की ठंड

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में दिन में तेज धूप और शाम होने के साथ ही हल्की-हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। वहीं यूपी, बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा और पंजाब में सुबह-शाम ठंड पड़ने लगी है और हल्की धुंध भी छाने लगी है। हालांकि पंखे अभी भी चल रहे हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले हफ्ते दिन के तापमान में और गिरावट आएगी। गुरुवार को दिल्ली समेत उत्तर भारत में मौसम सामान्य रहेगा। सुबह-शाम ठंड का अहसास होगा। दिल्ली में 17 से 21 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री के आसपास रहेगा। वहीं दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में अभी भी कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें आंध्र प्रदेश के अलावा बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगर शामिल हैं।

तमिलनाडु में चेन्नई समेत अन्य जगहों पर भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। कॉलोनियों से लेकर सड़कों तक पानी भर गया है। सड़क से लेकर ट्रेन और हवाई यातायात व्यवस्था चरमरा गई हैं। कई ट्रेनें और उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिन राज्य में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार को भी रानीपेट और वेल्लोर समेत अन्य उत्तरी जिलों में भी बारिश हो हो सकती है। चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों में गुरुवार को भारी बारिश की संभावना है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 19 अक्टूबर तक होंगे रजिस्ट्रेशन

मुंबई,(ईएमएस)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। इसके बाद महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मुंबई में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आयोग ने कहा कि राज्य के सभी मतदाताओं से आग्रह है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम जरुर देखें। यह घोषणा की गई कि पात्र नागरिक जिन्होंने अभी तक मतदाता के रूप में पंजीकरण नहीं कराया है, वे 19 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं।

लोकसभा चुनाव में कई मतदान केंद्रों पर फैली अव्यवस्था को देखते हुए संबंधितों को विधानसभा चुनाव में एहतियाती कदम उठाने के निर्देश जारी किए हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर पेयजल, बिजली आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, विकलांगों के लिए रैंप की व्यवस्था, व्हीलचेयर जैसे प्रावधान उपलब्ध कराए जाएंगे।

आयोग ने बताया कि 2011 की जनगणना के मुताबिक प्रति 1000 पुरुषों पर 929 महिलाएं थीं। इसकी तुलना में 2019 में मतदाता सूची में महिलाओं की संख्या 925 थी। आयोग के मुताबिक महिला मतदाता पंजीकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के बाद 2024 में प्रति 1000 पुरुषों पर 936 महिलाएं थीं। 1,181 आवासीय परिसरों में मतदान केंद्र पिछले साल आवासीय परिसर में शुरू किए गए मतदान केंद्र को लेकर चुनाव आयोग को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस साल राज्य में 1,181 हाउसिंग सोसायटी के परिसरों में मतदान केंद्र बनाए गए हैं। आयोग ने बताया कि स्लम इलाकों में 210 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे।

आचार संहिता के बावजूद लिए कई बड़े फैसले, शिंदे सरकार पर संकट

महाराष्ट्र में महायुति सरकार ने सरकारी फैसलों की धज्जियां उड़ाई थीं। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता की घोषणा के बाद भी फैसलों का सिलसिला जारी रहा। घोषित किए गए 200 से ज्यादा सरकारी फैसलों में से कई आचार संहिता लागू होने के बाद जारी किए गए। अब इसे महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने घोषणा की कि इस संबंध में जांच कराई जाएगी। वहीं, आयोग महायुति की ओर से इस्तेमाल किए गए वोट जिहाद शब्द की भी जांच करेगा।

महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मुंबई में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बाद दिनभर राज्य सरकार की ओर से सरकारी फैसले जारी किए गए। आयोग ने बताया है कि इसमें विधायकों को फंड आवंटन से जुड़े अध्यादेश और कई अन्य प्रशासनिक स्वीकृतियां शामिल हैं। इसलिए दोपहर 3.30 बजे के बाद जो भी सरकारी फैसले घोषित किए गए, उनकी जांच की जाएगी कि क्या यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है।

वोट जिहाद जैसे सांप्रदायिक शब्दों के इस्तेमाल पर मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि मंगलवार से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। अगर कुछ नेता ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। यदि हमें कोई शिकायत मिलती है, तो हम कानूनी तंत्र के भीतर इसकी जांच करेंगे और रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

बता दें विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता की घोषणा होने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से कई सरकारी फैसले किए गए। जैसे ही चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से इस बारे में पूछा तो सरकार ने सभी फैसले वेबसाइट से हटा दिए। अखबारों में टेंडर भी जारी हो चुके हैं। इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की गई है। ऐसा माना जा रहा है कि आयोग इस पर कार्रवाई करेगा।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 6

रांची, शुक्रवार, 18 अक्टूबर, 2024

www.koylanchalsamvad.com

मौजूदा राजनीति- कहीं पे निगाहें... कहीं पे निशाना

आज जब देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान चल रहा है, इस दौर में मुझे एक बहुत पुराने फिल्मी नगमें की शीर्ष पंक्तियां याद आ रही है... वह नगमा था- 'कहीं पे निगाहें, कहीं पे निशाना... जीने दो जालिम बनाओं न दीवाना..' इस नगमें की प्रथम पंक्ति भारतीय जनता पार्टी के लिए है, तो दूसरी पंक्ति सदस्यता ग्रहण करने वाली जनता के लिए है, अर्थात् इस सदस्यता अभियान का मूल मकसद भाजपा को अपनी सत्ता को बरकरार रखना है, तो सदस्यता ग्रहण करने वाली जनता का कहना है कि इस कठिन दौर में जबकि जीना भी मुश्किल हो रहा है, ऐसे में ऐसी राजनीति किसके हित में है? क्योंकि सदस्यता अभियान तो एक सामान्य अभियान है, जो अनवरत जारी रहता है, फिर विशेष रूप से अभियान बनाकर चलाने की क्या जरूरत है। इसी दौर के सन्दर्भ में मुझे भाजपा के वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय गृहमंत्री श्रीयुत अमित शाह जी का वह कथन याद आ रहा है, जब उन्होंने कहा था कि- ''स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष अर्थात् 2047 तक देश पर भाजपा ही राज करेगी और उसे कोई भी उसके इस इरादे से डिगा नही पाऐगा।'' अब शाह साहब के इस कथन को जिस जरिये से भी देखना हो, जनता व अन्य राजनीतिक दल देखें, किंतु मौजूदा हालात में तो उनके इस कथन की सत्यता पर शंका नही की जा सकती, फिर यह तो कुलटा राजनीति है, कब किसका साथ दे दे, कुछ नही कहा जा सकता।

आज मुझे सहज ही यह पुराना फिल्मी नगमा इसलिए भी याद आ गया, क्योंकि देश में भाजपा का सदस्यता अभियान जारी है और नए सदस्यों को सदस्यता ग्रहण करने के लिए कई तरह के रंगीन सपनें दिखाए जा रहे है, अब यहां सबसे अहम् सवाल यह है कि आखिर इसी समय यह अभियान चलाना जरूरी क्यों समझा गया? इसके पीछे की रहस्यमयी तथ्य यह है कि भाजपा ने पिछले दिनों ''मोदी राज के एक दशक'' को लेकर देश में एक गुप्त सर्वेक्षण करवाया था, जिसमें मोदी की लोकप्रियता का मीटर जानने की कौशिश की गई थी, इस सर्वेक्षण का परिणाम गोपनीय इसलिए रखा गया, क्योंकि भाजपा की आशा के अनुरूप परिणाम सामने नही आ पाया था, इसमें यह सामने आया की मोदी की लोकप्रियता दिनों-दिन घटती जा रही है, जो इन दिनों राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव परिणामों में स्पष्ट नजर आ रही है। अतः इस सदस्यता अभियान के माध्यम से एक ओर जहां मोदी की लोकप्रियता का सही आंकड़ा सामने आ जाएगा, वहीं भाजपा को अपने भविष्य के बारे में सही स्थिति भी पता चला जाएगी। इस सर्वेक्षण के परिणामों से अब भाजपा सचेत हो गई है और वह सदस्यता अभियान के माध्यम से यह जानना चाहती है कि देश की जनता का कितना प्रतिशत उसके साथ है तथा क्षेत्रीय दलों की राज्यों में क्या स्थिति है।

अब इस सर्वेक्षण रूपि सदस्यता अभियान का परिणाम क्या सामने आता है? भाजपा उससे खुश होती है या उदास, यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु यह सही है कि भाजपा को अपनी ही नब्ज टटोलने में सफलता अवश्य मिल जाएगी और उसका भविष्य भी साफ-साफ नजर आ जाएगा। यहां यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि भाजपा का इस सर्वेक्षण के पीछे देश की सत्तारूढ़ पार्टी की सही नब्ज टटोलना और उसकी खामियां दूर करना भी है, क्योंकि मोदी जी के पहले डॉ. मनमोहन सिंह की एक दशक पुरानी सरकार थी, जो 2014 में पुनः सत्तारूढ़ नही हो पाई, यद्यपि भाजपा के लिए यह सुखद अवसर है, जब उसकी सरकार के एक दशक बाद भी वह पुनः सत्तारूढ़ है, किंतु भाजपा की इस जीत को उसकी स्वयं की लोकप्रियता से नही बल्कि मतदाता की मजबूरी से जोड़कर देखा जाना चाहिए, विकल्प के अभाव ने भाजपा को पुनः सत्तारूढ़ किया है, यह बात भाजपा को हमेशा ध्यान में रखना ही भाजपा के हित में होगा।

न्याय की गांन्धारी की आँखों से पट्टी का हटना सुखद (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

| कहते हैं की जो होता है सो अच्छा ही होता है। भारत में न्यायपालिका का प्रतीक चिन्ह आँखों पर पट्टी बंधे हाथ में तलवार लिए एक स्त्री का चित्र था। इसे न्याय की देवी कहा और माना जाता है ,क्योंकि न्याय देने का काम शायद देवता नहीं कर पाते हैं। न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी शायद इसलिए बंधी गयी होगी ताकि वो नीर-क्षीर विवेक से न्याय कर सके,हाथ में तलवार शायद इसीलिए दी गयी होगी ताकि वो निर्ममता से दंड दे सके,लेकिन अब उसकी आँखों से पट्टी भी हटा दी गयी है और हाथ से तलवार भी छीन ली गयी है। न्याय की देवी के हाथों में उस संविधान की प्रति पकड़ा दी गयी है जो हाल के आम चुनाव में कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी और बाकी का विपक्ष लेकर घूम रहा था। कहते हैं कि न्याय के प्रतीक को बदलने की सारी कवायद के पीछे देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ हैं। उनके निर्देशों पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। न्याय कि देवी कि नयी प्रतिमा सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है। पहले जो न्याय की देवी की मूर्ति होती थी. उसमें उनकी दोनों आंखों पर पट्टी बंधी होती थी. साथ ही एक हाथ में तराजू जबकि दूसरे में सजा देने की प्रतीक तलवार होती थी। ये बदलाव हालाँकि सांकेतिक ही है लेकिन है अच्छा। इस फैसले पर मौजूदा सरकार की सोच भी परिलक्षित होती है। आपको याद होगा कि हमारी मौजूदा सरकार को आजकल सब कुछ बदलने का भूत सवार है। शहरों,स्टेशनों के नाम ही नहीं बल्कि अंग्रेजों के जमाने के तमाम क़ानून भी बदले गए हैं। ऐसे में न्यायपालिका क्यों पीछे रहे ? इसीलिए अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश काल को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं ह। क़ानून को अंधा होना भी नहीं चाहिए।दुर्भाग्य से देश में आज भी तमाम क़ानून अंधे हैं।

मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य नयायधीश को ये विचार या प्रेरणा पिछले दिनों गणेशोत्स्व पर प्रधानमंत्री जी के साथ गणेश पूजन के बाद मिली। शुरुआत अच्छी है। हम सब इसका स्वागत करते है। इस समय जिस भी व्यवस्था की आँखों पर पट्टी बंधी हो उसे हटाने की जरूरत है। आँखों पर पट्टी का बंधा होना जहाँ नीर-क्षीर विवेक का प्रतीक माना जाता रहा है वहीं इसे जानबूझकर आअंखें बंद करने का प्रतीक भी माना जाता है। द्वापर में गांधारी ने अपनी आँखों पर पट्टी अपने पति प्रेम के चलते बाँधी थी ,लेकिन उसका क्या परिणाम हुआ ,पूरी दुनिया जानती है। दुनिया न भी जानती हो , लेकिन भारत का बच्चा -बच्चा जानता है। सुप्रीम कोर्ट के इस नवाचार का हम दिल खोलकर स्वागत करते हैं और चाहते हैं कि अब देश में न्यायप्रणाली की आँखें न सिर्फ खुलीं हों बल्कि गंगाजल से धुली भी हो। अभी तक भारतीय न्यायपालिका में देश का भरोसा कायम है यद्दुप न्यायपालिका तमाम आधे-अधूरे फैसलों की वजह से संदिग्ध हुई है तथापि उसे अनेक फैसलों की वजह से पूरा सम्मान भी हासिल है। दुर्भाग्य ये है कि इस समय देश में कार्यपालिका हो या विधायिका,सभी की आँखों पार पट्टी और हाथों में तलवार है। पक्षपात की तलवार। अदावत की तलवार। हमारी सरकार के नियनत्रण में सब कुछ है। न्यायपालिका भी ,क्योंकि इस अंग की नियुक्ति,वेतन-भत्तों तक की व्यवस्था सरकार करती है। सरकार भी अपनी आँखों पर पट्टी बांधकर काम करती है। वो जिस मंजर को नहीं देखना चाहती उसे नहीं देखती। वो जहाँ तलवार चलाने की जरूरत होती है वहां तलवार को हाथ भी नहीं लगाती और जहाँ तलवार नहीं चलना होती वहां तलवार भी चलाती है और आँखों पर बंधी पट्टी भी हटा लेती है। इस बात के उदाहरण नहीं दूंगा,इसका विश्लेषण आपको भी करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ का मानना है कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होना चाहिए; जिससे समाज में ये संदेश जाए कि वो संविधान के अनुसार न्याय करती हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ साहब का मानना है कि तलवार हिंसा का प्रतीक है। जबकि, अदालतें हिंसा नहीं, बल्कि संवैधानिक कानूनों के तहत इंसाफ करती हैं। दूसरे हाथ में तराजू सही है कि जो समान रूप से सबको न्याय देती है। हमें उम्मीद करना चाहिए की जिस तरह से माननीय मुख्य नयायधीश ने अपनी सेवा निवृत्ति से कुछ दिन पहले न्यायपालिका के प्रतीक को बदला है उसी तरह वे जाते-जाते उन सभी संवैधानिक संस्थाओं की आँखों पर बंधी पट्टी और हाथों में ली गयी दृश्य और अदृश्य तलवारों को हटवाने का भी इंतजाम कर जायेंगे। ईडी हो,सीबीआई हो या केंद्रीय चुनाव आयोग हो सबकी आँखों पर पट्टी और हाथों में तलवार है। आज का युग आँखों पर पट्टी बांधकर काम करने का है भी नही। आज के युग में तलवार हाथ में लेकर दुनिया को नहीं चलाया जाता। आज कीदुनिया के हाथों में तलवार की जगह विनाशकारी बम आ गए हैं, मिसाइलें आ गयीं हैं ,जो सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं।

पाकिस्तान के इस्लामाबाद में भारत की हुंकार

> साथियों बात अगर हम भारत के संबोधन में चीन पाकिस्तान पर दो टूक की करें तो,शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पाकिस्तान दौरे पर गये विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी है।एससीओ समिट को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया है। विदेश मंत्री ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। यह जरूरी है कि एससीओ क्रे सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें।

किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के हर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सबकी निगाहें अब भारत को ढूंढती है कि वहां से कौन आया है। एक जमाना था जब भारत को संभवतः कोंनटा मिलता था, जो आज फ्रंट में तब्दील हो गया है! आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस बार 23 वाँ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 15-16 अक्टूबर 2024 को संपन्न हुआ, जिसमें सभी देशों की निगाहें भारत पर थी देखा गया के एससीओ से अलग भारतीय व पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों में कुछ समय गुफ्तगू हुआ जो भारत पाकिस्तान दोनों के अधिकृत एजेंडे, बयानों में नहीं है परंतु मीडिया में इस तरह की खबरें जोर पकड़ रही है, यानें दोनों देशों के संबंध सुधारने की दिशा में शायद एक कदम उठ सकता है। चूँकि भारत नें पड़ोसी के घर में जाकर हुंकार भरी कि अच्छे पड़ोसी संबंधों व विश्वास में गिरावट की परिस्थितियों के करणों का विश्लेषण करना जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत का एससीओ की तीन बुराइयों आतंकवाद अलगाववाद व उग्रवाद का मुकाबला करनें का आगाज़ वाकई सराहनीय कदम है।

साथियों बात अगर हम इस्लामाबाद पाकिस्तान की मेज़बानी में 15-16 अक्टूबर 2024 को आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की करें तो, 23वां शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन हाल ही में समाप्त हुआ। यह शिखर सम्मेलन क्षेत्रीय सहयोग और विकास पर केंद्रित था, जिसमें सदस्य देशों ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। शिखर सम्मेलन के समाप्त होने के बाद, वह इस्लामाबाद से नई दिल्ली आ गए। इस बैठक में भारत और पाकिस्तान के संबंधों पर विशेष ध्यान दिया गया, साथ ही अन्य सदस्य देशों के साथ भारत के व्यापार और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। एससीओ शिखर सम्मेलन में अक्सर क्षेत्रीय स्थिरता, विकास, और सुरक्षा के मुद्दों पर बातचीत होती है, और इस साल के आयोजन ने इन विषयों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया।बता दें कि पाकिस्तान पहुंचे विदेश मंत्री ने 16 अक्टूबर को एससीओ समिट को संबोधित करते हुए पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। यह जरूरी है कि सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें, इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए, न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए।विदेश मंत्री ने सीपीईसी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर हम दुनियाँ की चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाएंगे खासकर व्यापार और व्यापारिक मार्गों के लिए तो एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। बता दें कि सीपीईसी को लेकर भारत की चिंता है कि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इस क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न अंग मानता है। बता दें विदेश मंत्री एस जयशंकर ऐसे पहले विदेश मंत्री हैं जो 9 साल में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर गए हैं।इससे पहले 2015 में सुषमा स्वराज ने विदेश मंत्री के रूप में पाकिस्तान का दौरा किया था।पाकिस्तान में एससीओ समिट ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव है। ऐसे में विदेश मंत्री का इस सम्मेलन में शिरकत के लिए जाना काफी अहम है। भारत के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में एससीओ की बैठक में हिस्सा लेकर बुधवार देर शाम तक नई दिल्ली लौट आए। जयशंकर तकरीबन 24 घंटे पाकिस्तान की राजधानी में रहे, इस दौरान उन्होंने दो बार पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से हाथ मिलाया, पीएम शरीफ की तरफ से आयोजित रात्रि भोज में हिस्सा लिया और दोपहर के भोज में जयशंकर की शरीफ के साथ अनौपचारिक बातचीत भी हुई। हालांकि, इसे दोनों देशों के बीच संबंध में बड़े सुधार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

साथियों बात अगर हम भारत के संबोधन में चीन पाकिस्तान पर दो टूक की करें तो,शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पाकिस्तान दौरे पर गये विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी है।एससीओ समिट को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया है।

विदेश मंत्री ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। यह जरूरी है कि एससीओ क्रे सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें। इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए, न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि हम दुनियाँ की चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाएंगे खासकर व्यापार और व्यापारिक मार्गों के लिए तो एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। बता दें कि सीपीईसी को लेकर भारत की चिंता है कि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इसे क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न हिस्सा मानता है।विदेश मंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा कि एससीओ का प्राथमिक लक्ष्य आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद का मुकाबला करना है। वर्तमान समय में ये और भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए ईमानदार बातचीत, विश्वास, अच्छे पड़ोसी और एससीओ चार्टर के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। एससीओ को इन तीन बुराइयों का मुकाबला करने में दृढ़ और संकल्पित होने की आवश्यकता है।

जम्मू - कश्मीर में अब्दुल्ला सरकार की राहें बड़ी कठिन

> कांग्रेस की राजनीतिक चाल ने कश्मीर की नई सरकार के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं. कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन तो दिया है लेकिन समर्थन बाहर से दिया है, बाहर से समर्थन देने का मतलब है कि कांग्रेस मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगी. कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इसकी कई वजहें हो सकती है. जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बावजूद कांग्रेस उमर अब्दुल्ला की सरकार में शामिल नहीं हुई है. कांग्रेस की तरफ से अब्दुल्ला कैबिनेट में कोई भी मंत्री नहीं बना है. वो भी तब, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुद श्रीनगर जाकर सरकार के शपथग्रहण में शामिल हुए हैं.

दिलीप कुमार पाठक

धारा 370 खत्म होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित बने जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री होंगे. हालांकि, उमर अब्दुल्ला के लिए राह उतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर का पावर गेम बहुत बदल गया है.. और जम्मू - कश्मीर की राजनीति के लिए यह सबसे अहम पहलू है. उमर अब्दुल्ला पहले भी जनवरी 2009 से जनवरी 2014 तक जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं. उन्हें मुख्यमंत्री होने का तजुर्बा भी है, लेकिन तब और अब में बहुत फर्क है. उमर अब्दुल्ला को एक स्वतंत्र राज्य का सीएम होने का अनुभव है, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश का सीएम होने का तजुर्बा नहीं है. जब उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य हुआ करता था और अब ये केंद्र शासित प्रदेश है. तब जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल 6 साल का था, अब बाकी राज्यों की तरह ही 5 साल होगा. तब राज्य से जुड़े फैसले लेने की सारी शक्तियां विधानसभा और मुख्यमंत्री के पास होती थीं, सारे के सारे कानून बनाने की शक्तियां सीएम के पास होती थीं, लेकिन अब काफी हद तक सारा कंट्रोल उपराज्यपाल के हाथ में होगा. और प्रमुख बात सारा का सारा कंट्रोल केंद्र सरकर के पास होगा, जो उमर अब्दुल्ला के लिए परेशानी का सबब बनने वाला है. मोदी सरकार का स्वभाव वैसे भी राज्यों में दखल देने का रहा है. जम्मू - कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा करने वाली मोदी सरकार ने आजतक बहाल नहीं किया है, जबकि यह निर्णय केंद्र सरकार के अधीन होता है. देखना दिलचस्प होने वाला है कि मोदी सरकार पूर्ण राज्य का दर्जा देती है या लटकाए रहती है, क्योंकि जम्मू - कश्मीर में हालात कैसे रहेंगे इस नव गठित सरकर के हाथ में भी रहने वाला है.

2019 में धारा 370 खत्म होने के बाद अब जब जम्मू-कश्मीर की स्थिति काफी बदल चुकी है, लेकिन यह भी तय है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल के बीच तनातनी होती रहती है, उसी तरह की तनातनी जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिल सकती है. तभी तो कुछ दिन पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक कटाक्ष किया था अगर हाफ स्टेट में सरकार चलाने में दिक्कत आए तो उमर अब्दुल्ला मुझसे सलाह ले सकते हैं. क्योंकि अरविंद केजरीवाल पिछले दस सालों से केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, सीएम केजरीवाल के कटाक्ष के मायने इसलिए भी हैं क्योंकि कोर्ट से कुछ शक्तियां मुख्यमंत्री को मिली थीं, लेकिन मोदी सरकार उसके विरुद्ध अध्यादेश ले आई थी.

ऐसे ही 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक संरचना भी पूरी तरह से बदल गई है और अब वहां सरकार से ज्यादा बड़ी भूमिका उपराज्यपाल की हो गई है. 2019 का कानून कहता है कि पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर जम्मू-कश्मीर विधानसभा बाकी सभी मामलों पर कानून बना सकती है. लेकिन एक पेच भी है. अगर राज्य सरकार राज्य सूची में शामिल किसी विषय पर कानून बनाती है तो उसे इस बात का ध्यान रखना होगा कि इससे केंद्रीय कानून पर कोई असर न पड़े. इसके अलावा, इस कानून में ये भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी बिल या संशोधन विधानसभा में तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक उपराज्यपाल ने उसे मंजूरी न दे दी हो. अब जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल ही एक तरह से सबकुछ है. सरकार को भले ही पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर बाकी मामलों में कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन उसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी जरूरी होगी. इतना ही नहीं, उपराज्यपाल का नौकरशाही और एंटी-करप्शन ब्यूरो पर भी नियंत्रण होगा. इसका मतलब हुआ कि उपराज्यपाल सरकारी अफसरों का ट्रांसफर और पोस्टिंग उपराज्यपाल की मंजूरी से होगा. इसके अलावा, उपराज्यपाल के किसी भी काम की वैधता पर इस आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता कि उन्हें ऐसा करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए था या उन्होंने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया था. उनके किसी फैसले को अदालत में इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि उन्होंने फैसला लेते वक्त मंत्री परिषद की सलाह ली थी या नहीं ली थी. अतः बदल चुके जम्मू - कश्मीर के मुख्यमंत्री की राहें आसान नहीं रहने वाली..

कांग्रेस की राजनीतिक चाल ने कश्मीर की नई सरकार के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं. कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन तो दिया है लेकिन समर्थन बाहर से दिया है, बाहर से समर्थन देने का मतलब है कि कांग्रेस मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगी. कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इसकी कई वजहें हो सकती है. जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बावजूद कांग्रेस उमर अब्दुल्ला की सरकार में शामिल नहीं हुई है. कांग्रेस की तरफ से अब्दुल्ला कैबिनेट में कोई भी मंत्री नहीं बना है. वो भी तब, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुद श्रीनगर जाकर सरकार के शपथग्रहण में शामिल हुए हैं.कांग्रेस के इस फैसले की अब चर्चा हो रही है कि आखिर पार्टी ने उमर कैबिनेट में अपने कोटे से मंत्री क्यों नहीं दिए? कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी 4 बड़ी वजहें हैं- जम्मू कश्मीर के चुनावी इतिहास में पहली बार कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब है. पार्टी 6 सीटों पर सिमट गई है. ऐसे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस हाईकमान ने पार्टी के किसी विधायक को कैबिनेट में न शामिल कर स्थानीय नेताओं को जमीन पर मेहनत करने का संदेश दिया है. जम्मू कश्मीर में कांग्रेस कोटे से एक भी हिंदू विधायक नहीं जीता है. ऐसे में पार्टी के सियासी समीकरण सध नहीं रहे थे. कश्मीर का मुस्लिम वोटबैंक पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में रहा है. उमर अब्दुल्लाह और उनकी पार्टी 370 को वापस लाने के पक्ष में है. कांग्रेस स्टेटहूड की सिर्फ मांग कर रही है.

बांग्लादेश में हिन्दूओं पर अत्याचार, सख्त कार्रवाई की दरकार

ललित गर्ग

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख श्री मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें। बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छाशक्ति सवालों के घेरे में है। भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है। बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकुल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, ''दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए।

फल एवं सब्जियों का तुड़ाई के बाद भंडारण या प्रबंधन कैसे करें

फल एवं सब्जियों के गलत ढंग से रख-रखाव, परिवहन, भंडारण तथा विपणन के दौरान लगभग 25 से 30 प्रतिशत नष्ट हो जाते हैं। इसलिए यह जरूरी है, कि फसलोत्तर प्रबंधन द्वारा कटाई पश्चात होने वाले इस नुकसान को रोका जाये। लगभग 10 से 15 प्रतिशत ताजे फल एवं सब्जियां सिकुड़ जाती हैं या बासी हो जाती हैं, जिससे उनका बाजार मूल्य और उपभोक्ता मूल्य स्वीकार्यता कम हो जाती हैं। इस नुकसान को कम करके खेती योग्य अतिरिक्त भूमि के बिना इनकी आपूर्ति को बढ़ाया जा सकता है। इस नुकसान को कम करके खेती योग्य अतिरिक्त भूमि के बिना इसकी आपूर्ति को बढ़ाया जा सकता है। फलों एवं सब्जियों को सुरक्षित रखने के उपाय इस प्रकार है, जैसे-

फल एवं सब्जियों हेतु कर्षण क्रियाएं

1. नियमित सिंचाई करे, नियमित सिंचाई करने से टमाटर, गाजर, मूली इत्यादि में फटने की समस्या से बचा जा सकता हैं।
2. कटाई या तुड़ाई से ठीक पहले सिंचाई न करें, इससे उत्पाद की गुणवत्ता और भंण्डारण क्षमता दोनों में सुधार होता है।
3. जमीन के अंदर वाली सब्जियों जैसे- आलू, प्याज, लहसुन इत्यादि में कटाई के 15 से 20 दिन पहले सिंचाई बंद कर देनी चाहिये, जिससे इसकी भंडारण क्षमता बढ़ जाती है।
4. उत्पादक बन्धुओं को तरबूज के पकने के बाद सिंचाई नहीं करनी चाहिए।
5. फलों एवं सब्जियों में आवश्यकता से अधिक नाइट्रोजन का प्रयोग न करें।
6. फल वृक्षों में कटाई-छंटाई करने से फलों का आकार बढता है और घुलनशील ठोस तथा अम्लीयता घटती है।
6. नींबू वर्गीय फलों की फसलोत्तर गुणवत्ता बढाने के लिये टाईफोलिएट औरेंज, टैंगेलो या क्लीयोपत्रा इत्यादि को मूलवृन्त के रूप में काम में लेना चाहिये।
7. फलों की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिये पोटेशियम, मैग्नेशियम व जस्ते का अनुप्रयोग करें।

कटाई से पहले रसायन उपचार

कुछ ऐसे वृद्धि नियामक और निरोधक उपलब्ध हैं जो फलों एवं सब्जियों में कटाई से पहले प्रयोग करने पर उनकी भंडारण क्षमता बढ़ा देते हैं, जैसे-

1. आलू तथा प्याज में कटाई से 15 से 20 दिन पहले मैलिक हाइडरेजाईड की 1.5 से 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर फसल पर छिड़काव करने से भंडारण के दौरान 4 से 5 महीने तक फुटान की समस्या से निजात पा सकते हैं।

2. इसी तरह पत्तेदार सब्जियों के खराब होने से बचाने के लिए एन- 6 बेंजाईन ऐडेमीन का छिड़काव करना चाहिये, जिससे सब्जियों को 2 से 3 दिन ज्यादा ताजी रख सकते हैं।

3. आम में एंथ्रेक्नोज और तना अंत गलन को रोकने के लिये टोपसिन-एम 0.1 प्रतिशत या बासिस्टिन 0.1 प्रतिशत का 15 दिन के अंतराल पर तुडाई से पहले तीन छिड़काव करें।

4. इसी तरह नागपुर मेंडेरिन में तुडाई पश्चात् सड़न को रोकने के लिये 0.1 प्रतिशत बेनलेट व 0.1 प्रतिशत बाविस्टिन का 15 दिन के अंतराल पर तुडाई से पहले तीन छिड़काव करें।

सही समय पर कटाई

1. सब्जियों की कटाई उनके पूर्ण विकास कोमल अवस्था पर करें।
2. जहाँ फल व सब्जियों को दूर के बाजार में भेजना है, तो वहाँ पकने से कुछ समय पहले कटाई या तुडाई करें, जबकि नजदीक बाजार के लिए पूरी तरह पकने पर ही कटाई करनी चाहिये।
3. फल व सब्जियों की तुड़ाई दिन के ठंडे समय पर करनी चाहिए, विशेषतया सुबह के समय करें।
4. वर्षा के दौरान व तुरंत बाद तुडाई नही करनी चाहिए, क्योंकि यह सूक्ष्म जीवाणुओं के गुणन की सबसे उपयुक्त अवस्था होती है।
5. नींबू वर्गीय फलों को वर्षा में तोड़ने से उनकी त्वचा स्पिथ तथा आसानी से टूटने वाली हो जाती है।
6. आम के तने से लेटेक्स आने से पहले फलों को तोड़ लेना चाहिए, जिसे फलों पर काले धब्बे नहीं बनते।

धुलाई और छंटाई

धुलाई से फलों व सब्जियों में बाहरी आकर्षण के साथ-साथ हानिकारक जीवों और विषैले रसायनों का प्रभाव समाप्त हो जाता है। फलों व सब्जियाँ की छंटाई उनके आकार, रंग तथा कोमलता को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

उपचार

फसल की कटाई के पश्चात 4 से 5 दिन तक छाया में सुखाकर नमी कम करने की क्रिया को उपचार कहते हैं। आलू, प्याज, लहसुन व शकरकंद की खुदाई के तुरंत बाद डंठल काटकर 4 से 5 दिन तक छाया में सुखाना चाहिए।

एपिलेशन (वैक्सिंग)

किन्नू, संतरा, नींबू, टमाटर, हरी मिर्च, खीरा आदि को वैक्स घोल से उपचारित करने पर ये सिकुड़ते नहीं हैं और रंग-रूप अच्छा रहता हैं। जिससे ये लम्बे समय तक ताजे बने रहते हैं। बाजार में दो तरह के एपिलेशन या वैक्स उपलब्ध हैं। ढब्लू जो केवल नमी को संरक्षित रखता हैं, जबकि ओ नमी संरक्षण के साथ-साथ फल एवं सब्जियों में चमक भी बढाता हैं।

पूर्वशीतन

अधिक तापमान पर फल एवं सब्जियाँ खराब हो

जाते हैं। इसलिए 10 डिग्री सेल्सियस से कम तापक्रम बनाये रखने के लिए कटाई के उपरांत पत्ते वाली सब्जियों तथा भिंडी आदि को ठंडा किया जाना जरूरी हैं। इसके लिए पानी में बर्फ डालकर ठंडे पानी का छिड़काव करें या पैकिंग के ऊपर बर्फ रखना चाहिए।

पैकिंग

फल एवं सब्जियों को भंडारण या विपणन के दौरान सुरक्षित रखने के लिए अच्छी पैकिंग आवश्यक होती हैं। पैकिंग सुरखा देने वाली हो तथा ठंडा रखने के लिए हवा के उचित संचरण की व्यवस्था हो। सख्त सब्जियों जैसे- आलू, प्याज, मूली, गाजर इत्यादि को टाट के बोरों में भरा जा सकता हैं, जबकि आम, अमरूद, नींबू आदि फलों के लिए लकड़ी के बक्से काम में लेने चाहिए।

फल एवं सब्जियों का परिवहन

सही यातायात साधनों का प्रयोग करें, अधिक भराव न करें, वाहन धीरे तथा सही ढंग से चलाये, वाहन के टायरों में हवा कम रखें। फल एवं सब्जियों के परिवहन के लिए शीतवाहनों का उपयोग करना चाहिए।

प्रसंस्करण

फल एवं सब्जियों को लम्बे समय तक सुरक्षित रखने के लिए निम्न तरीके अपना सकते हैं, जैसे- फल एवं सब्जियों को सुखाना, डिब्बा बंदी या बोतल बंदी करना इत्यादि।

फल एवं सब्जियों को सुखाना

फल एवं सब्जियों को काटकर या छीलकर या धोकर साफ करें। जल्दी सुखाने के लिए उबलते पानी में ब्लांच करें। फल या सब्जियों के प्राकृतिक रंग को बनाये रखने के लिए पहले गंधक के धुएँ में रखें, फिर पोटेशियम मेटाबाईसल्फाईड के 1 से 2 प्रतिशत घोल में डुबोकर रखें। फल एवं सब्जियों को धूप में या डिहाईडरेटर में सुखाया जा सकता हैं। डिहाईडरेटर का शुरूआती तापक्रम 43 डिग्री सेल्सियस होता है, तो लगातार बढाकर सब्जियों के लिए 60 से 65 डिग्री सेल्सियस और फलों के लिए 65 से 71 डिग्री सेल्सियस करना चाहिए।

परजीवी एवं परभक्षी द्वारा खेती में कीट नियंत्रण कैसे करें....

परजीवी एवं परभक्षी (जैविक एजेंट) सामन्यतयः किसान बन्धु जैसे ही फसल में कोई भी कीट देखता है, वो तुरंत उसे ख़त्म करने के लिए विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों का छिड़काव करना शुरू कर देते है। बिना ये जाने कि फसल में जो कीट हैं, वो शुत्रु कीट हैं या मित्र कीट (परजीवी एवं परभक्षी) इस लिए किसान बन्धुओं को ये जानकारी होना आवश्यक है, कि कौन कौन से कीट उनके मित्र और कौन कौन से उनके शत्रु है।

सबसे पहले किसान बन्धुओं को ये जानकारी होनी चाहिए, कि शत्रु कीट वे कीट होते हैं जो आपकी खेती को बर्बाद करते या नुकसान पहुचाते हैं एवं मित्र कीट (परजीवी एवं परभक्षी) वे होते हैं, जो आपकी खेती को न सिर्फ शत्रु कीटों से बचाते हैं, बल्कि फसलोत्पादन बढ़ाने में भी मदद करते हैं। ऐसे बहुत से कीट होते हैं, जो किसान के मित्र होते हैं इस लेख द्वारा किसान बन्धुओं के लिए मित्र कीट यानि की परजीवी एवं परभक्षी (जैविक एजेंट) द्वारा खेती में कीट प्रबंधन की उपयोगी जानकारी का उल्लेख किया गया है।

परजीवी मित्र कीट

ट्राइकोग्रामा किलोनिस- परजीवी ट्राइकोग्रामा किलोनिस अण्ड परजीवी छोटी ततैया होती है। मादा ततैया अपने अण्डे को हानिकारक कीटों के अण्डों में डाल देती है। अण्डों के अन्दर ही पूरा जीवन चक्र पूरा होता है। प्रौढ़ ततैया अण्डे में छेद कर बाहर निकलता है। इसका जीवन चक इस प्रकार है, जैसे-
1. अण्डा अवधि 16 से 24 घण्टे
2. लार्वा अवधि 2 से 3 दिन
3. प्यूपा अवधि 2 से 3 दिन
4. पूर्ण जीवन चक 8 से 10 दिन (गर्मी) में एवं 9 से 12 दिन (सर्दी) में।

परजीवी ट्राइकोग्रामा की पूर्ति कार्ड के रूप में होती है। एक कार्ड की लम्बाई 6 इंच एवं चौड़ाई 1 इंच होती है, जिसमें लगभग 20000 अण्ड परजीवी होते है। ट्राइकोग्रामा विभिन्न प्रकार के फसलों, सब्जियों और फलों के हानिकारक कीटों, जो पौधे की पत्तियों, कलियों एवं टहनियों इत्यादि के बाहरी भाग पर अण्डे देते है, इनके अण्डों को जैविक विधि से नष्ट करने हेतु प्रयोग किया जाता है।

ट्राइकोग्रामा किलोनिस (ट्राइकोग्रामा कार्ड) के उपयोग की विधि- परजीवी ट्राइकोग्रामा कार्ड को विभिन्न फसलों में एक सप्ताह के अन्तराल पर 3 से 4 बार लगाया जाता है। खेतों में हानिकारक कीटों के अण्डे दिखाई देते ही ट्राइकोकार्ड को छोटे-छोटे 4 से 5 समान टुकड़ों में काट कर खेत के विभिन्न भागों में पत्तियों की निचली सतह पर धागे से बाँध दें। सामान्य फसलों में 5 कार्ड किन्तु बड़ी फसलों जैसे गन्ने में 10 कार्ड प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। परजीवी ट्राइकोग्रामा कार्ड को सायंकाल खेत में लगाया जाय, परन्तु इसके उपयोग से पहले, उपयोग के समय और बाद में खेत में रासायनिक कीटनाशक का छिड़काव नहीं करना चाहिए। ट्राइकोग्रामा कार्ड को बर्फ के डिब्बे या रेफ्रिजरेटर में रखकर लगभग 15 दिन तक ओर बढ़ाया जा सकता है।

परभक्षी मित्र कीट

क्राइसोपर्ला- क्राइसोपर्ला एक परभक्षी कीट है। इस कीट का लार्वा, सफेद मक्खी, माहू, फुदका, थ्रिप्स इत्यादि के अण्डों और शिशु को खा जाता है। क्राइसोपल के अण्डों को कोरसियेरा के अण्डों के साथ लकड़ी के बुरादायुक्त बाक्स में आपूर्ति किया जाता है। क्राइसोपल का लार्वा कोरसियेरा के अण्डों को खाकर प्रौढ़ बनता है। इसका जीवन चक इस प्रकार है, जैसे-
1. अण्डा अवधि 3 से 4 घण्टे
2. लार्वा अवधि 11 से 13 दिन
3. प्यूपा अवधि 5 से 7 दिन
4. पूर्ण जीवन चक्र 19 से 24 दिन।

क्राइसोपल के उपयोग की विधि- विभिन्न फसलों और सब्जियों में क्राइसोपल के 50000 से 100000 लार्वा या 500 से 1000 प्रौढ़ प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। सामान्यतयः इन्हें दो बार छोड़ना चाहिए।

जाइगोग्रामा बाइकोलोराटा- जाइगोग्रामा बाइकोलोराटा पार्थीनियम (गाजर घास) का परभक्षी कीट है। इस कीट का प्रौढ़ तथा गिडार पार्थीनियम (गाजर घास) की पत्ती और फूल को खा जाते हैं। इस कीट को जुलाई से अगस्त के महीने में पार्थीनियम (गाजर घास) पर छोड़ने से उसको खाकर पूरी नष्ट कर देते हैं।

अन्य परजीवी एवं परभक्षी

अन्य परभक्षी कीट- प्रेइंग मेन्टिस, इन्द्रगोप मूंग, ड्रैगन फ्लाई, किशोरी मक्खी, क्रिकेट (झींगुर), ग्राउण्ड वीटिल, रोल वीटिल, मिडो ग्रासहापर, वाटर बग, मिरिड बग इत्यादि फसलों, सब्जियों और बागों आदि के खेतों में पाये जाते हैं।
जो हानिकारक कीटों के लार्वा, शिशु तथा प्रौढ़ को प्राकृतिक रूप से खाकर नियंत्रण करते हैं। इन मित्र कीटों (परजीवी एवं परभक्षी) को संरक्षित करना चाहिए एवं खेतों में शत्रु और मित्र कीट का अनुपाल 2:1 हो तो कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
परभक्षी मकड़ी- भेड़िया मकड़ी, चार जबड़े वाली मकड़ी, बौनी मकड़ी, थैली वाली मकड़ी, गोल मकड़ी, हली बग मकड़ी, गोलाकार मकड़ी, कूदने वाली मकड़ी धान के खेतों में पायी जाती है। जो विभिन्न प्रकार के फुदकों, मैगेट, पत्ती लपेटक इत्यादि कीटों के शिशु, लार्वा और प्रौढ़ को खाकर प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करती हैं। इन कीटों को संरक्षित करना चाहिए।
अन्य परजीवी कीट- ये परजीवी सिरफिड फ्लाई, कम्पोलेटिस क्लोरिडी, बैंकन, अपेन्टेलिस, इपीरीकेनिया मेलानोल्यूका इत्यादि परजीवी कीट विभिन्न प्रकार के फसलों, सब्जियों और गन्ना के खेतों में पाये जाने वाले कीटों के लार्वा, शिशु और प्रौढ़ को अन्दर ही अन्दर खाकर प्राकृतिक रूप से कीट का नियंत्रण करते है। इन मित्र परजीवी कीटों का संरक्षण करना चाहिए।

गांव में फोटोकॉपी मशीन को लेकर आमने-सामने हुए कमला हैरिस और एलन मस्क

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अब फोटोकॉपी मशीन की इंट्री हो गई है। मात्र दो सप्ताह चुनाव के बचे हैं और दोनो प्रत्याशी मतदाताओं को रिझाने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं। लेकिन कई बार दांव उल्टा भी पड़ जाता है। बीते रोज राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने गांव में फोटोकॉपी मशीन की उपलब्धता का सवाल उठाया तो टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क भड़क गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि इन्हे राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार किसने बना दिया। एक शख्स ने एक्स पर लिखा, 'कमला हैरिस ने बेतुके ढंग से कहा कि ग्रामीण अमेरिकियों के लिए अपने पहचान पत्र की फोटोकॉपी करना लगभग असंभव है।' जिसके बाद एलन मस्कर ने इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए जोर-जोर से हंसने वाली इमोजी शेयर की। इसके साथ मस्कर ने कैप्शन में लिखा, 'यह कैसे संभव है कि यह व्यक्ति किसी तरह यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार हो?' दरअसल, कमला हैरिस ने अमेरिका के गांवों में फोटोकॉपी मशीन की उपलब्धता का मुद्दा उठाया था।उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने शनिवार को वोटर आईडी कानून पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि ग्रामीण अमेरिकी अपने वोटर आईडी की फोटोकॉपी तक नहीं करवा सकते। मुझे नहीं लगता कि हमें इस बात को कम आंकना चाहिए कि वोटर आइडी कार्ड कानून पर समझौता क्या मायने रखता है। कुछ लोगों के दिमाग में इसका मतलब यह है कि आपको यह साबित करने के लिए अपनी पहचान की जेरॉक्स या फोटोकॉपी करवानी होगी, ताकि आप यह बता पाएं कि आप कौन हैं।कमला हैरिस ने आगे कहा, खैर बहुत सारे लोग हैं, खासकर ग्रामीण समुदायों में रहने वाले लोग, जो ऐसा नहीं करते। उनके आस-पास कोई किंको नहीं है, कोई ऑफिसमैक्स नहीं है। बेशक लोगों को यह साबित करना होगा कि वे कौन हैं, लेकिन इस तरह से नहीं कि उनके लिए यह साबित करना लगभग असंभव हो जाए कि वे कौन हैं। अमेरिका की उपराष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बाद पूरे देश में वोटर आईडी कानून को लेकर बहस छिड़ गई। इसी बीच एलन मस्क भी इसमें कूद गए।

अरे ये क्या...ट्रंप की चुनावी रैली में गानों पर नाच रहे लोग

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी ताकत झोंक दी है। ट्रंप लगातार रैलियां और प्रचार करने में व्यस्त हैं लेकिन इस बीच उनका एक ऐसा वीडियो सामने आया है जो वायरल हो गया है। दरअसल, पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की एक चुनावी रैली थी। रैली देखते ही देखते संगीत समारोह में बदल गई। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने भी भीड़ के सामने डांस मूव्स किए। अब उनके डांस का यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

रैली के दौरान ड्रंप हल्के फुल्के मूड में दिखाई दिए। इस दौरान उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या कोई और बेहोश होना चाहेगा। चलो अब और सवाल नहीं करते। चलो बस संगीत सुनते हैं। चलो इसे संगीत में बदल देते हैं। कौन सवाल सुनना चाहता है, है न? इसके बाद पूरा माहौल ही बदल गया, आधे घंटे से अधिक समय तक ट्रंप की प्लेलिस्ट जोर-जोर से बजती रही, जबकि वे ज्यादातर समय मंच पर खड़े होकर उसे सुनते रहे और धीरे-धीरे डांस करते रहे।

यह पहला मौके नहीं है जब ट्रंप ने अपने डांस मूव्स दिखाए हैं इससे पहले अगस्त में मॉम्स फॉर लिबर्टी प्रोग्राम में उन्होंने डांस किया। यह प्रोग्राम वाशिंगटन डीसी में हुआ था। साल 2020 में भी ओरलैंडों के सैंडफोर्ड में रैली के दौरान ट्रंप मंच पर डांस करते हुए नजर आए थे। इस दौरान उनके साथ समर्थकों ने भी ठुमके लगाए थे।

नाइजीरिया में एक ईंधन से भरा टैंकर टकरा जाने के बाद उसमें हुए धमाके से आग लग गयी है और धूआं फैल गया।

बेहद अनोखी नौकरियां भी युवाओं के बीच आकर्षण का केंद्र

वॉशिंगटन (ईएमएस)। वर्तमान दौर में पारंपरिक नौकरियों के साथ-साथ कुछ बेहद अनोखी नौकरियां भी युवाओं के बीच आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। ये नौकरियां आपको हंसाने या रुलाने के लिए पैसे देती हैं। इस नए ट्रेंड का मुख्य कारण सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का विकास है, जिन्होंने लोगों को अपनी प्रतिभा को प्रकट करने और उससे अच्छा खासा पैसा कमाने का मौका दिया है। ऐसा ही एक पेशा है लाफ्टर थेरेपिस्ट। इस पेशे में व्यक्ति का मुख्य काम दूसरों को हंसाना होता है। लाफ्टर थेरेपिस्ट्स मानसिक तनाव और चिंता से निपटने के लिए हंसी का उपयोग करते हैं। यह एक प्रकार की चिकित्सा है, जिससे लोगों के मूड को बेहतर किया जाता है। यदि आपके पास लोगों को हंसा सकने की कला है, तो आप कॉमेडियन बन सकते हैं। स्टैंड-अप कॉमेडी, सोशल मीडिया पर जोक्स और कैप्शन शेयर करना, या लाइव शो करना, ये सभी तरीके हैं जिससे कॉमेडियन पैसा कमाते हैं। हास्य अभिनेता फिल्म और टीवी शो में अपनी अभिनय कला से दर्शकों को हंसाते हैं। इनका काम दर्शकों को मनोरंजन और हंसी का अनुभव

कराना होता है, जिसके लिए उन्हें बहुत अच्छा भुगतान मिलता है।

स्टैंड-अप कॉमेडियन का पेशा पूरी तरह से लाइव परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। स्टैंड-अप कॉमेडियन एक स्टेज पर अपने जोक्स और स्टोरी टेलिंग के जरिए लोगों को हंसा कर अपना शो पेश करते हैं। फिल्म और टीवी शोज़ में भावनात्मक दृश्यों में अभिनय करना किसी के लिए आसान नहीं होता। कुछ अभिनेता और अभिनेत्री अपने अभिनय के जरिए दर्शकों को भावुक कर देते हैं और इस कला के लिए उन्हें अच्छी कमाई होती है। थेरेपिस्ट्स लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर काम करते हैं। वे उन्हें अपनी भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त करने में मदद करते हैं और जीवन के मुश्किल समय में साथ देते हैं। शोक काउंसलर्स ऐसे पेशेवर होते हैं जो लोगों को उनके निजी नुकसान के बाद मानसिक और भावनात्मक सपोर्ट प्रदान करते हैं। इस कार्य में उन्हें पैसे मिलते हैं, जबकि वे लोगों को उनके दुख से उबारने का काम करते हैं।

अंतिम संस्कार के दौरान शोक व्यक्त करना और परिवार वालों के साथ संवेदना दिखाना फ्यूनरल डायरेक्टर पेशे का हिस्सा है। फ्यूनरल डायरेक्टर्स लोगों के अंतिम संस्कार के समय उनके साथ होते हैं और उन्हें सांत्वना देते हैं। अब जब लोग अपनी क्रिएटिविटी और स्किल्स के दम पर खुद को स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, तब यह अजीबोगरीब नौकरियों की मांग भी बढ़ी है। इन नौकरियों के माध्यम से लोग अपनी पसंद और शौक को पेशेवर रूप में बदल रहे हैं और अच्छा पैसा कमा रहे हैं। हंसने और रोने के लिए पैसे देना एक नए दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिससे यह सिद्ध होता है कि व्यक्ति अपनी कला और जुनून से किसी भी कार्य को करियर में बदल सकता है।

25 वर्षीय युवती ने की अपने से 61 साल बड़े शख्स से शादी

-मिरेकल और चार्ल्स की मुलाकात हुई थी 2019 में

मिसीसिपी (ईएमएस)। अमेरिका के मिसीसिपी राज्य में 25 वर्षीय मिरेकल पोग ने अपने से 61 साल बड़े चार्ल्स नामक शख्स से शादी की है। यह रिश्ते की अनोखी विशेषता केवल उम्र के अंतर से नहीं है, बल्कि दोनों के बीच एक गहरी दोस्ती और प्रेम की भावना ने इसे संभव किया है।

मिरेकल और चार्ल्स की मुलाकात 2019 में हुई थी, जब मिरेकल 20 साल की थीं और चार्ल्स 86 साल के थे। मिरेकल एक पेशेवर नर्स हैं, जबकि चार्ल्स रिटायर्ड रियल एस्टेट एजेंट हैं। दोनों की दोस्ती की शुरुआत धीरे-धीरे हुई, लेकिन कुछ ही समय में यह दोस्ती एक गहरी और सच्ची प्रेम कहानी में बदल गई। फरवरी 2020 में, चार्ल्स ने मिरेकल को शादी के लिए प्रपोज किया और इसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को एक कदम आगे बढ़ाया। हालांकि, इस रिश्ते को लेकर मिरेकल के पिता शुरुआत में असहमत थे। उनका कहना था कि चार्ल्स की उम्र मिरेकल से बहुत ज्यादा है और उनका यह निर्णय परिवार के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकता। लेकिन मिरेकल की मां और दादा ने इस रिश्ते को पूरी तरह से स्वीकार किया और उन्हें समर्थन दिया। मिरेकल के पिता को मनाने में कुछ समय लगा, लेकिन जब उन्होंने चार्ल्स से मुलाकात की, तो उन्होंने भी इसे अपना आशीर्वाद दे दिया। मिरेकल और चार्ल्स की शादी एक परंपरागत विवाह के रूप में हुई और इस रिश्ते को लेकर उनके परिवार के अन्य सदस्य भी खुश हैं।

मिरेकल ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें अपनी शादी से कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना था कि भले ही चार्ल्स उनसे 61 साल बड़े हैं, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। मिरेकल का कहना है कि अगर चार्ल्स उनसे 100 साल भी बड़े होते, तब भी वह उनसे शादी करतीं। अब मिरेकल अपने पति के साथ परिवार शुरू करने की योजना बना रही हैं। हालांकि, चार्ल्स के लिए पिता बनना मेडिकल रूप से कठिन हो सकता है, लेकिन मिरेकल आईवीएफ के माध्यम से प्रेग्नेंट होने की कोशिश कर रही हैं।

एससीओ बैठकः पाकिस्तान-भारत ने एक-दूसरे पर सीधा हमला बोलने से किया परहेज

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने के बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत लौट गए हैं। जयशंकर ने स्वागत करने के लिए पाकिस्तान को धन्यवाद दिया। पाकिस्तानी मीडिया ने एक वीडियो जारी करके दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच खाने की मेज पर अनौपचारिक बातचीत हुई। भारत के किसी विदेश मंत्री की एक दशक के बाद यह पहली पाकिस्तान यात्रा थी। इस दौरे पर पाकिस्तान और भारत दोनों ने एक-दूसरे पर सीधा हमला बोलने से परहेज किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय विदेश मंत्री ने इस्लामाबाद आने से पहले साफ कर दिया था कि वह कोई भी द्विपक्षीय बातचीत नहीं करेंगे। इसके बाद जयशंकर और पाकिस्तानी डेप्युटी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार के बीच खाने की मेज पर बातचीत हुई। वहीं नवाज शरीफ ने एससीओ समिट शुरू होने से ठीक पहले एक इंटरव्यू में भारत से रिश्ते सुधारने की बात कही है। विश्लेषकों का कहना है कि नवाज शरीफ के अनुरोध और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के तीखे बयान नहीं देने के बाद यह अनौपचारिक बातचीत संभव हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बातचीत भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते में जमी बर्फ को पिघलने का पहला संकेत है। पाकिस्तान सरकार के सूत्र ने दावा किया कि शहबाज शरीफ ने जब कोई तीखा बयान नहीं दिया तो जयशंकर ने भी इससे परहेज किया। शहबाज ने एससीओ चार्टर के मुताबिक भाषण दिया। यही नहीं भारतीय विदेश मंत्री ने बिलावल भुट्टो से इतर जैसा कि वादा किया था, अपने पूरे दौरे में गरिमापूर्ण व्यवहार किया। इससे पहले जब पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो गोवा में एससीओ की बैठक में आए थे तब उन्होंने भारत के खिलाफ जहरीला बयान दिया था। इसको लेकर पाकिस्तानी विश्लेषकों ने भी बिलावल की आलोचना की थी।

जयशंकर ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार का आभार जताया। उन्होंने एक दिवसीय दौरे के समापन के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए उनको धन्यवाद दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट में लिखा-इस्लामाबाद से प्रस्थान कर रहा हूं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार तथा पाकिस्तान सरकार को आतिथ्य और शिष्टाचार के लिए धन्यवाद।

कनाडा में खालिस्तानियों को सपोर्ट कर रहा है पाकिस्तान

ओटावा(ईएमएस)। हाल ही में कनाडा की सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस की डायरेक्टर वानेस्सा लॉयड ने माना था कि पाकिस्तान, कनाडा की राजनीति को प्रभावित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान खालिस्तानियों को सपोर्ट करने के लिए यह कदम उठा रहा है। वानेस्सा ने पिछले महीने देश के विदेशी हस्तक्षेप आयोग के सामने दिए अपने भाषण में पाकिस्तानी भूमिका पर यह खुलासा किया था। वानेस्सा का यह भाषण अब सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। उन्होंने 27 सितंबर को कहा, पाकिस्तान के साथ संवाद लगातार भारत के प्रभाव को कम करने की कोशिश के साथ संतुलन में है। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो के भारत के खिलाफ बिना किसी सबूत के आरोप लगाने के बाद पाकिस्तान को लेकर दिया गया बयान वायरल हो गया है।

बीमारी के कारण भी बदलता हैं यूरिन का कलर

-ऐसे में जरूरी है कि आप डॉक्टर को दिखाएं

कैलिफ़ोर्निया (ईएमएस): यूरिन का रंग आपकी सेहत का एक महत्वपूर्ण संकेतक हो सकता है, और इसके रंग में बदलाव कई स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग के मुताबिक, आमतौर पर शरीर की हाइड्रेशन स्थिति के अनुसार यूरिन का रंग हल्का पीला या ट्रांसपेरेंट होता है। यदि आपका यूरिन पूरी तरह से क्लियर है, तो इसका मतलब हो सकता है कि आप अत्यधिक पानी का सेवन कर रहे हैं, जो आपके शरीर के इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को प्रभावित कर सकता है। सुबह उठते ही यूरिन का रंग पीला होना आम है क्योंकि इस समय शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं। लेकिन यदि सुबह का पहला यूरिन भी पूरी तरह से क्लियर है, तो यह संकेत हो सकता है कि आप जरूरत से अधिक पानी पी रहे हैं। यह अत्यधिक पानी पीने से शरीर के इलेक्ट्रोलाइट लेवल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जो स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, पानी का सेवन संतुलित मात्रा में करना चाहिए। इसके अलावा, कुछ स्वास्थ्य स्थितियां और दवाइयाँ भी यूरिन के रंग को प्रभावित कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, डायबिटीज इंसिपिडस एक दुर्लभ विकार है जो शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बिगाड़ देता है। इसके कारण व्यक्ति को अत्यधिक प्यास लगती है और बार-बार पेशाब आता है, जिससे यूरिन का रंग क्लियर हो सकता है। इसी प्रकार, ड्यूरेटिक मेडिकेशन (पेशाब को बढ़ाने वाली दवाएँ) भी यूरिन के रंग को साफ कर सकती हैं। शराब का सेवन भी यूरिन के क्लियर होने का कारण हो सकता है, क्योंकि शराब में ड्यूरेटिक प्रभाव होता है, जिससे यूरिन की मात्रा बढ़ जाती है और उसका रंग साफ हो जाता है। इसके अलावा, कैफीन और शराब के संयोजन से भी यूरिन की मात्रा में वृद्धि और उसका रंग क्लियर हो सकता है। यूरिन का रंग भी कैल्शियम की कमी या अधिकता के कारण प्रभावित हो सकता है। यदि यूरिन का रंग हल्का पीला है, तो यह दर्शाता है कि आप ठीक से हाइड्रेटेड हैं, जबकि डार्क येलो रंग का यूरिन डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, यदि आपके यूरिन का रंग पिंक या लाल है, तो यह खाने के कारण हो सकता है, जैसे कि ब्लूबेरी या चुकंदर। लेकिन यदि यूरिन में रक्त दिखाई दे, तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। कुल मिलाकर, यूरिन के रंग में कोई भी असामान्य बदलाव स्वास्थ्य की ओर इशारा कर सकता है और उचित देखभाल की आवश्यकता हो सकती है।

अमेरिका का हूती चरमपंथियों पर हमला, पहली बार बी-2 स्टील्थ बॉम्बर का इस्तेमाल

सना,(ईएमएस)। अमेरिकी ने यमन में हूती चरमपंथियों पर हमला किया है। एक रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों ने बताया है कि हमले में हूतियों के बमों के जखीरे को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड फोर्स ने यमन के हूती नियंत्रित क्षेत्रों में ईरान समर्थित हूती हथियार भंडारण सुविधाओं पर कई हवाई हमले किए।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि जिन सुविधाओं को निशाना बनाया गया, उनमें लाल सागर और अदन की खाड़ी में सैन्य और नागरिक जहाजों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार रखे गए थे। यह पहली बार है जब अमेरिका ने यमन में हूतियों के खिलाफ स्टील्थ बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। ये हमला यमन में स्थानीय समयानुसार गुरुवार सुबह किया गया।

बी-2 स्पिरिट बॉम्बर फाइटर जेट की तुलना में बहुत बड़ा स्टील्थ प्लेटफॉर्म है। यह फाइटर जेट की तुलना में काफी ज्यादा मात्रा में बमों को ले जाने में सक्षम है। खास बात ये है कि गुरुवार का हमला अमेरिका ने अकेले किया है, जबकि इसके पहले वह ब्रिटेन के साथ यमन में कार्रवाई करता रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने अनुमान लगाया है कि 5 नवम्बर को होने वाले अमेरिकी चुनाव से पहले इजराइल ईरान के मिसाइल हमले का जवाब देगा। इस बीच लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और गाजा में हमास के साथ उसका संघर्ष जारी है।

चीन ने की चांद पर बेस बनाने की घोषणा

बीजिंग(ईएमएस)। चीन ने सिर्फ बेस ही नहीं बल्कि अगले कुछ दशकों में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार करने के लिए मानवयुक्त चंद्र मिशन शुरू करने, चंद्र अंतरिक्ष स्टेशन बनाने तथा रहने योग्य ग्रहों और अन्य ग्रहों पर जीवन की खोज का पता लगाएगा। चीन ने कहा कि अगले कुछ दशकों में ये काम भी पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान चीन ने अंतरिक्ष मिशन को लेकर 2050 तक की अपनी पूरी प्लानिंग बताई।अंतरिक्ष जगत में चीन और अमेरिका अक्सर एक दूसरे को टक्कर देते रहते हैं। नासा और सीएनएसए के बीच एक दूसरे से आगे रहने की होड़ मची रहती है। नासा को टक्कर देने के लिए चीन की अंतरिक्ष एजेंसी सीएनएसए ने 2050 तक की पूरी प्लानिंग कर ली है और आने वाले कुछ सालों में चीन अंतरिक्ष पर अपना बेस भी तैयार कर लेगा।चीन के शीर्ष अंतरिक्ष निकायों ने अंतरिक्ष विज्ञान के लिए दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम का अनावरण किया, जो 2024 से 2050 तक देश के अंतरिक्ष विज्ञान मिशन और अंतरिक्ष अनुसंधान की योजना का मार्गदर्शन करेगा।कार्यक्रम के अनुसार, चरम ब्रह्मांड का विषय ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास की खोज, चरम ब्रह्मांडीय परिस्थितियों के तहत भौतिक नियमों का खुलासा, डार्क मैटर और ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास, साथ ही ब्रह्मांडीय बारियोनिक पदार्थ का पता लगाने पर केंद्रित है। मध्यम से निम्न आवृत्ति की गुरुत्वाकर्षण तरंगों और आदिम गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने पर अध्ययन किया जाएगा, जिसका लक्ष्य गुरुत्वाकर्षण और अंतरिक्ष-समय की प्रकृति को उजागर करना तथा सूर्य और पृथ्वी का अन्वेषण करना होगा।

क्या चीन ताइवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है?

ताईपे (ईएमएस)। चीन के ताइवान के पास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास करने और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के फुजियान प्रांत के उस इलाके में पहुंचने से यह सवाल उठ रहा है कि क्या चीन ताइवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। चीनी सेना की हाल की गतिविधियों और सैन्य ड्रिलों को देखकर यह संभावना जताई जा रही है कि चीन ताइवान पर दबाव डालने की कोशिश कर रहा है। इस संदर्भ में चीनी सेना ने सोमवार को ज्वाइंट स्वॉर्ड-2024बी नामक एक बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास किया, जिसमें नेवी और एयरफोर्स दोनों शामिल थे। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य ताइवान के प्रमुख बंदरगाहों को घेरना और नाकाबंदी करना था। इसके अलावा, चीन ने अपनी जंगी वॉरशिप लियाओनिंग को भी इसमें शामिल किया। इस सैन्य अभ्यास को ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वालों के लिए चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग का फुजियान प्रांत में अचानक पहुंचना, जो ताइवान से काफी नजदीक है, इसे सैन्य तैयारियों की जांच के रूप में देखा जा रहा है। इस क्षेत्र में पहले भी चीन की सेना ने ताइवान को धमकाने के लिए सैन्य ड्रिल की थीं। इन गतिविधियों को देख कर यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि चीन ताइवान पर अधिक दबाव डालने की तैयारी कर रहा है। इस बीच ताइवान के नेता विलियम लाई चिंग-ते ने हाल ही में एक भाषण में कहा था कि ताइवान किसी का गुलाम नहीं है और यह स्वतंत्र देश है। ताइवान की स्वतंत्रता की इस घोषणा के बाद से चीन की प्रतिक्रिया में तीव्रता आई है। चीन ने कई बार ताइवान को अपना हिस्सा मानते हुए बलपूर्वक कब्जा करने की धमकी दी है। वहीं अमेरिका लगातार ताइवान की सहायता करता आ रहा है, जिससे स्थिति और भी तनावपूर्ण होती जा रही है। इन सभी घटनाक्रमों को देखते हुए, चीन और ताइवान के बीच संघर्ष की स्थिति की आशंका बढ़ रही है, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस पर नजर बनाए हुए है।

हड्डियां गलाने वाले सागर में 67 दिन फंसा रहा एक व्यक्ति, भाई और बेटे की हो गई मौत, सूखकर हो गया कांटा

मास्को (ईएमएस)। रूस के एक शख्स, मिखाइल पिचुगिन की कहानी सचमुच एक चमत्कारी जीवित रहने की मिसाल है। वह ओखोटस्क सागर में 67 दिनों तक एक छोटी सी नाव पर फंसा रहा, जहां उसे और उसके परिवार को जीवन और मौत के बीच संघर्ष करना पड़ा। इस घटना में पिचुगिन के भाई और बेटे की मृत्यु हो गई, लेकिन पिचुगिन ने अपनी जान बचा ली। यह कहानी उस कहावत को सही साबित करती है, ईश्वर जिसे बचाना चाहे, वह लाख मुसीबतों में फंसकर भी जिंदा बच जाता है। 9 अगस्त को पिचुगिन, उनका 15 वर्षीय बेटा और उनका भाई एक कटमरैन पर सवार हुए थे, लेकिन कुछ समय बाद उनका संपर्क टूट गया। ओखोटस्क सागर, जो पूर्वी साइबेरिया और कामचटका प्रायद्वीप से घिरा है, अक्टूबर से मार्च तक बर्फ से ढक जाता है, जिससे इस क्षेत्र में जीवन और मृत्यु की लड़ाई और भी कठिन हो जाती है। रूसी अधिकारियों ने बताया कि 14 अक्टूबर को एक मछली पकड़ने वाली नाव ने पिचुगिन को देखा और बचाव अभियान की शुरुआत की। पिचुगिन को सुरक्षित निकाला गया, लेकिन उसके भाई और बेटे की मौत हो चुकी थी। पिचुगिन की पत्नी ने बाद में कहा कि उनका जीवित रहना उनके वजन की वजह से संभव हो सका, क्योंकि उनका वजन लगभग 100 किलोग्राम था, और उनके पास दो हफ्ते तक के लिए पर्याप्त भोजन था। इस पूरी घटना ने न केवल पिचुगिन की किस्मत को साबित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि उम्मीद और साहस के साथ किसी भी कठिनाई को पार किया जा सकता है।

सालों पहले हुई बेटी की मौत, एआई से पिता को दिखाई हमशक्ल, फोटोज का हुआ गलत इस्तेमाल, अब कानूनी लड़ाई की तैयारी

लंदन,(ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल चैटबॉट के लिए किया जा रहा है। कई ऐसी कंपनियां हैं, जो लोगों को एआई बॉट्स की सुविधा दे रही है। हाल में एक चौकाने वाली बात सामने आई है जिसमें कंपनी ने मृतक के परिजनों की जानकारी के बिना एक पिता को उसकी मरी हुई बेटी की हमशक्ल दिखा दी, जो कोई इंसान नहीं बल्कि एक एआई चैटबॉट है। मृतक लड़की के पिता को एक नोटिफिकेशन मिला था। इस नोटिफिकेशन के सहारे वह एक वेबसाइट पर पहुंचे। चैटबॉट ने ना सिर्फ जेनिफर लड़की का नाम इस्तेमाल किया था, बल्कि उसकी फोटोज का भी इस्तेमाल किया और खुद को एक नॉलेजेबल एआई कैरेक्टर के रूप में पेश किया। लड़की की हत्या 2006 में हो गई थी। जब लड़की के पिता ने मामले की जांच की तो पता चला कि उनकी बेटी की फोटोज का इस्तेमाल करके इस एआई चैटबॉट तैयार किया गया है। ये बॉट 69 कन्वर्सेशन में शामिल था। इस मामले में मृतक लड़की के पिता ने एक वेबसाइट से संपर्क किया और उनसे चैटबॉट को रिमूव करने और मामले की जांच की मांग की। कैरेक्टर एआई ने पीड़ित की शिकायत को स्वीकार कर लिया, लेकिन उनसे इस बारे में सीधा संपर्क नहीं किया। हालांकि कंपनी ने पीड़ित के भाई के ट्वीट पर रिप्लाई किया। कंपनी ने जानकारी दी कि उस चैटबॉट को रिमूव कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए कंपनी काम कर रही है। अब सवाल लोगों के डेटा को लेकर उठ रहा है। किसी शख्स की मृत्यु के बाद उसकी फोटोज और वीडियोज का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है?

अगरु चमत्कारिक लाभ दायक औषधि

अगरु एक बहुत ही उत्तम जड़ी-बूटी है और आप अगरु के इस्तेमाल से बीमारियों को ठीक कर सकते हैं? प्राचीन काल से ही लोग भारत में अगरु का उपयोग कर रहे हैं। अगरु को अगर भी कहा जाता है। इसकी लकड़ी से राल यानी गोंद की तरह का कोमल व सुगन्धित पदार्थ निकलता है, जो अगरबत्ती बनाने व सुगंधित उबटन की तरह शरीर पर मलने के काम आता है। इसके अलावा अगरु का उपयोग बीमारियों के इलाज के लिए भी किया जाता है।

अगरु कड़वा और तीखा, पचने में हल्का और चिकना होता है। यह कफ तथा वात को शान्त करने वाला और पित्त को बढ़ाने वाला होता है। अगरु सुगंधित, लेप लगाने पर शीतल, हृदय के लिए लाभकारी, भोजन के प्रति रुचि बढ़ाने वाला और मोटापा कम करता है। यह त्वचा के रंग को निखारता है। आंख तथा कान के रोगों, कुष्ठ, हिचकी, उल्टी, श्वास फूलना, गुप्त रोगों, पीलिया, खुजली, फुन्सियाँ तथा विष-विकारों की चिकित्सा में इसका औषधीय प्रयोग किया जाता है। अगुरु के सार का तेल भी समान गुणों वाला ही होता तथा पुराने घावों को ठीक करता है। पेट के कीड़े और कुष्ठ रोग को ठीक करता है। अगरु वृक्ष विशाल तथा सदा हरा-भरा रहने वाला होता है। कृष्णागुरु को पानी में डालने पर (लकड़ी भारी होने के कारण) डूब जाता है। अगरु की अनेक जातियां होती हैं।

(1) कृष्णागुरु (2) काष्ठागुरु,(3) दाहागुरु,(4) मंगल्यागुरु

सभी प्रजातियों में कृष्णागुरु सबसे अच्छा माना जाता है। रोगों की चिकित्सा में इसका प्रयोग किया जाता है। अगुरु की लकड़ी अंदर से एस्कोमाईसीटस मोल्ड , फेओएक्रीमोनीयम पेरासाईटीका नामक डीमेशीएशस (गहरे वर्ण के कोशिकायुक्त-) कवक यानी सूक्ष्मजीवों से संक्रमित होती है। इन कवकों से बचाव के लिए अगरु के वृक्ष से एक विशेष प्रकार का द्रव्य निकलता है। अगरु की त्वग्स्थूलता (तिलोसिस) रोग से असंक्रमित लकड़ी हल्के रंग की और संक्रमित लकड़ी इस द्रव्य के कारण गहरे-भूरे अथवा काले रंग की होती है।

अगरु का वानस्पतिक नाम ऐक्वीलेरिया मैलाकैन्सिस.) है। यह थाइमीलिएसी कुल का पौधा है। विभिन्न भाषाओं में इसके नाम ये हैं -

हिंदी में – अगर, ऊद
इंग्लिश में – ईगल वुड, अगर वुड ,एलो वुड ,
मलायन ईगल वुड अगल्लोचम
संस्कृत में – अगुरु, कृमिजग्धम्, प्रवरम्, लोहम्, राजार्हम्, योगराज, वंशिक, कृमिजम्, जोङ्गक, अनार्यकम्

फायदे : सिरदर्द दूर करता है

अगुरु की लकड़ी को चन्दन की तरह घिसकर उसमें थोड़ा कपूर मिलाकर मस्तिष्क पर लेप करने से सिर दर्द ठीक होता है।

दमा और खाँसी

1-3 ग्राम अगुरु के चूर्ण में थोड़ा-सा सोंठ मिलाकर मधु के साथ सेवन करने से कफ के कारण होने वाली खाँसी ठीक होती है। अगुरु के चूर्ण तथा कपूर को पीसकर वक्ष स्थल पर लेप करने से श्वसनतंत्र-नलिका की सूजन ठीक होती है।
पान के पत्ते में दो बूँद अगुरु के तेल को डालकर सेवन करने से सांस फूलने के रोग में शीघ्र लाभ होता है। यह गाढ़े बलगम को पतला करने में भी मदद करता है, जिससे फेफड़ों को साफ़ होने में मदद मिलती है।

पेट के रोगों में

सेंधा नमक के साथ अगरु चूर्ण का सेवन करने से पेट और लीवर सक्रिय होते हैं और भूख बढ़ती है। यह लीवर को ताकत देता है और चयापचय प्रक्रिया को बढ़ाता करता है। अगुरु की लकड़ी को लगभग 10 ग्राम लेकर उसका काढ़ा बना लें। इसे 20-40 मिली मात्रा में नियमित सेवन करने से पेट के कैंसर में लाभ होता है।

उल्टी में

1-2 ग्राम अगुरु की लकड़ी के चूर्ण में शहद मिलाकर सेवन करने से उल्टी, अपच की समस्या एवं भूख की कमी ठीक होती हैं।

बवासीर में

अगरु चूर्ण को घी में पकाकर शीतल कर लें। इसमें मिश्री मिलाकर सेवन करने से खूनी बवासीर में लाभ होता है।

डायबिटीज में

पाठा का पञ्चाङ्ग, अगुरु की लकड़ी तथा हल्दी को समान भाग में लेकर इनका काढ़ा बना लें। इस काढ़े को 10-20 मिली मात्रा में सेवन करने से डायबिटीज में लाभ होता है।

सूतिका रोग में

प्रसव के पहले और बाद में अगुरु की लकड़ी का काढ़ा बनाकर 20-30 मिली की मात्रा में प्रयोग करें। इससे प्रसव होने के बाद के प्रसूति स्त्री के रोगों में लाभ होता है। इसमें अजवायन तथा सोंठ मिलाने से और जल्दी लाभ प्राप्त होता है।

जोड़ों के दर्द में

अगरु वात विकार को कम करता है। अगुरु की लकड़ी या पत्तों को पीसकर लेप करें। इससे गठिया, आमवात, जोड़ों की सूजन, लकवा आदि रोगों में लाभ होता है।

चर्म रोगों में

अगरु की छाल के चूर्ण (2 ग्राम) को पांच ग्राम गाय के घी के साथ लेने से कुष्ठ, खुजली आदि चर्म विकारों में लाभ होता है। यह पित्ती से जुड़े खुजली वाले फोड़े और खुजली को भी कम agallocha कर देता है।

सूजन का इलाज

चोरक तथा अगुरु को पीसकर लेप करने से कफ के कारण होने वाली सूजन ठीक होती है।

बुखार उतारने के लिए

अगरु ठण्ड व थकान को कम करता हैं। यह बुखार को कम करने में मददगार हैं और शरीर को ताकत देता है। बुखार में इसका काढ़ा पीना लाभदायक होता हैं। अगुरु की लकड़ी डाल कर रखे जल का सेवन करने से बुखार में लगने वाली प्यास शान्त होती है। अगरु को गिलोय, अश्वगंधा और शतावरी के साथ लें। इससे बुखार के बाद होने वाली थकान और शारीरिक कमजोरी में फायदा होता है।

शारीरिक शक्ति और वीर्यवर्धक

2-5 ग्राम अगुरु के काढ़े को एक लोहे के बर्तन के भीतर लेप कर, रात भर छोड़ दें। सुबह 375 मिली जल में इस अगुरु लेप को घोल कर पीना चाहिए। ऐसे ही रोज एक वर्ष तक नियमित सेवन करने से बुढ़ापे के कारण होने वाली बीमारियों से मुक्ति मिलती है तथा लंबी तथा स्वस्थ आयु की प्राप्ति होती है। 2-5 ग्राम अगुरु के चूर्ण को दूध के साथ रोज एक साल तक पीने से बल, आयुष्य आदि रसायन गुणों की प्राप्ति होती है। 1-2 बूँद अगुरु तेल का नियमित सेवन करने से बल की वृद्धि होती है।

हिचकी रोकने में

हिचकी आने का मुख्य कारण होता है वात दोष का असंतुलित हो जाना। अगरु में वात शामक गुण पाए जाते है इसलिए यह इस रोग को रोकने में मदद कर सकता है।

शरीर के सुन्न पड़ जाने में

शरीर के सुन्न पड़ जाने का मुख्य कारण वात दोष का बढ़ जाना होता है। ऐसे में अगरु के वात शामक गुण शरीर के सुन्नपन को दूर करने में मदद करता है।

चेहरे का दाग

अगरु में त्वगदोषहर गुण होने के कारण यह चेहरे के दाग धब्बों को कम करने में भी मदद करते हैं।

जांघ का सुन्न होने पर

जाँघ का सुन्न होना जाना एक ऐसी अवस्था है जो वात दोष के असंतुलित होने के कारण होती है अगरु में वात शामक गुण होने के कारण यह इस अवस्था से राहत दिलाने में उपयोगी हो सकती है।

सेक्सुअल पॉवर बढ़ाता है अगरू का तेल

पान के पत्ते में 1-2 बूंद पुराने अगुरु तेल को डालकर मुंह में रखने से सेक्सुअल पॉवर या सेक्स की ताकत बढ़ती है।

जीव-जन्तुओं के विष में

अगुरु की लकड़ी को पीसकर लेप करें। इससे सांप, बिच्छु आदि विषैले जीवों द्वारा काटे जाने पर चढ़ने वाले विष उतर जाता है। इससे दर्द आदि विषाक्त प्रभाव खत्म होते है।
अगरु के सेवन की मात्रा तेल – 1-5 बूँद
चूर्ण – 0.5-3 ग्राम
सार 1-2 ग्राम
काढ़ा – 10-40 मि.ली.
अगरु के सेवन का तरीका --कवक यानी सूक्ष्मजीवियों से संक्रमित तने के अंदर की लकड़ी।

हेल्थ बनाने के लिए हेल्दी खाने के साथ-साथ करें ये 5 एक्सरसाइज

जहां आजकल लगभग हर किसी पर वजन कम करने का जुनून सवार है, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनके लिए वजन बढ़ाना एक चुनौती है. वे न केवल कुछ किलो वजन हासिल करना चाहते हैं, बल्कि फुलर दिखना चाहते हैं और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करना चाहते हैं. वजन बढ़ाते समय आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप फैट से अधिक मसल्स को प्राप्त करें.

वजन बढ़ाने के लिए क्या करें?

वजन बढ़ाने के नेचुरल तरीके या तेजी से वजन बढ़ाने बढ़ाने के उपाय जैसे सवाल अगर आपके मन भी घूम रहे हैं और खाया पिया आपके शरीर को नहीं लग रहा है तो अपने कैलोरी सेवन को बढ़ाने के अलावा आपको वजन बढ़ाने वाले व्यायामों के लिए भी समय देना होगा. वजन बढ़ाने के लिए आहार के साथ-साथ वजन बढ़ाने के लिए एक्सरसाइ भी काफी मायने रखती हैं. यहां 5 ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताया गया है जो तेजी से वेट गेन करने में मदद कर सकती हैं.

1. स्क्वैट्स

स्क्वाट शरीर के निचले हिस्से के सबसे सरल व्यायामों में से एक है जो लोअर बॉडी को टोन और मजबूत करती है और इसे अक्सर वजन बढ़ाने वाले वर्कआउट में शामिल किया जाता है. एक बार जब आप सरल स्क्वाट फॉर्म में महारत हासिल कर लेते हैं, तो आप वेट बढ़ाकर और अधिक कठिन सेशन कर सकते हैं.

- अपनी पीठ को सीधा करके खड़े हो जाएं और पैरों को हिप-चौड़ाई से थोड़ा अलग रखें. अपनी बाहों को अपने सामने फैलाकर सीधे देखें.
- अपने ग्लूट्स को स्क्वीज करें और सुनिश्चित करें कि आप अपने बट को पीछे की ओर ले जाएं, न कि केवल अपने घुटनों को मोड़ें.
- श्वास लेते हुए अपने कोर को अटैच करें और अपने बट को बाहर धकेलते हुए अपने घुटनों को मोड़ना शुरू करें.
- अपने शरीर का भार एड़ी पर रखकर बैठ जाएं. जब तक आपके कूल्हे के जोड़ आपके घुटनों से नीचे न हों तब तक नीचे जाएं.
- तीन सेकेंड के लिए इसी पोजीशन में रहें.
- सांस छोड़ते हुए अपने शरीर का वजन अपनी एड़ियों पर रखें और उठना शुरू करें.

2. पुश अप्स

अगर आप एक नौसिखिया हैं, तो पुश-अप कुछ ऐसा है जिसे आपको निश्चित रूप से करना चाहिए. अपर बॉडी को मजबूत करने के लिए यह वजन बढ़ाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण व्यायामों में से एक है. सबसे महत्वपूर्ण बात पुश-अप्स आपकी बाहों और कंधों में मांसपेशियों के निर्माण में मदद करते हैं.

- जमीन पर मुंह के बल लेट जाएं.
- हाथों को अपने कंधों से थोड़ा चौड़ा रखें.
- धीरे-धीरे अपने शरीर को ऊपर उठाएं जब तक कि आपकी बाहें पूरी तरह से फैल न जाएं.
- अपने शरीर को तब तक नीचे करें जब तक कि आपकी छाती लगभग फर्श को न छू ले.
- रुकें और अपने आप को पीछे की ओर धकेलें.

3. लंजेस

स्क्वाट की तरह लंजेस आपके पैर और कूल्हे की मांसपेशियों को ऊपर उठाने और टोन करने में आपकी मदद करते हैं. यह वजन बढ़ाने के लिए सबसे अच्छे वर्कआउट में से एक है. आप वजन को शामिल करके या कुछ लंज विविधताओं को आजमाकर कठिनाई के स्तर को बढ़ा सकते हैं.

- सीधे खड़े हो जाएं और अपने पेट की मांसपेशियों को फ्लेक्स करें.
- एक बड़ा कदम आगे बढ़ाएं.
- अपने शरीर को तब तक नीचे करें जब तक कि आपकी जांघ फर्श के समानांतर न हो.
- अपने आप को अपनी प्रारंभिक स्थिति में वापस लाने के लिए अपनी एड़ी पर वापस पुश करें.

4. ट्राइसेप डिप्स

ट्राइसेप डिप्स घर पर वजन बढ़ाने के लिए हाथ और पीठ का व्यायाम करने का एक और आसान तरीका है. जब सही तरीके से किया जाता है, तो डिप्स आपके ऊपरी शरीर में मांसपेशियों को जोड़ सकते हैं. यह वर्कआउट बेंच प्रेस जैसे अन्य अभ्यासों के लिए आपकी ताकत बनाने में भी मदद कर सकती है.

- कुर्सी या बेंच के किनारे पर बैठ जाएं और किनारों को अपने हाथों से पकड़ लें.
- सीट से हटें और अपने हिप्स को फर्श की तरफ नीचे करें.
- हथेलियों पर दबाव बनाए रखते हुए इस पोजीशन को होल्ड करें.
- धीरे-धीरे बैठने की स्थिति में लौट आएं.

5. पुल अप्स

पुल-अप आपकी मांसपेशियों के आकार को बढ़ाने का एक शानदार तरीका है. अगर आप एक नौसिखिया हैं, तो सरल पुल-अप करके शुरू करें और धीरे-धीरे ताकत हासिल करने के साथ-साथ भारित पुल-अप पर शिफ्ट हो जाएं. अगर आप वजन बढ़ाने का यह व्यायाम घर पर कर रहे हैं, तो आप इसे करने के लिए पुल-अप बार का उपयोग कर सकते हैं.

- पुल अप बार को दोनों हाथों से पकड़ें, जबकि आपकी हथेलियां आपसे दूर हों और भुजाएं कंधे-चौड़ाई अलग हों.
- अपने आप को इतना ऊपर उठाएं कि आपके पैर जमीन को न छूएं और ऐसा तब तक करते रहें जब तक आपकी ठुड्डी बार के ऊपर न हो जाए.

ये 5 खुशबूदार मसाले तेजी से पिघलाते हैं पेट का मोटापा

तेजी से वजन कम करने के तरीके या आसानी से फैट घटाने के उपाय जैसे सवाल हर किसी के जहन में घूमते हैं जो मोटापे से परेशान हैं या जो स्लिम फिट बॉडी पाना चाहते हैं. बहुत से लोग जल्दी वजन कम करने के लिए क्रैश डाइटिंग और फैड डाइट का सहारा लेते हैं; हालांकि, यह एक हेल्दी ऑप्शन नहीं है. इसके बजाय वजन कम करने के लिए कुछ हेल्दी फूड ऑप्शन्स को शामिल करना सबसे अच्छा है, जो पेट की चर्बी के साथ फैट घटाने में मदद कर सकते हैं.

1) दालचीनी

भारतीय रसोई में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली दालचीनी तेजी से वजन कम करने में सबसे ज्यादा मदद करती है. ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है. इसके अलावा, पानी से भरा एक चम्मच पीने से मेटाबॉलिक रेट बढ़ता है जिससे फैट तेजी से कम होता है. जब कोई व्यक्ति इंसुलिन रेजिस्टेंट हो जाता है, तो व्यक्ति द्वारा खाया जाने वाला कार्ब्स शुगर में बदल जाता है.

2) सौंफ

एक और भारतीय मसाला जो वजन कम करने में मदद करता है वह है सौंफ. आप इसे अपनी चाय में भी मिला सकते हैं. ए, सी और डी जैसे विटामिन से भरपूर होने के अलावा सौंफ की चाय में कई एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो आपके मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करेंगे. एक बेहतर पाचन स्वचालित रूप से हेल्दी तरीके से वजन घटाने में मदद कर सकता है.

3) मेथी

मेथी अपने प्राकृतिक फाइबर सामग्री के कारण भोजन की लालसा को भी दबाने में मदद कर सकती है. यह फाइबर से भरपूर होता है, यह आपको भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आपको अधिक खाने से रोकता है. मेथी आपके डायटरी फाइबर और कैलोरी की मात्रा को कम करने में आपकी मदद कर सकती है. मेथी फाइबर को तृप्ति को बढ़ावा देकर वजन घटाने में सहायता के लिए दिखाया गया है.

4) इलायची

इलायची खाने से मेटाबॉलिक प्रक्रिया को बढ़ाने में मदद मिलती है. इलायची में मेलाटोनिन जैसे आवश्यक घटक होते हैं जो मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं. जैसे-जैसे मेटाबॉलिक रेट बढ़ती है, शरीर तेजी से फैट को कम करना शुरू कर देता है और अधिक ऊर्जा छोड़ता है.

5) काली मिर्च

काली मिर्च भी आपके शरीर के लिए चमत्कारी काम करती है. यह अद्भुत मसाला आपके मेटाबॉलिज्म के लिए एक बूस्टर है. अगर आप उन अतिरिक्त किलो को कम नहीं कर पा रहे हैं, तो आपको बस अपनी ग्रीन टी में एक चुटकी काली मिर्च मिलाना है और इसे दिन में दो से तीन बार पीना है.

भारत-न्यूज़ीलैंड पहला टेस्ट- पंत के दाएं घुटने पर चोट:लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए, जुरेल को बुलाया; कॉन्वे सेंचुरी चूके

बेंगलुरु. बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच के पहले दिन यानी बुधवार 16 अक्टूबर को बारिश के कारण टॉस नहीं हुआ था। ऐसे में दूसरे दिन टॉस हुआ। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, ये फैसला सही साबित नहीं हुआ, क्योंकि भारतीय टीम 46 रन पर ढेर हो गई। अपनी सरजमीं पर टेस्ट पारी में भारत का ये सबसे कम स्कोर है। एशिया में किसी भी टीम का ये सबसे कम स्कोर है। मैट हेनरी ने 5 विकेट चटकाए और 4 विकेट विल ओराउर्की को मिले। न्यूजीलैंड को लेथम और कॉनवे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी हुई। कप्तान टॉम लेथम 15 रन ही बना सके। विल यंग और कॉन्वे

ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। कॉनवे 91 रन बनाकर आउट हुए। अश्विन ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया।

भारतीय टीम की डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह आसान नहीं

भारतीय टीम का लक्ष्य अब आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचाना है। इसके लिए भारतीय टीम को अब तीन मैचों में जीत चाहिये। भारतीय टीम को हालांकि पिछले

दो अवसरों पर उसे खिताबी हार का सामना करना पड़ा। पहली बार फाइनल में उसे न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। भारत इस समय आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर है पर फाइनल की राह अभी आसान नहीं है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत प्रकार टीम पहली पारी में 46 रनों पर सिमटी है उससे पहला टेस्ट उसके हाथ से निकलता जा रहा है। भारतीय टीम के पास अभी 11 टेस्ट खेलने के बाद 74.24 अंक फीसदी है। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के 12 टेस्ट के बाद 62.50 अंक जिससे वह और भारतीय टीम फाइनल में पहुंचने के लिए पसंदीदा बन गए हैं जबकि श्रीलंका 9 टेस्ट के बाद 55.56 के साथ तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड 17 के बाद 45.59 के साथ चौथे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका 38.89 के शीर्ष पांच में शामिल है। भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए तीसरे नंबर की टीम श्रीलंका से भी खतरा है। श्रीलंकाई टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में शानदार जीत हासिल की है। उसे अब दक्षिण अफ्रीका से खेलना है। इंग्लैंड भी अभी पाकिस्तान के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रहा है उसने पहला टेस्ट जीता है अगर वह ये सीरीज और आने वाली सीरीज जीतता है तो वह भी शीर्ष टीमों के लिए खतरा बन सकता है।

नीतू आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली दूसरी क्रिकेटर बनी

दुबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। नीतू यह सम्मान हासिल करने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। नीतू के नाम टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 53 रन देकर आठ विकेट लेने का रिकार्ड है। इससे पहले पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को भी आईसीसी हॉल ऑफ फेम से सम्मानित किया गया था। वहीं पुरुष वर्ग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स और इंग्लैंड के एलिस्टेयर कुक को भी हॉल ऑफ फेम का अवार्ड मिला है। भारतीय महिला टीम की चयन समिति की मौजूदा अध्यक्ष नीतू को पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को शामिल किए जाने के एक साल बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। बाएं हाथ की स्पिनर नीतू ने भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच (10 टेस्ट और 97 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय) खेले। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 47 साल की नीतू 141 विकेट के साथ भारत की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह 50 ओवर के प्रारूप में 100 विकेट के आंकड़े को छूने वाली देश की पहली महिला गेंदबाज भी रहीं।

अवार्ड मिलने से उत्साहित नीतू ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बेहद सम्मान की बात है जिसे मैं राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सम्मान मानती हूं। उन्होंने कहा, 'यह इस महान खेल के लिए जीवन भर के समर्पण के बाद आता है और यह मेरे लिए यहां तक पहुंचने की एक बहुत ही विशेष यात्रा है।

नीतू ने कहा, 'अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों के साथ हॉल ऑफ के विशिष्ट क्लब का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। गौरतलब है कि नीतू ने 1995 में 17 साल की उम्र में नेल्सन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। उन्होंने 1995 में ही जमशेदपुर में इंग्लैंड के खिलाफ आठ विकेट लिए थे जो आज भी महिला टेस्ट में एक पारी में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत गेंदबाजी प्रदर्शन है। नीतू ने 10 टेस्ट में 41 विकेट लिए जबकि 97 एकदिवसीय मुकाबलों में 16.34 के औसत से 141 विकेट हासिल किए। नीतू ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया लेकिन दो साल बाद अपना फैसला बदलते हुए एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप और भारत के इंग्लैंड दौरे पर खेलीं। वहीं कुक ने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में इंग्लैंड की ओर से खेला है। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक टेस्ट रन और शतक बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। वह कप्तान के रूप में भी काफी सफल रहे जबकि डिविलियर्स ने 14 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में तीनों प्रारूपों में 20 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। मैदान के चारों तरफ शॉट खेलने की क्षमता के लिए डिविलियर्स को 'मिस्टर 360 भी कहा जाता है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की ओर से एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक, शतक और 150 रन का रिकॉर्ड बनाया और उन्हें खेल के इतिहास के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल किया जाता है।

शतक लगाकर बोले डकेट हम मैच में बने हुए , पाक पर रहेगा दबाव

मुल्तान (ईएमएस))। इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार शतक लगाने के बाद कहा कि उनकी टीम को तेज शुरुआत नहीं मिली पर इसके बाद भी उनकी टीम ही हावी रहेगी। मेजबान पाकिस्तान ने पहली पारी में 366 रन बनाये थे जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम अपने अंदाज में आक्रामक शुरुआत नहीं कर पायी। डकेट ने हालांकि 114 रन बनाए। डकेट ने मैच के दौरान इंग्लैंड की धीमी बल्लेबाज को लेकर कहा कि ये हालातों के अनुसार होता है। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 6 विकेट पर 239 रन बनाये। दिन का खेल खत्म होने के बाद, डकेट ने कहा कि तीसरे दिन के खेल में दबाव पाकिस्तान पर रहेगा।

डकेट ने बताया कि खेल के हालातो चाहे जो भी हो, हम हमेशा मानते हैं कि हम जीत सकते हैं। कल पहला सत्र बहुत बड़ा होने वाला है। यदि हम अधिक से अधिक रन बनाये तो मेजबानों पर दबाव बना सकते हैं। हम जानते हैं कि वे ढह सकते हैं और इसलिए उन पर दबाव खत्म हो गया है। हम सीरीज में 1-0 से आगे हैं, पिछली सीरीज हमने 3-0 से जीती थे और हम जानते हैं कि वे इसे क्या कर सकते हैं। हम हमेशा मानते हैं कि हम खेल में हैं। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज़ी के बेहतर प्रदर्शन से अपनी वापसी कर मेहमान टीम के 6 विकेट 239 रन गिरा दिये। पाकिस्तान के लिए गेंदबाज साजिद खान ने तीन अहम विकेट लिए। ।

डकेट ने कहा कि यदि हम कोशिश कर सकें और उनके लक्ष्य के जितना करीब पहुंच सकें, खेल आगे बढ़ेगा और यह एक अच्छा खेल होगा। हम देख सकते हैं कि उन्होंने कैसी गेंदबाजी की।

शाकिब घरेलू मैदान में अंतिम टेस्ट खेलकर संन्यास ले सकते हैं शाकिब

बांग्लादेश के स्टार आलराउंडर शाकिब अल हसन की घरेलू दर्शकों के सामने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की इच्छा पूरी हो सकती है। चयन समिति ने उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रहे टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया है। वहीं शाकिब का कहना है कि पूरी सुरक्षा मिलने पर ही वह ये मैच खेलेंगे। शाकिब ने इससे पहले भारत दौरे में ही घोषणा कर दी थी कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर अपना अंतिम टेस्ट खेलना चाहते हैं पर इसके लिए उन्हें सुरक्षा मिलनी चाहिये। । शाकिब पर छात्र आंदोलन के दौरान एक छात्र की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया गया था जिसके कारण उनपर मुकदमा दर्ज है। शाकिब अभी कनाडा में एक टी20 लीग में खेल रहे हैं। वहीं बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के नए अध्यक्ष फारूख अहमद ने शाकिब के अनुरोध को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि बोर्ड उन्हें सुरक्षा गारंटी कैसे दे सकता है क्योंकि वह सुरक्षा एजेंसी नहीं है। दूसरी ओर अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने कहा कि शाकिब को सुरक्षा तभी दी जाएगी जब उनका राजनीतिक रुख स्पष्ट हो जाएगा।

मुंबई इंडियंस के कोच बने म्हाम्ब्रे

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे अब आईपीएल के अगले सत्र में मुंबई इंडियंस के कोच के तौर पर नजर आयेंगे। म्हाम्ब्रे के कोच बनने से पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस की टीम को ओर बेहतर होने का भरोसा है। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के तौर पर म्हाम्ब्रे का कार्यकाल इस साल टी20 विश्व कप के साथ ही समाप्त हो गया था।

वहीं मुंबई इंडियंस ने कहा कि म्हाम्ब्रे गेंदबाजी कोच के तौर पर लसिथ मलिंगा और मुख्य कोच महेला जयवर्धने के साथ मिलकर काम करेंगे। वहीं जयवर्धने दो साल के बाद एक बार फिर से मुंबई इंडियंस से जुड़े हैं। म्हाम्ब्रे भी इससे पहले मुंबई इंडियंस के साथ रहे हैं। उनके कोचिंग स्टाफ में रहते ही इस फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2013 में और चैम्पियंस लीग टी20 में 2011 और 2013 में खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस ने सोमवार को जयवर्धने को मुख्य कोच के तौर पर फिर से अपनी टीम में शामिल किया था जिन्होंने 2017 से 2022 के बीच टीम को अपने मार्गदर्शन में तीन जिताये थे।

ऋषभ की जगह अक्षर बन सकते हैं दिल्ली के कप्तान

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)

2025 में ऋषभ पंत शायद ही दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहें। एक रिपोर्ट के अनुसार फ्रैंचाईजी ऋषभ को सबसे अधिक रकम पर रिटेन तो करेगी पर कप्तानी उनसे वापस ली जा सकती है। मेगा नीलामी से पहले ही कैपिटल्स ये बदलाव कर सकती है। आईपीएल 2024 में ऋषभ टीम के कप्तान रहे थे। दिल्ली कैपिटल्स उन्हें 18 करोड़ रुपये में रिटेन कर सकती है, लेकिन कप्तानी की जिम्मेदारी अक्षर पटेल को सौंपी जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल को टीम की कमान सौंप सकती है या फिर आईपीएल 2025 मेगा नीलामी से पहले किसी और खिलाड़ी को कप्तान के तौर पर जोड़ सकती है। ये भी कहा जा रहा है कि अक्षर नए कप्तान की जिम्मेदारी संभालते हैं तो ठीक नहीं तो फ्रेंचाइजी देख सकती है कि नीलामी में कौन खिलाड़ी कप्तानी के योग्य है और उसे खरीद लिया जाएगा। फ्रेंचाइजी का मानना है कि ऋषभ दिल्ली के लिए टॉप रिटेंशन हैं पर कप्तानी का भारत हटने पर वह और बेहतर खेल सकेंगे।

कप्तान के तौर पर ऋषभ का कार्यकाल कुछ खास नहीं रहा। दिल्ली की टीम ने एक बार ही आईपीएल फाइनल खेला है, जो साल 2021 में था। उस समय श्रेयस अय्यर कप्तान थे। इसके अगले साल अय्यर चोटिल हो गए तो फिर ऋषभ को दिल्ली की कप्तानी सौंप दी गई पर टीम को सफलता नहीं मिली।

सनराइजर्स हैदराबाद ने क्लासेन सहित तीन खिलाड़ियों को रिटेन किया

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र के लिए सनराइजर्स हैदराबाद फ्रैंचाइजी ने तीन खिलाड़ियों को अपने पास (रिटेन) बरकरार रखने का फैसला किया है। इसमें दो विदेशी और एक भारतीय खिलाड़ी शामिल है। सनराइजर्स ने आईपीएल 2025 सत्र के लिए दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर हेनरिक क्लासेन को पहले बरकरार रखे गये खिलाड़ी के रुप में शामिल किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार क्लासेन को 23 करोड़ रुपए दिये जाएंगे। वहीं फ्रैंचाइजी ने ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पैट कमिंस को 18 करोड़ रुपए जबकि भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को 14 करोड़ रुपए पर अपने पास बनाये रखा है।

आईपीएल ने हाल ही में यह तय किया था कि फ्रैंचाइजी अपने 2024 दल से अधिकतम छह खिलाड़ियों को बरकरार रख सकती है। जिसमें अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय या विदेशी) और दो अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी शामिल रहेंगे। नीलामी के दौरान फ्रैंचाइजी अपने खिलाड़ियों को बनाए रखने के लिए रिटेंशन डील और राइट-टू-मैच (आरटीएम) कार्ड का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

साल 2025 की नीलामी के लिए 120 करोड़ रुपए तय किये गये हैं। आईपीएल ने पहले तीन कैप्ड रिटेंशन के लिए 18 करोड़ रुपए, 14 करोड़ रुपए और 11 करोड़ रुपए और अगले दो के लिए 18 करोड़ रुपए और 14 करोड़ रुपए के रिटेंशन स्लैब स्थापित किए हैं। वहीं अनकैप्ड भारतीय अधिकतम 4 करोड़ रुपए प्राप्त कर सकते हैं। फ्रेंचाइजी अपने पांच कैप्ड खिलाड़ियों के बीच 75 करोड़ रुपए के कैप्ड रिटेंशन पॉट को अपनी इच्छानुसार आवंटित कर सकती हैं। सफल आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए मुख्य खिलाड़ियों को बनाए रखना एक रणनीति रही है और सनराइजर्स इसी नीति का पालन करती दिख रही है।

बॉर्डर गावस्कर सीरीज में बुमराह पर अंकुश लगाना होगा : कमिंस

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी टीम को अगले माह भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर अंकुश लगाये रखना होगा। कमिंस ने कहा कि अगर उनकी टीम को इस सीरीज में जीत चाहिये तो उन्हें किसी भी हाल में बुमराह को रोकना होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के अनुसार बुमराह अभी लय में हैं और हमारी उछल भरी पिचों पर उनकी गेंदों को खेलना आसान नहीं रहेगा। भारत ने साल 2014-15 से यह ट्रॉफी लगातार जीती है। उसने दो बार ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर हराया। कमिंस ने कहा, ''मैं बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह एक शानदार गेंदबाज हैं। अगर हम उस पर अंकुश कसने में सफल रहते हैं तो इससे हमें सीरीज जीतने में काफी सहायमता मिलेगी।''

कमिंस ने कहा कि उनकी टीम रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप की जीत से प्रेरित होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, ''हमने उनके खिलाफ जो पिछली दो सीरीज

खेली थी उन्हें काफी समय हो गया है। हम उससे उबर चुके हैं।'' कमिंस ने कहा,''मैं उनके रोहित शर्मा साथ एक टीम में कभी नहीं खेला इसलिए मैं उन्हें बहुत अच्छी तरह से नहीं जानता पर मुझे पता है कि भारतीय टीम काफी संगठित हैं और उनकी रणनीति सटीक है।''

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा,'' हम पिछले कुछ साल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल और एकदिवसीय विश्व कप में जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। हम इनसे प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे जैसे कि उनकी टीम यहां अपनी पिछली कुछ सफलताओं से प्रेरणा लेने के प्रयास करेगी।'' कमिंस ने कहा कि भारतीय टीम में इस बार चेतेश्वर पुजारा नहीं रहेंगे जिससे भी हमें लाभ होगा। पिछल सीरीजों में भारतीय टीम की जीत में पुजारा की अहम भूमिका रही थी। वह एक छोर संभाले रखते थे और उन्हें आउट करना कठिन होता था।

बीसीसीआई अब मंधाना या जैमिमा को नया कप्तान बना सकती है

मुंबई (ईएमएस)। आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर को पद से हटाया जाना तय माना जा रहा है। हरमनप्रीत की जगह नई कप्तान बनाने का दबावा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर बढ़ता जा रहा है। कई दिग्गजों का मानना है कि अब भविष्य को देखते हुए किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी सौंपनी चाहिये। ऐसे में बीसीसीआई जल्द ही हरमनप्रीत की जगह नई कप्तान चुन सकती है। नये कप्तान के लिए स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स को सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। पूर्व कप्तान मिताली राज का मानना है कि अगर भारतीय टीम प्रबंधन नए कप्तान की ओर देख रही है, तो निर्णय लेने का यही सही समय है। साथ ही कहा कि मंधाना अनुभवी हैं पर युवा जेमिमा को कप्तान बनाया जाना ज्यादा बेहतर रहेगा। मिताली ने कहा, अगर चयनकर्ता बदलाव का मन बना रहे हैं तो मैं एक युवा कप्तान के साथ जाऊंगी। बदलाव का यही समय है क्योंकि अगर आप और देर करेंगे, तो अगले अक्टूबर में वनडे विश्व कप भी है। अगर आप अभी कप्तान नहीं बदलेंगे तो बाद में कप्तान बदलने का कोई मतलब नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, स्मृति मंधाना 2016 से उपकप्तान हैं और वह एक अच्छा विकल्प हैं लेकिन मैं जेमिमा के साथ जाना चाहूंगी क्योंकि वह अभी 24 वर्ष की हैं और काफी युवा हैं। वह अधिक समय तक टीम का नेतृत्व कर सकती हैं। वह एक ऐसी खिलाड़ी हैं जो मैदान पर अपने साथ काफी ऊर्जा लेकर आती हैं। वह हर किसी से बात करती हैं। मैं इस टूर्नामेंट में उनसे काफ़ी प्रभावित हुई।

अंजुम ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिटनेस और फील्डिंग पर उठाये सवाल

अंजुम चोपड़ा ने टीम की फिटनेस और फील्डिंग पर सवाल उठाये हैं। अंजुम ने कहा कि टीम के टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन पर किससे सवाल करें से समझ नहीं आ रहा। विश्व कप से पहले फिटनेस और फील्डिंग को बढ़ाने के लिए भारतीय टीम के थिंक-टैंक ने काफी तैयारी की थी पर परिणाम शून्य रहा। भारतीय टीम ग्रुप-स्तर से ही बाहर हो गयी। फील्डिंग का स्तर इतना खराब था कि खिलाड़ियों ने 4 मैचों में नौ कैच छोड़े। इसके अलावा कई मिसफील्ड भी हुए। ऋचा घोष भी विकेटकीपर के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाईं और उन्होंने कई बार रन दे दिये। इस को लेकर अंजुम ने कहा कि मैं पिछले 35 सालों से यह सुन रही हूं कि फिटनेस और फील्डिंग पर काम चल रहा है। यदि आपने अभी तक इसमें सुधार नहीं किया है, तो मुझे नहीं पता कि किससे पूछताछ करने की जरुरत है। इस बार में जब भी पूछा जाता है तो जबाव मिलता है कि हमें सीमित सुविधाएं मिली हैं और हम अभी भी अपनी फिटनेस और क्षेत्ररक्षण में सुधार कर रहे हैं। फिर, हम सुन रहे हैं कि हम विश्व कप से पहले एक फिटनेस और फील्डिंग कैंप आयोजित कर रहे हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि आप अपने बड़े होने के दौरान फिटनेस सीखते हैं और जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं आप बेहतर होते जाते हैं। वास्तव में यही रास्ता होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि जब आप 20 साल के होते हैं तो आप सबसे फिट हो जाते हैं और जब आप 30 या उसके आसपास के होते हैं तो आप अपनी फिटनेस खो देते हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन महिला मुक्केबाज क्रिस्टी पर बन रही फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। सुपर वेल्टरवेट वर्ग में विश्व चैंपियन रहीं महिला मुक्केबाज क्रिस्टी मार्टिन की जिंदगी पर एक फिल्म बन रही है। इसमें क्रिस्टी की भूमिका हॉलीवुड अभिनेत्री सिडनी स्वीनी निभाएंगी। सिडनी ने उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी दिखाया है कि वह इसके लिए कितने प्रयास कर रही हैं। इस एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी ताजा तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह मुककेबाजी सीख रही है। इन तस्वीरों में सिडनी का हेयर स्टाइल 1990 के दशक की याद करा रहा है। स्वीनी डेविड मिचॉड द्वारा निर्देशित इस अनटाइटल्ड स्पोर्ट्स बायोपिक में मार्टिन की भूमिका निभा रही हैं, जिसका निर्माण हाल ही में शुरू हुआ है। एक पूर्व मुक्केबाज मार्टिन ने 1989-2012 तक तरीके से खेला और साल 2009 में सुपर वेल्टरवेट वर्ग में विश्व चैंपियन रहीं। स्वीनी ने बायोपिक के बारे में लिखा 'मैं पिछले कुछ महीनों से एक अविश्वसनीय और शानदार महिला की कहानी को जीवंत करने की ट्रेनिंग में डूबी रही हूं एक सच्ची चैंपियन जिसने रिंग के अंदर और बाहर दोनों जगह मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी।' स्वीनी ने कहा उनकी जिंदगी की यात्रा को आप सभी के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं और गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। जल्द ही आपके लिए और भी बहुत कुछ आने वाला है। साल 2020 में मार्टिन को इंटरनेशनल बॉक्सिंग हॉल ऑफ फेम के लिए चुना गया था।

एशेज सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाली 2025-26 की एशेज सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। अगले साल 21 नवंबर से शुरु होने वाली इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) इस सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें पर्थ 21 नवंबर को पर्थ में पहला मैच होगा। वहीं ब्रिस्बेन के गाबा में 4 दिसंबर से दिन-रात का दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं एडिलेड ओवल में तीसरा टेस्ट होगा। तीसरा टेस्ट प्री-क्रिसमस टेस्ट होगा, जो अगले दो टेस्ट, बॉक्सिंग डे टेस्ट, 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में सीरीज का चौथा मैच और 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में नए साल का सीरीज का अंतिम मैच होगा।

एडिलेड ऑस्ट्रेलिया में सबसे पहले दिन-रात का पहला टेस्ट पहला मैच 2015 में हुआ था। इसके अलावा इस मैदान में साल 2017-18 और 2021-22 सीरीज में दो दिन-रात के टेस्ट हुए थे। गाबा ने पहले तीन दिन-रात टेस्ट की मेजबानी की थी जिसमें इस साल की शुरुआत में जनवरी में वेस्टइंडीज की प्रसिद्ध जीत भी शामिल थी।

यह पहली बार है जब ब्रिसबेन को 1982-83 के बाद से एशेज सीरीज के पहले मैच की मेजबानी नहीं मिली है। पर्थ पहला टेस्ट आयोजित करेगा और दूसरा टेस्ट ब्रिसबेन में होगा। इस बात की अच्छी संभावना है कि एशेज 2025-26 गाबा टेस्ट स्टेडियम में आखिरी टेस्ट होगा क्योंकि 2026-27 और उसके बाद वहां कोई टेस्ट निर्धारित नहीं है। स्टेडियम अपनी मौजूदा स्थिति में 2030 तक उपयोग करने योग्य नहीं होगा।

सीए के कार्यकारी महाप्रबंधक (कार्यक्रम और संचालन) जोएल मॉरिसन ने पर्थ में कहा, 2025-26 एशेज की तिथियां हमारे हाल ही में जारी सात साल के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ हैं और हम राज्य और क्षेत्रीय सरकारों द्वारा हमारे प्रमुख आयोजनों को बढ़ाने और विकसित करने के लिए दिए जा रहे समर्थन के लिए आभारी हैं।

अब देश के सबसे धनी खिलाड़ी बन जाएंगे अजय जडेजा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जामनगर राजगद्दी के उत्तराधिकारी बनने के बाद अब हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक बन गये हैं और इस मामले में सबसे आगे निकल गये हैं। जामनगर का महाराजा बनने के बाद उन्हें विरासत में 1450 करोड़ रुपये की संपत्ति मिलेगी। इसके साथ ही वह जामनगर में स्थित एक भव्य शाही महल में रहेंगे। उनका निवास आधुनिक विलासिता और पारंपरिक वास्तुकला का बेहतरीन मिश्रण है। अजय जडेजा अब देश के सबसे धनी खिलाड़ी भी बन जाएंगे। इस मामले में वह स्टार क्रिकेटर विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 1,000 करोड़ आंकी गई जडेजा 90 के दशक में अपने खेल के कारण छाये रहते थे। वह एक बेहतरीन बेट्समैन और जबरदस्त फील्डर और कप्तान रहे हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद जडेजा ने फिल्मों में भी आये पर उसमें सफल न होने के बाद क्रिकेट से जुड़ी भूमिकाओं में ही व्यस्त रहे। वहीं अब उन्हें रियासत को संभालने की जिम्मेदारी मिली है। दशहरा के अवसर पर महाराजा शत्रुसल्य सिंह जी दिग्विजयसिंह जी जडेजा ने अजय जडेजा को जामनगर शाही सिंहासन का उत्तराधिकारी घोषित किया था। एक रिपोर्ट के अनुसार , अजय जडेजा की कुल संपत्ति लगभग 1,40 करोड़ रुपये है पर अब वह कई गुना बड़ जाएगी। है।

एमबाप्पे के प्रतिनिधियों ने स्वीडिश मीडिया के आरोपों को आधारहीन बताया

स्टॉकहोम (ईएमएस)। फ्रांस के फुटबॉल स्टार काइलियान एमबाप्पे के प्रतिनिधियों ने कहा है कि उसके खिलाफ बलात्कार के जो भी आरोप लगाये गये हैं वह गलत और आधारहीन हैं। स्टार स्ट्राइकर एमबाप्पे के प्रतिनिधियों ने स्वीडन के मीडिया में छपी उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया है कि उनके खिलाफ बलात्कार के एक मामले में जांच चल रही है।

इससे पहले स्वीडन के मीडिया ने आया था कि एमबाप्पे के खिलाफ बलात्कार के मामले की जांच चल रही है। वहीं अभियोजकों ने मंगलवार को छोटा सा बयान जारी किया कि पुलिस के पास बलात्कार की एक शिकायत आई है पर इसमें किसी का नाम नहीं लिया गया है। इस बयान में कहा गया, 'रिपोर्ट के अनुसार यह घटना स्टाकहोम के एक होटल में 10 अक्टूबर 2024 की है। दूसरी ओर एमबाप्पे की मीडिया टीम ने कहा, 'ये आरोप बिल्कुल झूठे और फर्जी है। एमबाप्पे का इस प्रकार से अपमान सहन नहीं किया जाएगा।

लक्की वांडर्स ने राज्य स्पर्धा में जीत हासिल की

इन्दौर (ईएमएस) लकी वांडरर्स क्लब इन्दौर ने नगर पालिका परिषद बड़नगर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जीत हासिल की। लकी वांडरर्स ने कश्मकश पूर्ण हुए फाइनल मैच में विक्रम स्पोर्ट्स इंदौर को पराजित करते हुए ट्राफी अपने नाम की। इसके पहले लकी वांडरर्स ने सेमीफाइनल मुकाबले में मस्ताना क्लब डकाच्या को हरा फाइनल में प्रवेश किया था। विजेता लकी वांडरर्स क्लब की ओर से वंश पचपेरे (डींचो), मिहिर गुर्जर व अभिषेक लोधी ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

विश्व कप शूटिंग स्पर्धा के लिए कपासिया तकनीकी अधिकारी मनोनीत

इन्दौर (ईएमएस) दिल्ली स्थित करणीसिंह शूटिंग रेंज में आयोजित होने वाली आइएसएसएफ वर्ल्ड कप शूटिंग स्पर्धा में बतौर तकनीकी अधिकारी अपनी सेवाएं देने के लिए के एस कपासिया को आमंत्रित किया गया हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में बतौर तकनीकी अधिकारी सेवाएं देने वाले कपासिया मध्य प्रदेश से एकमात्र व्यक्ति हैं और इसके पहले वे चार वर्ल्ड कप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। निशानेबाजी की इस शीर्ष स्पर्धा वर्ल्ड कप शूटिंग में फाइनल्स के दौरान राइफल, पिस्टल, शाटगन की स्पर्धा आयोजित की जा रही है।

नए सरेंडर नियमों के बाद निजी बीमाकर्ता भी कमीशन ढांचे में करेंगे बदलाव, अगले हफ्ते होगी बैठक

बीमाकर्ताओं द्वारा पॉलिसियों को सरेंडर करने से संबंधित नियमों में बदलाव के बाद निजी क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनियां विभिन्न वितरकों के लिए अपने कमीशन ढांचे में फेरबदल कर सकती हैं। सामंजस्यपूर्ण कमीशन ढांचे की रूपरेखा तैयार करने के लिए अगले हफ्ते जीवन बीमा कंपनियों के प्रमुखों की जीवन बीमा परिषद के साथ बैठक प्रस्तावित है। सूत्रों के अनुसार इस कदम का उद्देश्य पूरे उद्योग में कमीशन भुगतान में स्थिरता सुनिश्चित करना और वितरकों पर इसके असर को कम करना है। जिन विकल्पों पर विचार किया जा रहा है उनमें कमीशन वापस लेना, कमीशन स्थगित करना और कमीशन में कटौती शामिल है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों जैसे बड़े कॉरपोरेट एजेंट के लिए बीमा कंपनियां कमीशन वापस लेने का विकल्प चुन सकती है जबकि व्यक्तिगत एजेंट के मामले में कमीशन स्थगित करना

और उसमें कमी करने पर विचार हो सकता है। हालांकि यह एजेंट के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। उद्योग के जानकारों का कहना है कि निजी बीमाकर्ता अभी वितरकों और एजेंटों के साथ चर्चा कर रहे हैं और अगले दो से तीन महीने में इस बारे में निर्णय ले लेंगे।

एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी विभा पडलकर ने दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद विश्लेषकों से बातचीत में कहा था, 'हम अपने सभी भागीदारों के साथ वाणिज्यिक बदलाव को लागू करने के विभिन्न चरण में हैं। हमने ट्रैक रिकॉर्ड और भागीदार प्राथमिकताओं के आधार पर कमीशन स्थगन, कमीशन में कटौती सहित अनुकूल समाधान अपनाए हैं।' सूत्रों ने कहा कि बीमा कंपनियों का प्रयास है कि नए नियम को लागू करने में कम से कम अड़चन आए। कंपनियों का मानना है कि बेहतर कमीशन की पेशकश के हिसाब से कुछ व्यक्तिगत एजेंट एक से दूसरी कंपनी में जा सकते हैं। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के अनुसार सितंबर तक जीवन बीमा क्षेत्र में 30 लाख से अधिक व्यक्तिगत एजेंट काम कर रहे थे, जिनमें भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ 14.4 लाख एजेंट जुड़े हैं।

निजी क्षेत्र की एक बीमा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कमीशन वापस लेने की व्यवस्था उन वितरकों पर लागू होगी जिनके साथ छोड़ने का बीमा कंपनियां जोखिम उठा सकती हैं। अन्य के मामले में कमीशन स्थगित करना और उसे घटाने का विकल्प अपनाया जा सकता है। अधिकतर बीमा कंपनियों ने हाल में ग्राहकों के लिए आंतरिक रिटर्न दर (आईआरआर) में कमी की है जो मुख्य रूप से ब्याज दर में बदलाव के कारण है। मगर नए सरेंडर वैल्यू मानदंड के कारण आगे इसमें और कटौती की जा सकती है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि बीमाकर्ता प्रतिस्पर्धी बने रहते हुए कितना मार्जिन गंवाने के लिए तैयार है।

इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस के एमडी व सीईओ ऋषभ गांधी ने कहा, 'बीमा उद्योग स्थिरता के लिए कमीशन ढांचे की समीक्षा कर रहा है। इसमें हितधारक की प्राथमिकता के आधार पर कमीशन में स्थगन, उसे वापस लेने और कटौती या इनका मिला-जुला रूप शामिल है।' बिज़नेस स्टैंडर्ड ने पहले खबर प्रकाशित की थी कि सरेंडर वैल्यू नियमों में बदलाव के बाद भारतीय जीवन बीमा निगम ने पॉलिसी के पहले साल के लिए एजेंट को मिलने वाले कमीशन को 35 फीसदी से घटाकर 28 फीसदी कर दिया है। इसके साथ ही नवीनीकरण प्रीमियम पर कमीशन को बढ़ाकर 7.5 फीसदी कर दिया है। इस साल जून में भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण ने जीवन बीमा उत्पादों पर मास्टर सर्कुलर जारी किया था। इसमें समय से पहले पॉलिसी बंद कराने वाले ग्राहकों को बेहतर भुगतान सुनिश्चित करने का प्रावधान किया गया है। नया नियम 1 अक्टूबर से लागू है।

संशोधित नियम के अनुसार बीमाकर्ताओं को पॉलिसी के एक साल पूरा होने और ग्राहकों द्वारा उस साल की पूरी किस्त चुकाने पर ज्यादा विशेष सरेंडर मूल्य का भुगतान करना होगा। पहले कंपनियां ग्राहकों को एक साल में पॉलिसी सरेंडर करने के लिए इस तरह का भुगतान नहीं करती थीं।

भारत से व्यापार में चीन सबसे आगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन इस साल अप्रैल-सितंबर के दौरान भारत के टॉप आयात स्रोत के रूप में उभरा है। इस अवधि में कुल 56.29 अरब डॉलर मूल्य का आयात चीन से हुआ है यानी सामान चीन से भारत आया है। वहीं इसी अवधि में अमेरिका देश के लिए टॉप एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। अमेरिका को सामान का किया जाने वाला निर्यात 5.62 प्रतिशत बढ़कर 40.38 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान चीन से आयात 11.5 प्रतिशत बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में आयात 50.48 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में भारत में होने वाले आयात के शीर्ष 10 स्रोत चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इराक, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर रहे. चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान रूस से आयात बढ़कर 32.18 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 30.43 अरब डॉलर था। इसी तरह यूएई से होने वाला आयात इस अवधि में बढ़कर 31.46 अरब डॉलर हो गया।

सेम्बकॉर्प को 150 मेगावाट पवन-सोलर हाइब्रिड प्रोजेक्ट का मिला कॉन्ट्रैक्ट

सिंगापुर स्थित सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज को उसकी इकाई सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के जरिये 150 मेगावाट की पवन-सौर हाइब्रिड परियोजना का ठेका मिला है। निर्माण-स्वामित्व-संचालन परियोजना एसईसीआई द्वारा जारी 600 मेगावाट की बोली का हिस्सा है। कंपनी बयान के अनुसार, सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज (सेम्बकॉर्प) को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली नवीकरणीय अनुषंगी कंपनी सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के जरिये सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) से 150 मेगावाट इंटर स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) से जुड़ी पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना का ठेका मिला है। इसमें कहा गया, इस परियोजना से उत्पादित बिजली को 25 साल तक चलने वाले दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत

एसईसीआई को बेचा जाएगा। हालांकि, यह पीपीए के निष्पादन तथा परियोजना के पूरा होने पर निर्भर करेगा। परियोजना के पीपीए पर हस्ताक्षर की तारीख से 24 महीने के भीतर वाणिज्यिक संचालन के लिए तैयार हो जाने की उम्मीद है। इसका वित्तपोषण आंतरिक निधियों तथा ऋण के जरिये किया जाएगा। इस ठेके के साथ भारत में सेम्बकॉर्प का सकल नवीकरणीय ऊर्जा खंड 4.9 गीगावाट हो गया है।

सेवेंटीन ने जीयूवीएनएल के साथ पहला हाइब्रिड बिजली खरीद समझौता किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड की शाखा जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी सेवेंटीन लिमिटेड ने एसटीयू से जुड़ी 192 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि यह समझौता पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए कंपनी का पहला बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है। बयान के अनुसार, पीपीए पर 3.27 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर से 25 वर्ष की अवधि के लिए बिजली आपूर्ति के लिए हस्ताक्षर किए गए हैं। इस परियोजना के 24 महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। इसे गुजरात में एसटीयू (राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटीज) से जोड़ा जाएगा।

76,713 के नए रिकॉर्ड स्तर पर सोनाः अब तक 13,361 रु. महंगा हुआ, 78 हजार तक जा सकता है

नई दिल्लीः सोना आज यानी 17 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 160 रुपए बढ़कर 76,713 रुपए पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले इसके दाम 76,553 रुपए प्रति दस ग्राम थे। हालांकि, चांदी की कीमत में आज गिरावट है। ये 944 रुपए गिरकर 90,568 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे एक दिन पहले चांदी 91,512 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,260 है।
मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,110 रुपए है।
कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,110 रुपए है।
चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,110 रुपए है।
भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,160 है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं, चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

सेंसेक्स में 500 अंक की गिरावटःये 81,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा

शेयर बाजार में आज यानी 17 अक्टूबर को गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 500 अंक की गिरावट के साथ 81,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 200 अंक से ज्यादा की गिरावट है, ये 24,800 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज ऑटो, एफएमसीजी और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं आईटी और एनर्जी शेयर्स में बढ़त। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में गिरावट और 8 शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। एशियाई बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.36% और चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.07% ऊपर कारोबार कर रहा है।

लॉफिंग ज़ोन

मालिक (मजदूर से) 'बाकी सारे मजदूर दो-दो बोरियां उठा कर ले जा रहे हैं और तुम एक ही क्यों ले जा रहे हों?'

मजदूर : हुजूर, ये सब के सब आलसी हैं। मेरी तरह दो चक्कर लगाने से बच रहे हैं।

टीचर (किताब खोलते हुए): प्रवीण बताओ मैं कल कहा पढ़ा रहा था?

प्रवीण: सर भूल भी गए। इसी कक्षा में तो पढ़ा रहे थे आप।

हार्मोनियम हाउस के कर्मचारी ने मिस बेसुरी के घर की घंटी बजाई दरवाजा खुलने पर बोला 'मैडम आपका हार्मोनियम ठीक करने आया हूं।'

'मगर मैंने तो आप को नहीं बुलाया।'

'जी हां, आपने नहीं आपके पड़ोसियों ने बुलाया है।'

रिंकू ने चिड़चिड़ाते लहजे में टिंकू से कहा, 'इस वक्त मुझे तंग मत करो। मेरे दिमाग में आग लगी है।'

टिंकू, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि किसी चीज के जलने की बदबू कहां से आ रही हैं।'

दैनिक पंचांग

18 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

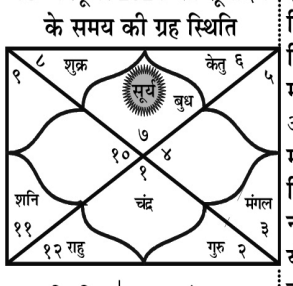

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.54 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	08.13 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	10.29 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.34 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.20 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	मीन	15.53 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.24 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.04 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	21.02 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.15 बजे से
10.30 से		सिंह	01.31 बजे से
12.00 बजे तक		कन्या	03.43 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 292 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 13.16 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 13.26 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 21.34 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 13.16 बजे तदनन्तर तैतिल 23.30 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 09° 43' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872136 **जूलियन दिन** 2460601.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 14 **विशेष** इष्टि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8161

बाएँ से दाएँ
1. रमण योग्य-4
4. साल, वर्ष-3
6. बांया-2
7. राय, वोट-2
9. तकरार, कहासुनी-4
11. अंधकार, अंधेरा-3
12. सरल, आसान-3
13. चील, ईगल-2
14. देवदास की प्रेमिका-2
15. सूली, क्रूस-3
17. कारण-3
19. मन को हरने वाला-4
21. कार्य, काज-2
23. बाण, तीर-2
24. दबाना, कुचलना-3
25. हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे
1. परंपरा, रीति-रिवाज-4
2. संस्कृत में 'मेरा'-2
3. भरोसा, विश्वास-3
4. दीदी, भगिनी-3
5. समान, एक जैसा-2
8. अंधेरा, अंधकार-3
9. बोरिया बिस्तर-4
10. रिहा-2
12. तालाब, जलाशय-4
15. तमीज, शिष्टता-3
16. मछली, एक राशि-2
18. ज्वरताप-4
19. चिंतन, विचार-3
20. रनिवास (उर्दू-3)
22. नशा, अभिमान-2
23. पार्थिव देह, लाश-2

शब्द पहेली -8160 का हल

गी	ला	■	गा	य	क	■	दी	प
ति	■	बा	ल	■	चा	बी	■	व
का	ज	ल	■	भा	■	ना	खू	न
■	ल	■	बा	व	न	■	न	■
स	म	त	ल	■	ख	ट	ख	ट
■	ह	■	क	रा	रा	■	रा	■
प	ल	क	■	वी	■	शा	बा	श
र	■	ला	ल	■	आ	प	■	ह
ख	त	■	ता	जु	ब	■	ती	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7702

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	8	21	32	36	■	10	18	31	■
27		7		8	■	5		9	18
22	2		5		■		3		16
18		7		4		■		7	13
■	■	■	9		7		5		33
33		5		8		2	■	■	■
11	3		■		6		3		27
11		5		■		6		5	19
18	8		4	■	6		7		26
■	17	24	6	■	35	35	13	16	■

अंकजाल 7701 का हल

■	13	13	35	19	19	■	22	26	■
30	6	8	7	5	4	■	9	2	11
32	7	5	8	7	5	■	3	8	11
■	■	■	2	7	3	4	2	6	24
19	7	9	3	■	7	2	5	2	16
29	5	7	8	9	■	2	3	8	13
31	5	6	7	3	6	4	■	■	■
10	5	5	■	6	3	4	7	8	28
13	8	5	■	8	6	4	4	5	27
■	30	32	■	26	15	20	11	13	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6646

3	6		4		7	5
1	25	3	31	5	37	
		7				4
7	37	6	40	2	24	3
		5			1	
5	33		37	6	29	
4		1	3		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6645 का हल

6	3	1	5	2	7	4
2	29	4	29	6	29	1
7	4	2	6	3	1	5
3	31	6	38	7	30	2
1	5	3	7	4	2	6
4	32	5	36	5	34	7
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1662 हुग्यूनो विद्रोह समाप्त हुआ।
1685 फ्रांस नरेश लुई 14 वें के आदेश के बाद प्रोटेस्टेन्टों ने भागना शुरू किया।
1799 यार्क के ड्यूक ने अल्कामार हालैंड में फ्रांसीसियों के आगे हथियार डाल दिए।
1811 नेपोलियन बोनापार्ट ने अपने राज्य में ब्रिटिश सामानों की होली जलाने का आदेश दिया।
1855 अमरीका में मेक्सिकों से फ्रांसीसी फौजें हाटए जाने की मांग की।
1867 अमरीका ने अलास्का पर औपचारिक रूप से कब्जा किया।
1892 शिकागों और न्यूयार्क के बीच टेलीफोन सेवा शुरू हुई।
1925 फ्रांसीसी फौजों ने दमिश्क पर बमबारी की।
1931 महान अविष्कारक थामस अल्वा एडिसन का निधन।
1972 भारत के प्रथम बहुआयामी हैलीकॉप्टर एसए 315 ने परीक्षण उड़ान भरी।
1993 हैली के खिलाफ अमरीकी तेल प्रतिबंध प्रभावी हुआ।
1999 उड़ीसा में भयंकर चक्रवाती तूफान से 82 लोगों की मृत्यु व हजारों बेघर।
2002 सचिन तेंदुलकर 20 हजार रन बनानेवाले विश्व के पहले खिलाड़ी बने।
2004 तमिलनाडु में कुख्यात चंदन तस्कर वीरप्पन सहित उसके दो साथियों को टास्क फोर्स ने मार गिराया।

गणित पहेली - 6006

39		42		10		5	=	66
	■		■		■		■	
50		5		75		65	=	20
	■		■		■		■	
97		10		26		49	=	12
	■		■		■		■	
63		5		45		3	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
123		32		14		24	=	38 / 53

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 6005

29	+	50	-	30	+	2	=	51
-	■	-	■	÷	■	x	■	-
22	-	20	x	5	-	2	=	8
+	■	-	■	+	■	+	■	-
17	-	8	+	10	+	1	=	20
-	■	-	■	+	■	+	■	+
8	x	20	-	70	÷	2	=	45
=	■	=	■	=	■	=	■	=
16	-	2	+	86	-	7	=	68 / 93

शब्दजाल - 7693

प्र	क	प्र	ग	ति	शी	ल	ब	ना	क	ति
ती	क	ती	प्र	ल	क	व	जी	ग	कृ	ह
क्षा	ड़	प्र	प्र	न	ल	प्र	छ	प्र	आ	दि
ख	क	क	का	ज	ज	पु	का	प्र	प	ल
प	प्र	क	शि	दो	ग	ति	अ	प्र	तू	ग
झ	क	का	त	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण
घ	को	ती	श	प्र	म	प्र	जा	से	व	क
ला	प्र	क	ता	जा	ई	धा	ब	क	फ	लो
श	जा	प्र	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	प्र
प	प	द	र	तै	प	क्रि	जी	र्त	ऐ	ता
प	ती	क	क	षी	प्र	है	या	रा	बा	प

शब्द जाल में 'प्र' से शुरु होनेवाले 10 शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रतीक्षा, प्रकाश, प्रगतिशील, प्रकाशित, प्रकृति, प्रक्रिया, प्रजापति, प्रजासेवक, प्रताप, प्रजाहितैषी.

शब्दजाल - 7692 का हल

मं	स	दौ	ल	त	की	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	क	ह	ग	ला	अ	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	झ	पू	ना	ण	घ	को
पां	इ	ल	म	हैं	प	ल	रं	र	ला	ल
डे	श्क	ल	प	नु	रा	उ	गी	ण	घ	म
ती	दा	ल	श	सं	प	ही	ला	कौ	ला	ल
क	बा	या	र	मे	रा	क	प्या	या	श	गा
क	द	ल	गु	ला	म	स	रा	र	प	न
क	र	ल	प	व	जी	ना	ल	ओ	के	दों
क	क	ल	प	द	या	दि	व्य	ब	प	या
जी	जिं	ल	प	रा	ख	उ	द्दा	ण	घ	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

चौपारण में ब्रॉउन सुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग): चौपारण पुलिस लगातार अवैध कार्यों पर प्रहार कर रही है और अवैध कार्य करने वाले लोगों को दबोच रही है।इसी क्रम मे बिन्देश्वर महतो ने प्रेस रिलीज कर बताया कि पुलिस अधीक्षक हजारीबाग द्वारा गुप्त सूचना मिली की मोटरसाइकिल वाहन संख्या - JH02BD-1225 से चौपारण थाना अन्तर्गत बालाबांध के पास दो व्यक्ति खड़े है जिसके पास ब्राउन सुगर है। जो तस्करी करने का योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर त्वरीत कार्रवाई करने हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा ग्राम बालाबांध मजार के पास पहुँचा तो पुलिस बल को देखकर उक्त मोटरसाइकिल पर सवार दोनों व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगे ।जिसे सशस्त्र बल के सहयोग से दोनों व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पकड़ाये व्यक्ति सुरज कुमार पाण्डेय पिता शत्रुधन पाण्डेय वहीं दूसरा व्यक्ति कोहिनूर सिंह पिता स्वर्गीय अवध सिंह दोनों ग्राम दैहर थाना चौपारण जिला हजारीबाग निवासी का विधिवत तलाशी लेने पर इनलोगो के पास से 15.50 ग्राम (साढ़े पंद्रह ग्राम)ब्राउन सुगर, 3स्मार्ट फोन और कीपैड वाला फोन पाया गया। जिसे विधिवत जप्ती सूची बनाकर जप्त किया एवं इस संबंध में चौपारण थाना कांड सं0-358/- धारा-317)5/(3)521 एवं 0सं0 न्या0भा ((c) / 22 (c)/29 एनडीपीएस एक्ट अंकित कर पकडाये दोनो व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।छापामारी दल मे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल, पुअनि बिन्देश्वर महतो, रतन टुडू, सअनि बादल कुमार महतो व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

विधायक मंगल कालिंदी पर आचार संहिता उल्लंघन करने का आरोप, चुनाव आयोग ने दिया जांच का आदेश

जमशेदपुर । झारखंड में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का गंभीर मामला सामने आया है. चुनाव आयोग ने शिकायत के आधार पर इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं. मामला जमशेदपुर के जुगसलाई विधानसभा अंतर्गत छोटा गोविंदपुर का है, जहां मंगलवार को आचार संहिता लागू होने के बाद भी शिलान्यास का कार्य किया गया. केन्द्रीय चुनाव आयोग ने छोटा गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए राज्य निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सह उपायुक्त को इस मामले की जांच और कार्यवाही के निर्देश दिए हैं. यह शिकायत भाजपा नेता अंकित आनंद द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में उल्लेख किया गया है कि 15 अक्टूबर 2024 को चुनाव की तिथि घोषित होने के बाद, शाम 4:00 बजे के करीब छोटा गोविंदपुर में जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी द्वारा कई योजनाओं का शिलान्यास किया गया है. यह शिलान्यास विधायक निधि के तहत किया गया था और इसमें कुछ स्थानीय कांग्रेस नेता भी उपस्थित थे. आरोप लगाया गया है कि शिलान्यास के दौरान फेसबुक लाइव के माध्यम से इस कार्यक्रम का प्रसारण भी किया गया था, जो कि चुनाव आचार संहिता का सीधा उल्लंघन है.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सिमरिया व चतरा विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदाता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः विधानसभा चुनाव की घोषणा होने के साथ ही जिले में राजनीतिक एवं प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जिला मुख्यालय से प्रशासनिक स्तर पर मतदाता जागरूकता रथ को जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।झारखंड विधानसभा आम चुनाव 2024 के निमित जिले के सिमरिया और चतरा विधानसभा क्षेत्र में पहले चरण में 13 नवंबर 2024 को मतदान होगा। मतदाता जागरूक होकर अपने मत का प्रयोग करें, इसके लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत दोनों विधानसभा क्षेत्र चतरा और सिमरिया के लिए आज समाहरणालय परिसर से दो मतदाता जागरूकता रथ को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ सिमरिया और चतरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्र क्षेत्रों में रोस्टर अनुसार मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य करेगी। हरी झंडी दिखाने के दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी मुकेश कुमार, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद समेत अन्य सम्बंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चतरा अध्यक्षता में पोस्टल बैलेट से मतदान के लिए समीक्षा बैठक की गई

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चतरा रमेश घोलप की अध्यक्षता में अनिवार्य सेवा के पोस्टल बैलेट से मतदान हेतु संबंधित नोडल पदाधिकारी के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई।
इस बैठक के क्रम में अंचल अधिकारी लावालौंग सुमित कुमार ने बताया कि 08 एसेंशियल सर्विसेज में जो पोल डे यानी 13 मई को नियुक्त रहेंगे वैसे लोगों के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा डाक मतपत्र से मतदान करने की व्यवस्था की गई है।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नामित कुल 16 अनिवार्य सेवा है जिसमें चतरा जिले में कुल 8 संचालित अनिवार्य सेवा प्रेस सूचना ब्यूरो/सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, विद्युत विभाग,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,एम्बुलेंस सेवाएं,जेल, पोस्ट और टेलीग्राम, बीएसएनएल,अग्निशमन सेवा समेत अन्य के नोडल पदाधिकारी को जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि वैसे कर्मी जिनका मतदान के दिन ड्यूटी लगी रहतीं है और वो अपने मत का प्रयोग करने से वंचित रह जाते हैं। उसके लिए पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान करने की व्यवस्था की गई है। जिससे वो अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। वैसे सभी कर्मियों की सूची 18 अक्टूबर 2024 के 2 बजे तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। आगे उन्होने बताया बैलेट पेपर से मतदान वाले कर्मियों के लिए संबंधित नोडल पदाधिकारी 12डी एवं 12डी पार्ट 2 फार्म मतपत्र कोषांग(डीआरडी भवन) से प्राप्त कर सकते है। और आगे कहा एसेंशियल सर्विस वाले मतदाता जिनका फार्म बैलेट पेपर के लिए भरा जायेगा वो मतदान दिवस के दिन बूथ पर जाकर मतदान नहीं कर सकेंगे।

रांची शहर में ज्वेलरी का सबसे भव्य शोरूम "सरस्वान ज्वैलर्स" का शुभारंभ

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : राजधानी रांची के मेन रोड में शहर के जाने-माने आभूषण व्यापारी सुशील कुमार गुप्ता ने अपने चौथे शोरूम सरस्वान ज्वेलर्स का शुभारंभ कर दिया है। इस खास मौके पर सुप्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी और ईशा देओल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रही। समारोह की शुरुआत अभिनेत्री हेमा मालिनी एवं ईशा देओल ने डीप प्रज्वलित कर किया। सरस्वान ज्वेलर्स शोरूम का उद्घाटन परिवार के सबसे बुजुर्ग श्री हनुमान प्रसाद डीडवानिया ने किया । उद्घाटन के साथ ही अतिथियों के मनोरंजन के लिए सम्मोहक कार्यक्रम भी हुए।

आपको बता दें की पिछले 35 वर्षों से सुशील कुमार गुप्ता आभूषण व्यापार से जुड़े हैं । शहर में भरोसे का प्रतीक माने जाने वाले मां गायत्री ज्वेलर्स के संचालक सुशील कुमार गुप्ता ने आज से 35 साल पहले वर्ष 1988 में नगीना ज्वेलर्स के साथ आभूषण व्यापार में कदम रखा था । बेहतरीन आभूषणों के कलेक्शन और अपने भरोसे की बदौलत दिन-ब-दिन आगे बढ़ते गए और कुछ ही समय बाद वर्ष 2001 में आनंद ज्वेलर्स की शुरुआत हुई, जिसमें पहली बार कैरेटोमीटर लाया गया। आपको बता दें कि उस समय तक सोने की शुद्धता जांच करने की शहर में कोई साधन उपलब्ध नहीं थी। ऐसे में आनंद ज्वेलर्स ने ग्राहकों के लिए अपने भरोसे को बढ़ाते हुए सोने की शुद्धता जांच करने के लिए कैरेटोमीटर की उपलब्धता को आसान कर दिया था। सीधे तौर पर कहा जाए तो आनंद ज्वैलर्स रांची शहर का पहला ज्वेलरी शोरूम था जहां सोने की शुद्धता जांच करने के लिए कैरेटोमीटर का इस्तेमाल किया जाता था। उसके बाद सुशील कुमार गुप्ता ने अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2009 में मां गायत्री ज्वेलर्स के रूप में अपने तीसरे शोरूम का शुभारंभ रांची के सबसे वीआईपी माने जाने वाले शॉपिंग कंपलेक्स चर्च कंपलेक्स परिसर में किया । ग्राहकों के बीच में अपनी विशेष पहचान और भरोसे के कारण सफलता की ओर कदम बढ़ाते हुए आज आभूषणों के विशाल संग्रह के साथ शहर में सबसे भव्य शोरूम का शुभारंभ किया। सुशील कुमार गुप्ता के सुपुत्र शुभम गुप्ता ने बताया कि सरस्वान ज्वेलर्स का नाम मां सरस्वती और उनके वाहन हंस से प्रेरित है। मां गायत्री का दूसरा नाम सरस्वती मां भी है। जिस तरह से नाम में आधुनिकता के साथ-साथ पारंपरिक झलक दिखाई पड़ती है ठीक इसी तरह से शोरूम में उपलब्ध आभूषणों में भी आधुनिक और पारंपरिक गहनों की आकर्षक डिजाइंस उपलब्ध है। झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वी भारत का यह एकमात्र आभूषण का शोरूम है जहां विभिन्न तरह के आधुनिक और पारंपरिक गहनों की विशाल संग्रह मौजूद है। सबसे खास बात यह है कि शोरूम की साजो सज्जा और बनावट भी इस तरह से की गई है कि ग्राहकों को एक अलग तरह का सुकून और आनंद का अनुभव मिल सके। इस खास मौके पर ग्राहकों को सोने और चांदी के गहनों की मेकिंग चार्ज पर 25% की छूट और हीरे के आभूषणों की मेकिंग चार्ज पर 100% की विशेष छूट दी जा रही है।
शुभम गुप्ता ने बताया कि ग्राहकों की संतुष्टि उनका मुख्य मकसद है। उन्होंने कहा कि जब कोई भी ग्राहक खरीदारी करते हैं तो उनके चेहरे पर जो खुशी दिखाई पड़ती है वही हमारी वास्तविक कमाई है। अपने भरोसे को कायम रखना और पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेवारी है। सरस्वान ज्वेलर्स मां गायत्री ज्वेलर्स के भरोसे को आगे बढ़ाते हुए एक बेहतर मुकाम हासिल करेगा ऐसा हमें भरोसा है।
इस अवसर पर शहर के गणमान्य लोग भी उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाने में भागीदार बने।

सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाया उत्साह

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 के तहत सीसीएल के लाल और सीसीएल की लाडली शिक्षा केंद्र के छात्रों के बीच भाषण, चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। छात्रों ने इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे आयोजन सफल रहा।
कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्रतिभागियों द्वारा **सत्यनिष्ठा शपथ** लेने से हुई, जिसमें सत्य, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का संकल्प लिया गया। इसके बाद, विभिन्न प्रतियोगिताओं में 40 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य छात्रों की आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता

और सतर्कता से संबंधित सामाजिक मुद्दों की समझ को बढ़ावा देना था। भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने सतर्कता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जबकि चित्रकला प्रतियोगिता ने छात्रों को सतर्कता अभियान के मूल्यों को कलात्मक रूप से प्रस्तुत करने का मौका दिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ने छात्रों की जानकारी और सतर्कता के विषय में उनकी समझ को और अधिक परखा। सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 के तहत आयोजित यह कार्यक्रम सीसीएल के बड़े प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य छात्रों में नैतिक जिम्मेदारी और जागरूकता का विकास करना है। इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से शिक्षा और रचनात्मकता को मिलाकर, अभियान का लक्ष्य सतर्कता और नैतिकता की भावना को युवाओं में मजबूत करना है। उपस्थित सभी ने छात्रों के समर्पण और रचनात्मकता की सराहना की ।

झारखंड के नवनिर्माण के लिए युवा आगे आयें , बीजेपी की सरकार बनते ही भरे जाएंगे सारे रिक्त पद : चम्पाई सोरन

जमशेदपुर । युवा शक्ति के कंधों पर किसी भी राज्य तथा राष्ट्र का भविष्य होता है। मात्र 24 साल पुराने हमारे झारखंड राज्य को लेकर आपके मन में कई सपने, उम्मीदें एवं आकांक्षाएं होंगी। आप में से कई साथी अपने परिवार, समाज, राज्य तथा राष्ट्र के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं, लेकिन व्यवस्था की वजह से मजबूर हैं। आपकी परेशानियों तथा आपके मुद्दों को हमने करीब से देखा एवं समझा है। पिछले साढ़े चार दशकों के अपने बेदाग राजनैतिक सफर में हमने हमेशा युवाओं, छात्रों, महिलाओं एवं बड़े-बुजुर्गों समेत समाज के सर्वांगीण विकास हेतु काम किया है। हमेशा, हर किसी के मुद्दों/शिकायतों को सुनने तथा उनका समाधान तलाशने के लिए प्रयासरत रहा हूँ। हमारे कार्यकाल में दर्जनों डिग्री कॉलेज, पॉलीटेक्निक तथा अन्य शिक्षण संस्थानों का निर्माण शुरू किया गया था। हमारे पांच महीनों के अल्पकालिक कार्यकाल के

दौरान शुरू की गई विभिन्न नियुक्ति प्रक्रियाओं को रोकने की जद्दोजहद ने ना सिर्फ आपको, बल्कि मुझे भी खासा निराश किया है।
भारतीय जनता पार्टी में, जब हम परिवर्तन की बात करते हैं, तब हमारा मकसद सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में परिवर्तन लाना है। हमलोग एक ऐसी व्यवस्था बनाएंगे जहाँ क्लर्क से लेकर सीएम तक, हर कोई आपकी शिकायतों को सुने एवं पूरी ईमानदारी के साथ उन पर कार्रवाई करे। आइये, साथ मिलकर हम एक ऐसी सरकार बनाते हैं, जो कैलेंडर बना कर, पारदर्शिता से सभी नियुक्ति प्रक्रियाओं को पुरा करवाएगी। एक ऐसी व्यवस्था बनाते हैं, जिसमें सिर्फ योग्य एवं प्रतिभाशाली छात्रों का चयन हो, तथा पेपर लीक एवं भ्रष्ट्राचार का कोई स्थान ना रहे। भाजपा की सरकार आने के तुरंत बाद 2.87 लाख नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही, 5 लाख युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाये जाएंगे, ताकि वैसे लोग भी विकास की मुख्य धारा से जुड़ सकें, जो किसी कारणवश नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकते। आपमें से कई लोग पहली बार वोट देंगे। उन युवा साथियों से विशेष अनुरोध है कि झारखंड में भाजपा को वोट देकर, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के हाथों को मजबूत बनाएं। आइये, साथ मिल कर एक "नया झारखंड" बनाते हैं, उन लोगों के जीवन-स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं, जिन्होंने इस नए राज्य के साथ अपने बेहतर भविष्य के सपने देखे थे।

सड़क हादसे में रिटायर्ड प्रधान लिपिक की मौत

हजारीबाग : अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं निदेशक प्रसार वानिकी उत्तरी छोटानागपुर एवं पलामू-हजारीबाग के कार्यालय से सेवानिवृत्त प्रधान लिपिक रवींद्र प्रसाद की सड़क दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु हो गई. इस घटना से परिजन और वनकर्मी शोकाकुल हैं. ज्ञात हो कि 13 अक्टूबर की शाम को रवींद्र प्रसाद न्यू फोरेस्ट कॉलोनी स्थित अपने आवास से टहलने निकले थे. इसी बीच तेज रफ्तार कार ने चपेट में ले लिया, जिससे प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए. परिजनों और आसपास के लोग आनन-फानन में आरोग्यम अस्पताल ले गए. स्थिति को देखते हुए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया. परिजनों ने बरियातू स्थित मां राम प्यारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. प्रसाद अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र अमीत कुमार और रौनीत कुमार सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं. उनका अंतिम संस्कार खिरगांव स्थित मुक्तिधाम में किया गया है.

अवैध संबंध में बेटा बन रहा था रास्ते का कांटा:14 साल छोटी प्रेमिका के साथ मिल कर दी हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

पलामू : एक महिला के साथ अवैध संबंध में बाधक बन रहे अपने बेटे को पिता ने मौत के घाट उतार दिया। पिता का पांच वर्षों से अपने से उम्र में 14 साल छोटी महिला के साथ अवैध संबंध था। बेटा इसका लगातार विरोध करता था।
इससे आक्रोशित पिता ने अपनी प्रेमिका के साथ बेटे को मारने का प्लान बनाया और सोमवार की रात टांगी से काटकर बेटे को मार दिया। सतबरवा थानाक्षेत्र के इस मामले में पुलिस ने पिता और उसकी महिला प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में शामिल दो अपराधी फरार हैं।

अर्धनिर्मित मकान से मिला था शव

गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि सतबरवा के खामडीह पूर्णाडीह टोला में मंगलवार को सरेश साव के पुत्र सकेंद्र साव (24) का शव एक अर्धनिर्मित मकान से मिला था। धारदार हथियार से उसके शरीर पर कई वार किए गए थे।

इस संबंध में मृतक की मां रविंदा देवी ने अपने पति की प्रेमिका बेबी देवी (31) पर बेटे के हत्या का आरोप लगाया था। बेबी देवी लेस्लीगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत रजहरा गांव निवासी अनिल विश्वकर्मा की पत्नी है। वह पति से अलग सरेश साव (45) के साथ रहती थी।

बाप-बेटे में अक्सर थी लड़ाई

पुलिस ने बेबी देवी से पूछताछ किया तो उसने बताया कि सकेंद्र का अपने पिता के साथ विवाद चल रहा था। पिता से पूछताछ हुआ तो उसने बताया कि दो परिचितों के साथ मिलकर उसने बेटे की हत्या की। बेटा के साथ प्रेमिका को लेकर हमेशा विवाद होता था। कई बार इसे लेकर मारपीट भी हो चुका था। हत्या वाले दिन भी बाप-बेटे में कहासुनी हुई थी।
इसी के बाद उसे मारने की साजिश रच दी गई। पुराने घर से एक किलोमीटर दूर जब बेटा नए बन रहे मकान में रोज की तरह सोने आया तो उसी वक्त उसे मार दिया। गांव वालों और पुलिस को झांसा देने के लिए बेटे के शव के पास पिता बैठकर घंटों रोया था। कांड में प्रयुक्त टांगी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास:धनबाद के धनसार दुहाटांड की घटना, बिस्कुट लिखा घटना को अंजाम देने की कोशिश

धनबादः धनबाद जिले के धनसार थाना क्षेत्र दुहाटांड मे बुधवार की देर शाम पांच वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार का प्रयास करने का मामला प्रकाश में आया है। यह करतूत का आरोप बच्ची ने अपने पड़ोस के 45 वर्षीय अशोक महतो पर लगाया है। सूचना पाकर धनसार पुलिस मौके पर पहुंच आरोपी को पकड़ थाना ले गई। वहीं इस घटना से नाराज स्थानीय लोग धनसार थाना पहुंच आक्रोश जताते हुए आरोपी को सजा दिलाने की मांग कर रहे थे। व्यक्ति की इस हरकत की जानकारी पीड़िता के पिता ने आरोपी के घर वालों को दी तो सभी ने मिल कर उसकी पिटाई कर दी।

क्या है पूरा मामला

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी। तभी उसके पड़ोसी अशोक महतो ने उसे बिस्कुट खिलाई और इसके बाद बहला फुसलाकर एक सुनसान गली मे ले गया। इसके बाद उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास करने लगा। जब बच्ची हल्ला की तो उसके दादा वहां आ गए। दादा के आते ही आरोपी वहां से फरार हो गया। जिसके बाद बाद बच्ची के पिता आरोपी के घर घटना बताने के लिए गए तो वहां उसकी पिटाई कर दी।

ऑटो चालक है आरोपी

इसके बाद घटना की जानकारी आग की तरह फैल गई जिसके बाद पड़ोस के लोग भी आक्रोशित हो गए। जानकारी के अनुसार आरोपी अशोक महतो ऑटो चालक है। वह अक्सर नशे में धुत रहता है। पास पड़ोस के लोग भी इससे परेशान हैं। इससे पहले भी बरमसिया में एक युवती के साथ छेड़खानी मामले में जमकर पिटाई भी हुई थी।
वही धनसार थाना प्रभारी मनोज पांडेय ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही उक्त युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

ओरमांझी ब्लॉक चौक में जय हिंद ज्वेलर्स दुकान का हुआ उद्घाटन

ओरमांझी(मोहसीनआलम):ओरमांझी ब्लॉक चौक के किसान काम्प्लेक्स के समीप गुरुवार क़ो जय हिंद ज्वेलर्स दुकान का भव्य उद्घाटन राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू व पूर्व सांसद रामटहल चौधरी के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया.मौके पर सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के ज्वेलरी के शौकीन लोगों के लिए आज का दिन खुशखबरी लेकर आया,यह दुकान लोगों की जरूरत को पूरा करेंगे,शादी विवाह सहित अन्य समारोह के लिए ज्वेलरी की जरूरत होती है अब आभूषण खरीदने के लिये बड़े शहरों का चक्कर काटना नहीं पड़ेगा,वहीं उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कहीं,वहीं दुकान के संस्थापक सुधीर कुमार सोनी ने कहा कि हमारे दुकान में ग्राहकों को हॉलमार्क की ज्वेलरी ही मिलेगा, हम अपने ज्वेलर्स की दुकान में हॉलमार्क की ज्वेलरी ही भेजते हैं, आभूषण की गुणवत्ता व मिलावट सहित शुद्धता ही हमारी पहचान है,वहीं उन्होंने कहा कि इस न्यू दुकान में सोने चांदी से लेकर सभी प्रकार के आभूषणों के ब्रांड और डायमंड भी उपलब्ध हैं.फैंसी आभूषणों के लिए ग्राहकों क़ो इधर उधर जाने की झंझट से ग्राहकों को मुक्ति मिलेगी.वहीं उन्होंने कहा की शादी विवाह सहित अन्य मौके पर संपर्क करें ग्राहकों को विशेष छूट दी जाएगी, आकर्षक व मनमोहक दुकान होने के कारण पहले दिन ही दुकान में ग्राहकों की काफ़ी भीड़ जुट गई, मालूम हो कि सुधीर कुमार सोनी पिछले 10 साल से अधिक समय से औरमांझी क्षेत्र में सोने चांदी का कारोबार करते आए हैं, सुधीर कुमारअपने अच्छे व्यवहार के चलते लोगों से काफी घनिष्ठता बन चुके हैं, इसका इस जगह से दुकान में काफी फायदा मिलेगा,उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, पूर्व उप प्रमुख जय गोविंद साहू अमरनाथ चौधरी,मानकी राजेंद्र शाही, सतनारायण तिवारी,शिव नारायण साहू, रघुनंदन प्रसाद,सरपंच मंजूर खान,अमित कुमार ओमप्रकाश सोनी,कुणाल चंद्र सोनार सहित आनेकों गणमान्य लोग शामिल थे।

रुक्का पानी प्लांट के आउटसोर्सिंग कर्मियों का हड़ताल तीसरे दिन भी जारी, कर्मी दो हजार मासिक भुगतान की वृद्धि पर अड़े थे, कंपनी एक बढ़ाने के लिए है तैयार

ओरमांझी(मोहसीन आलम): रुक्का पीएचईडी पानी प्लांट के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रहा,हड़ताल पर बैठे कर्मियों से न्यू एजेंसी पाठक इंजीनियरिंग कंपनी के अधिकारीयों द्वारा कई बार वार्ता का प्रयास किया गया लेकिन वार्ता विफल रही,कर्मियों ने अपने मासिक भुगतान में दो हजार की वृद्धि, हर वर्ष महंगाई भत्ता में वृद्धि, प्रत्येक वर्ष को दुर्गा पूजा के समय बोनस का प्रावधान, हर मां मानदेव 7 से 10 तारीख तक दिया जाए और सालाना तिवारी की छुट्टी 30 दिन दिया जाए इसके अलावा प्रत्येक महीना पे स्लिप की मांग सहित अन्य मांगों पर अड़े थे,सभी कर्मचारियों का कहना है की यदि हम लोगों का मांग पूरा नहीं हुआ तो हमलोग काम पर नहीं जाएंगे। मालूम हो कि पीएचईडी में पिछले 3 वर्षों से एपीसीएल कंपनी ऑपरेशन और मेंटेंस का कार्य कर रही थी। उसका टेंडर समाप्त हो चुकी है। जिसके बाद न्यू एजेंसी पाठक इंजीनियरिंग को ऑपरेशन एवम मेंटेन्श का कार्य10 अक्टूबर 24 से हेंडोवर मिला जिसके बाद पीएचई डी में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी 10अक्टूबर

24 को सभी कर्मचारी पीएचईडी के मुख्य गेट के समीप धरने पर बैठ गए । जिसके बाद न्यू एजेंसी सभी कर्मचारियों के साथ बात हुई की 15अक्टूबर 24 को आपलोगो का मांग पूरा कर दिया जायेगा.परंतु समय बीत जाने के बात भी आउटसोर्स कर्मचारियों का मांग पूरा नहीं किया गया जिसे नाराज होकर सभी कर्मचारी हड़ताल पे चले गए। हड़ताल पर चले जाने से महज कुछ कर्मी ही प्लांट को संभाल रहे हैं। अब देखना होगा कि कर्मियों की मांग कब पूरी होती है,और कर्मी हड़ताल से वापस लौटते हैं।प्रबंधक एवं कर्मियों के बीच नोकझोंक के बीच औरमांझी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची,और कर्मियों को समझा बूझकर शांत कराया। शुक्रवार को भी आउटसोर्सिंग कर्मचारी प्लांट के मुख्य गेट पर प्रदर्शन करेंगे,कर्मियों में महिलाएं एवं पुरुष शामिल है।

हाथी के कुचलने से युवक की मौतःहमले में सिविल मिस्त्री की मौत, वन विभाग पर लापरवाही का आरोप

जमशेदपुरः जमशेदपुर के चांडिल थाना क्षेत्र के रसुनिया गांव में गुरुवार सुबह करीब 6 बजे झुंड से बिछड़े एक जंगली हाथी ने 28 वर्षीय सामल मुर्मू को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के समय ग्रामीण धान के खेत में मौजूद इस हाथी को भगाने की कोशिश कर रहे थे, तभी हाथी ने मुर्मू को लगभग डेढ़ सौ मीटर तक दौड़ाया और फिर कुचल दिया।
घटना की सूचना मिलते ही फॉरेस्टर राधारमन ठाकुर मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक सिविल मिस्त्री का काम करता था और उसकी पत्नी तथा तीन छोटे बच्चे हैं। जंगली हाथी ने यह हमला करने से पहले सुबह करीब साढ़े चार बजे चांडिल स्टेशन मोड़ पर देखा गया था और एनएच 32 को पार कर रसुनिया गांव पहुंचा था। वन विभाग ने मृतक के परिवार को 50 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता राशि दी है.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड)
से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।